हिन्दी सांध्य दैनिक

प्रखर पूर्वांचल

अखबार नहीं आंदोलन

RNI:UPHIN/2016/68754 www.prakharpurvanchal.com Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

गाजीपुर से प्रकाशित व वाराणसी, चंदौली, सोनभद्र, मऊ, बलिया, आजमगढ़, भदोही, मिर्जापुर, जौनपुर, लखनऊ, प्रयागराज, गोरखपुर, कुशीनगर, महाराजगंज तथा देवरिया से प्रसारित

वर्षः 6, अंकः 257, पृष्ठ 8, मूल्य 3.00, आमंत्रण मूल्य 2.00 5 मार्च, 2022 दिन शनिवार गाजीपुर/वाराणसी

बेटे की तरह नमक का कर्ज चुकाता रहूंगा : पीएम मोदी

मिर्जापुर में बोले प्रधानमंत्री- यूपी के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार लगातार चाहिए

मीरजापुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सिटी ब्लाक के बरकछा में शुक्रवार को जनसभा को संबोधित करने पहुंचे। प्रधानमंत्री के आगमन में पूर्व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ भी कार्यक्रम स्थल पर निजी हेलीकाप्टर से दोपहर 11.55 पर पहुंचें। केंद्रीय राज्यमंत्री कानून एवं न्याय एसपी बघेल भी आयोजन में शामिल हुए हैं। भारतीय जनता के पदाधिकारी जनसभा को सफल बनाने में तो प्रशासनिक अमला प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था को पुख्ता करने में लगा रहा। इसके पूर्व भाजपा जिला कार्यालय बरौंधा कचार स्थित सभाकक्ष में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जनसभा की तैयारी को लेकर राष्ट्रीय महासचिव भाजपा एवं राज्यसभा सांसद अरुण सिंह के नेतृत्व में समीक्षा बैठक की गई। पीएम ने परिवारवाद पर विपक्ष को घेरा और वंदेभारत, देवीशक्ति और आपरेशन गंगा में देश के नागरिकों को वापस लाने के प्रयासों की जानकारी दी। कहा कि जिस अभियान से गंगा का नाम जुड़ा हो वह जरूर पूरा होता है। विंध्याचल का मानक समय पूरे देश का समय तय करता है। यहां का विकास देश

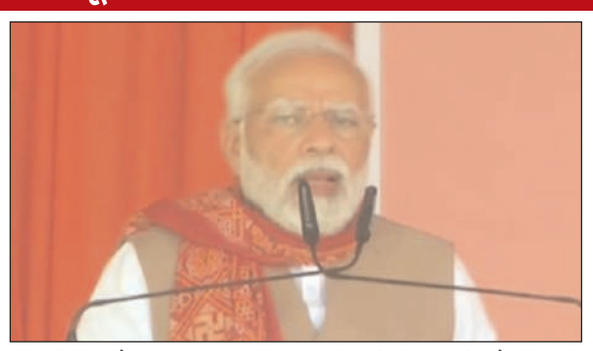

को गति देता है। भारत का सामर्थ्य बढ़ाने के लिए मीरजापुर भदोही के लोगों का एक वोट भाजपा के पक्ष में पड़ना जरूरी है। भावना राष्ट्रभक्ति के साथ ईमानदार नेतृत्व चाहिए जो विकास के लिए मेहनत करे। यह घोर परिवारवादियों का पन्ना काली स्याही से रंगा हुआ है। इतिहास आप अच्छी तरह जानते हैं। इनका इतिहास हजारों करोड़ घोटाला और यूपी को लूटने के साथ आतंकियों और दंगाइयों को संरक्षण का है। अपराधियों को पालने पोसने का है। यह देश यूपी का भला नहीं कर सकते है। समाज को तोड़ा और बांटो करके यूपी को लूटने की मंशा रहती है। मेहतन करना, मदद करना, चिंता करना इनसे नहीं होता। यूपी और देश को ताकतवर यह नहीं बना सकते। इसलिए देश के साथ मिलकर कंधे से कंधा मिलाकर सपने को साकार करना है। इस सदी में ताकत देश की बढ़ रही है। कोरोना काल में भी हमने देखा है। दुनिया के बड़े देश पस्त पड़ गए लेकिन भारत दो साल से 80 करोड़ नागरिकों को मुफ्त राशन दे रहा है। गरीब का चूल्हा बुझना नहीं चाहिए। हमारी सरकार दो लाख साठ हजार करोड़ खर्च कर गरीबों का चूल्हा जला रही है। गरीब मां कह रही है मेरे लिए शब्द नहीं आशीर्वाद होता है। माताओं बहनों को कहता हूं नमक आपने नहीं खाया है नमक मैने खाया है। आपने मुझे जो नमक खिलाया है उसे जीवन भर बेटे की तरह कर्ज चुकाता रहूंगा। लोगों के खाते में हजारों करोड़ रुपये कोरोना काल में भेजे हैं। किसानों के खाते में सीधे सवा लाख करोड़ रुपये दिए हैं। मीरजापुर के किसानों को 400 करोड़ से अधिक भदोही के किसानों को 250 करोड भेजे हैं। इससे गरीब को प्राथमिकता दी गई है। नागरिकों को वैक्सीन के लिए विदेशों में हजारों खर्च करना पड़ रहा है। भारत में फ्री वैक्सीन लग रहा है। भारत आज यह इसलिए कर पा रहा है क्योंकि आपने वोट देकर गरीब कल्याण को प्राथमिकता वाली सरकार बनाई है। मुझे खुशी है केंद्र यहां जो पैसा भेजती है तो योगी सरकार गरीबों पर ही खर्च करती है। पहले पीएम कहते थे दिल्ली से एक रुपया भेजने पर 15 पैसा हो जाता है। यह मोदी योगी हैं जहां पैसा सही जगह पूरा पहुंचता है। यूपी के विकास के लिए डबल इंजन की सरकार लगातार चाहिए। घोर परिवारवादियों के कुशासन का नुकसान गरीबों, दलितों और पिछड़ों के साथ आदिवासियों और मां बहनों ने भुगता है।

मणिपुर के 12 मतदान केंद्रों पर 5 मार्च को दोबारा मतदान होगा

इम्फाल (ईएमएस)। निर्वाचन आयोग ने मणिपुर में पांच विधानसभा क्षेत्रों के 12 मतदान केंद्रों पर पुनर्मतदान करने का आदेश दिया है। इन सीटों पर 28 फरवरी को मतदान हुआ था। मणिपुर के मुख्य निर्वाचन अधिकारी राजेश अग्रवाल की ओर से जारी एक बयान में कहा गया है कि इन केंद्रों पर 5 मार्च को मतदान किया जाएगा। जिन मतदान केंद्रों में दोबारा मतदान होगा, वे खुंद्रकपम, सैतु, थानलॉन, हेंगलप और चुराचंदपुर विधानसभा क्षेत्रों में स्थित हैं। बयान में कहा गया है कि इन मतदान केंद्रों पर संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों से तथ्यों के आधार पर पुनर्मतदान की सिफारिश की गई थी। बयान में कहा गया है कि पुनर्मतदान पर विचार करने का मुख्य कारण मतदान के दौरान और बाद में उपद्रवियों द्वारा ईवीएम को नुकसान पहुंचाना है। जिन मतदान केंद्रों में दोबारा मतदान होना है उनमें सरौथेल, न्यू कीथेलमानबी, सोंगसांग, माइटे, तिनसुओंग, माजुरोन कुकी, एन चिंगफेई, खोइरेंटक, मोलसांग, लेइनोम, टीकोट और मौकोट शामिल हैं. विधानसभा चुनाव के पहले चरण में 28 फरवरी को 38 विधानसभा सीटों पर मतदान हुआ था, जबकि दूसरे चरण में पांच मार्च को 22 सीटों पर मतदान होगा। मणिपुर में कुल 60 विधानसभा सीटों के लिए कुल दो चरणों में मतदान होना तय था।

भारतीयों को निकालने के लिए रूस ने रोका था 6 घंटे तक युद्ध

नई दिल्ली। यूक्रेन और रूस के बीच जंग जारी है। जंग का आज 8वां दिन है। कई भारतीय अभी भी यूक्रेन में फंसे हुए हैं, जिन्हें लाने के लिए भारत सरकार कवायद में जुटी हुई है। इस बीच गुरुवार को विदेश मंत्रालय ने इस खबर का खंडन किया है कि खारकी से भारतीयों को निकलने देने के लिए रूस ने 6 घंटे तक युद्ध रोक दिया था। मालूम हो कि कई मीडिया चैनलों ने इस खबर को जोर-शोर में बताया था। खबरें थी कि खारकीव में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए रूस 6 घंटे तक युद्ध रोकने को तैयार हो गया है। विदेश मंत्रालय ने इन खबरों को नकारते हुए कहा कि ऐसा नहीं है कि हमारे कहने पर युद्ध रुका। ये तो वही बात हो जाएगी कि क्या फिर हमारे कहने पर बमबारी शुरू हुई। उन्होंने आगे कहा कि इन रिपोर्ट पर मैं कोई टिप्पणी नहीं कर सकता। उन्होंने आगे कहा कि हम खारकीव और सूमी से भारतीयों को निकालने के लिए यूक्रेन और रूस के अधिकारियों के संपर्क में हैं। हमारा अनुमान है कि हमारे परामर्श के बावजूद कुछ सौ भारतीय अभी भी खारकीव में हैं।

विदेश मंत्रालय ने कहा कि बुधवार के परामर्श के अनुपालन में बड़ी संख्या में भारतीय छात्रों ने खारकीव छोड़ा, वे पास के पेसोचिन में हैं और उनकी अनुमानित संख्या 1,000 है। खारकीव छोड़ने के बाद पेसोचिन पहुंचे भारतीयों को यूक्रेन के पश्चिमी भाग में ले जाने पर काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद से करीब 18 हजार भारतीय युद्धग्रस्त देश को छोड़ चुके हैं। विदेश मंत्रालय ने कहा, "हमारी पहली एडवाइजरी जारी होने के बाद से कुल 18,000 भारतीय नागरिक यूक्रेन की सीमा छोड़ चुके हैं। ऑपरेशन गंगा के तहत 30 उड़ानें अब तक यूक्रेन से 6,400 भारतीयों को वापस ला चुकी हैं। अगले 24 घंटों में, 18 उड़ानें निर्धारित की गई हैं। उन्होंने कहा, यूक्रेन से भारतीयों को लाने के लिए लगाई गईं फ्लाइट्स में 3 फ्लाइट भारतीय वायुसेना सी - 17 हैं बाकी के कमर्शियल फ्लाइट हैं, जिनमें एयर इंडिया, इंडिको, स्पाइस जेट, गो एयर और गो फर्स्ट के फ्लाइट है। विदेश मंत्रालय ने कहा, "हम और उड़ानें शेड्यूल कर रहे हैं और अगले 2-3 दिनों में बड़ी संख्या में भारतीय वापस लौट आएंगे। मैं अपने लोगों की मेजबानी करने और उन्हें निकालने में सहायता प्रदान करने के लिए यूक्रेन की सरकार और पड़ोसी देशों की सराहना करना चाहता हूं।

मऊ में मुख्तार अंसारी के बेटे के समर्थन में अखिलेश की सभा, बोले- कसम लेकर भी झूठ बोलते हैं भाजपा के नेता

मऊ। उत्तर प्रदेश की सत्ता में वापसी के प्रयास में लगे अखिलेश यादव ने शुक्रवार को अपने घोर विरोधी माफिया मुख्तार अंसारी के बेटे अब्बास अंसारी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित किया।

उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव 2022 में छोटे दलों को साथ लेकर उतरे समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव ने आज मऊ में सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी के प्रत्याशी अब्बास अंसारी के समर्थन में मऊ में सभा के दौरान भारतीय जनता पार्टी पर बेहद गंभीर आरोप लगाया। अखिलेश यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश के चुनाव में जब से समाजवादी पार्टी और छड़ी साथ आई है तभी से सभी विरोधियों के छक्के छूट गए हैं। इस दौरान उन्होंने कहा कि हम लोग गंगा मैया का पानी उठाकर सच बोलने की कसम लेते हैं लेकिन भाजपा के सभी लोग गंगा मैया के पानी में जमकर स्नान करने और उसको छूने के बाद भी झूठ बोलते हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग तो कसम खाने के बाद भी झूठ बोलते हैं। आजकल तो भाजपा का छोटा नेता छोटा झूठ और बड़ा नेता बड़ा झूठ बोल रहा है। घोसी विधानसभा के बापू इंटर कालेज के मैदान में शुक्रवार को जनसभा को संबोधित करते सपा मुखिया अखिलेश यादव ने कहा कि पूर्वांचल की जनता मन बना चुकी है कि भाजपा को हटाना है। मैं तो सभी साथियों को इसके लिए बधाई देना चाहता हूं। उन्होंने कहा कि प्रदेश में और खासतौर पर जबसे पूर्वांचल में समाजवादी पार्टी और सुहेलदेव भारतीय समाज पार्टी साथ आई है योगी जी के छक्के छूट गए हैं। अब तो आपसे सहयोग मांगने आया हूं। छड़ी तथा साइकिल को चुनाव चिह्न को याद रखेंगे। यह चुनाव देश का सबसे बड़ा चुनाव है। संविधान व लोकतंत्र बचाने का चुनाव है। भाजपा ने झूठ बोलने का काम किया है। उसका सफाया करना है। गंगा मैया का पानी छूने के बाद झूठ बोल रहे है। भाजपा झूठ की पार्टी है।

दुखद है कि पुरानी गलतियों से नहीं सीखा यूक्रेन में फंसे छात्रों को लेकर : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने अटॉर्नी जनरल से यूक्रेन में फंसे भारतीयों को निकालने के लिए उठाए जा रहे सभी कदमों, माता-पिता के लिए हेल्पलाइन की संभावना आदि के बारे में केंद्र सरकार से निर्देश लेने के लिए कहा है। अटॉर्नी जनरल केके वेणुगोपाल ने सुप्रीम कोर्ट को बताया कि केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने याचिकाकर्ता छात्र से संपर्क किया जो यूक्रेन की सीमा पर फंसे हुए थे। छात्र अब रोमानिया को पार कर गए हैं और आज रात अन्य व्यक्तियों के साथ विशेष उड़ान से भारत वापस लाए जाएंगे। सुप्रीम कोर्ट का कहना है कि यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हमने पिछली गलतियों से नहीं सीखा और अभी भी युद्ध का सहारा लिया है। हमारे पास ज्यादा कुछ नहीं है लेकिन छात्रों को लेकर चिंता है। सुप्रीम कोर्ट ने केन्द्र सरकार की ओर से दाखिल उस प्रतिवेदन पर शुक्रवार को गौर किया, जिसमें उसने कहा है कि युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे 17,000 भारतीयों को अभी तक वहां से निकाला जा चुका है। चीफ जस्टिस एनवी रमण, न्यायमूर्ति ए. एस. बोपन्ना और न्यायमूर्ति हिमा कोहली की पीठ ने अटॉर्नी जनरल के. के. वेणुगोपाल के बेंगलुरु निवासी फातिमा अहाना और कई अन्य मेडिकल छात्रों को निकालने के लिए किए गए व्यक्तिगत प्रयासों की सराहना की। रूस की 24 फरवरी को सैन्य कार्रवाई शुरू होने के बाद ये लोग रोमानिया सीमा के पास फंसे हुए थे। वेणुगोपाल ने पीठ को बताया कि युद्धग्रस्त यूक्रेन में फंसे 17,000 भारतीयों को अभी तक वहां से निकाला जा चुका है। पीठ ने कहा, हम केन्द्र द्वारा उठाए गए कदमों की सराहना करते हैं। अभी उस पर कुछ नहीं कह रहे हैं, लेकिन हम चिंतित भी हैं। पीठ ने यूक्रेन से भारतीय छात्रों और अन्य लोगों को निकालने के लिए दायर दो याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए केन्द्र से कहा कि वह फंसे हुए लोगों के परिवारों के लिए एक 'हेल्पडेस्क' स्थापित करने पर विचार करे।

भागलपुर में बम बनाने के दौरान हुआ ब्लास्ट, अब तक 12 की मौत

नई दिल्ली। भागलपुर के तातारपुर थाना क्षेत्र के काजवलीचक मोहल्ले में गुरुवार रात करीब पौने 12 बजे एक घर के अंदर हुए बम धमाके ने तबाही मचा दी। कुल तीन घर इस धमाके में जमींदोज हो गए, वहीं एक महिला व एक बच्चा समेत 12 की मौत हो गई। 11 घायलों को रात एक बजे तक मलबे से निकालकर अस्पताल पहुंचाया जा चुका है। आसपास के कुछ और मकानों को भी नुकसान पहुंचा है। पुलिस ने संकेत दिया है कि बम बनाने के दौरान यह धमाका हुआ। एसएसपी बाबू राम ने बताया कि प्रारंभिक जांच में बम बनाते समय धमाका होने की बात सामने आई है। बताया गया कि रात 11.35 बजे मोहल्ले में एक घर में धमाका हुआ। इस मकान में शीला देवी और लीला देवी रहती थी। दोनों गोतनी हैं। धमाके की तीव्रता इतनी ज्यादा थी कि आसपास के दो और मकान जमींदोज हो गए। इसके अलावा कुछ और घरों को भी नुकसान पहुंचा है। मकान के टुकड़े आधा किलोमीटर दूर तक उड़े। धमाका शांत होने के बाद लोगों की

भीड़ जुटी और खोजबीन शुरू हुई। शीला देवी, गणेश कुमार और एक छह माह के बच्चे की लाश मलबे से कुछ ही देर बाद निकाल ली गई। आधा दर्जन घायलों को भी एक-एक कर अस्पताल ले जाया गय। एक बजे करीब जेसीबी मंगाई गई और मलबा हटाने का काम शुरू किया गया। अंदर और कितने लोग थे, यह मलबा हटने के बाद पूरी तरह साफ हो पाएगा। घटनास्थल पर डीआईजी, एसएसपी, डीएम समेत कई वरीय अधिकारी पहुंचे। धमाके की वजह से बिजली के पोल-तार भी बिखर गए। अंधेरा होने के कारण राहत कार्य में दिक्कत आ रही थी। धमाके को लेकर एसएसपी का कहना है कि घटना का कारण संभवतः पटाखा मैटेरियल विस्फोट है। अभी तक जो जानकारी मिली है उसके अनुसार पीड़ित परिवारों में से एक परिवार पटाखा बनाने का काम करता था। जिसके घर में पहले भी विस्फोट की घटना हो चुकी है। उसी घर में विस्फोटक पदार्थ से विस्फोट होने की संभावना है। बम डिस्पोजल टीम तथा एफएसएल टीम के निरीक्षण के बाद स्थिति कुछ और स्पष्ट हो सकेगी।

जो वादा किया वो निभाया : अमित शाह

रामराज बनवासी के लिए देश के गृहमंत्री अमित शाह ने मांगा वोट

प्रखर जखनियां गाजीपुर। स्थानीय अलीपुर मदरा के मैदान में देश के गृहमंत्री अमित शाह ने लगभग बीस हजार से अधिक भाजपा कार्यकताओं के उमड़े जन शैलाब में योगी सरकार की जमकर तारीफ करते हुए उत्तर प्रदेश से गुंडे राज बढ़ते अपराध के खात्मे की बात करते प्रदेश को अपराधमुक्त करार दिया।कहा कि दोबारा सरकार बनने पर बच्चियों को स्कूटी युवाओं को स्मार्टफोन और महिलाओं को मुफ्त गैस एवं किसानों को मुफ्त बिजली का वायदा दुहराया। सम्बोधन का प्रारंभ परमवीर चक्र विजेता शहीद वीर अब्दुल हमीद, किसान नेता स्वामी सहजानंद सरस्वती, सिद्धपीठ हथियाराम मठ की बुढ़िया माई, सिद्धपीठ भुड़कुड़ा मठ की धार्मिक एवं ऐतिहासिक धरती है। जहां युवा सेना के जवान देश के कोने कोने में राष्ट्र रक्षा को कृत संकल्पित से किया। कहा ऐसे वीर जवानों की भूमि व माताओं को प्रणाम करता हूं। उपरोक्त उद्गार से उपस्थित लोगों का सम्मान करते हुए गृह मंत्री अमित शाह ने जखनिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रामराज बनवासी के लिए जनसभा का शुभारंभ किया।

गृहमंत्री अमित शाह शुक्रवार को जखनियां विधानसभा की चुनावी रैली में सपा, बसपा, कांग्रेस पर हमलावर रहे। उन्होंने सपा प्रमुख अखिलेश यादव पर तंज कसते हुए कहाकि काला चश्मा पहनने वालों को विकास नहीं, बल्कि सब काला ही दिखाई पड़ता है। कहाकि उत्तर प्रदेश में 300 के पार सीटें जीत भाजपा फिर से सरकार बनाएगी और किसानों, युवाओं, बेरोजगारों, गरीबों से किए आने वादे पूरा करेगी।

श्री शाह ने कहाकि 2017 में मैं जखनिया आया था मैंने आपसे जो जो वादा किया था। आज पुनः 5 वर्ष बाद उसका हिसाब देने आया हूं। यूपी में हमने 1 करोड़ 67 लाख गैस सिलेंडर उपलब्ध कराया था। अबकी दुबारा सरकार बनने के बाद होली व दीपावली पर मुफ्त गैस भी उपलब्ध कराया जाएगा। यूपी में बिजली दो से 4 घंटे भी नहीं रहती थी जबकि आज हर गांव में 18 से 24 घंटे बिजली उपलब्ध हैम अकेले उत्तर प्रदेश में एक करोड़ 42 लाख घरों में बिजली पहुंचाई गई जो पिछले 70 वर्षों से बिजली की रोशनी से वंचित थे। 2 करोड़52 लाख किसान सम्मान निधि मिलनी शुरू हो गई। आगामी 5 वर्षों तक बिजली भी मुफ्त उपलब्ध कराई जाएगी। उच्च शिक्षा के लिए बच्चियों को स्कूटी मिलेगी वहीं युवाओं को टेबलेट वाइज स्मार्टफोन दिया जाएगा। गरीब कल्याण के साथ ही कानून व्यवस्था दुरुस्त किया गया। 2024 से पहले सभी गरीबों को पक्का मकान दिया जाएगा और सिंचाई के लिए किसानों को पांच साल तक मुफ्त बिजली दी जाएगी। हमारी कथनी-करनी में कोई अंतर नहीं होता है।

श्री शाह ने कहाकि मैंने 2017 में इसी मंच से कहा था कि माफिया समाप्त करना है आज

आप देख लीजिए मुख्तार अतीक आजम के साथ ही सभी माफिया अपनी औकात में आ गए हैं। यूपी दुनिया में सबसे अधिक दूध उत्पादन, आंवला उत्पादन, गन्ना, चीनी, हरी मटर, अदरक इत्यादि में सबसे आगे है। वही अखिलेश राज में यह प्रदेश हत्या लूट डकैती बलात्कार में सबसे आगे नजर आता था। वर्तमान सरकार में लूट में 62%,बहत्या में 30%, अपहरण में 29% और बलात्कार में 50% की कमी आई है। रही विकास की बात तो पूर्वांचल में पूर्वांचल एक्सप्रेस-वे, जखनिया गाजीपुर सादात रेलवे स्टेशन सुंदरीकरण, वाराणसी भटनी दोहरीकरण, नए पावर हाउस, जनपद में कुल 27 रोड 165 किलोमीटर 107 करोड़ की लागत से बने हैं। वहीं वर्तमान में 875 करोड़ की लागत से सैदपुर सादात जखनिया मरदह राष्ट्रीय राजमार्ग 124 का काम शुरू हो चुका है।

स्वास्थ्य के क्षेत्र में पूरे देश में 130 करोड़ मुफ्त टीकाकरण किया गया। अकेले गाजीपुर जनपद में छः ऑक्सीजन प्लांट बन चुके हैं। बहरियाबाद सैदपुर फोरलेन सड़क प्रस्तावित है। जमानिया धरम्मरपुर गंगा पुल निर्माण हो रहा है। उन्होंने कहा कि देश के माथे पर कलंक धारा 370 हटाने का निर्णय लिया गया तो सदन में मुझसे अखिलेश यादव ने कहा था कि अगर धारा 370 हटाया गया तो खून की नदी बह जाएगी। जबकि आज खून की नदी छोड़िए एक पत्थर भी उठाने की औकात में नहीं रह गए हैं। इस दौरान उन?होंने विपक्षी दलों को खूब घेरा और परिवार सहित भ्रष्टाचार का भी आरोप लगाया। उन्होंने पार्टी के प्रत्याशियों को जिताने की जनता से अपील की और सूबे में भाजपा की डबल इंजन सरकार दोबारा लाने की भी अपील के साथ संबोधन खत्म किया। उन्होंने उपस्थित लोगों से रामराज वनवासी को जिताने की अपील करते हुए उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ की सरकार लाने का आह्वान किया।

इस दौरान अनिल कुमार पांडेय, प्रभुनाथ चौहान, हंसराज राजभर, सवानंद सिंह, अखिलानंद सिंह, अटल सिंह, आशीष सिंह "मंटू", दिनेश यादव, मनोज यादव, अशोक कुमार पांडेय, सत्येंद्र सिंह, "मसाला", योगेंद्र सिंह, अजय सिंह, मोनू पांडेय, राजेश सोनकर, दयाशंकर सिंह, अवधेश गिरी, विपिन कुमार सिंह, दुर्गेश सिंह, प्रशांत सिंह, पीयूष सिंह, लालजी गोंड़ इत्यादि उपस्थित रहे। कार्यक्रम का संचालन दिनेश कुमार पांडेय व अध्यक्षता भाजपा जिलाध्यक्ष भानु प्रताप सिंह ने किया।

रामराज चुनाव जीते तो पूर्वांचल में पहली बार मिलेगा किसी मुसहर को प्रतिनिधित्व का मौका- जखनिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी रामराज बनवासी अगर चुनाव जीतते हैं तो यह अपने आप में एक अनोखा रिकॉर्ड साबित होगा। किसी भी पार्टी द्वारा पहली बार समाज के सबसे निचले पायदान पर जीवन यापन करने वाले मुसहर समाज के किसी व्यक्ति को प्रतिनिधित्व का मौका मिलेगा। गौरतलब हो कि रामराज बनवासी के रूप में भाजपा ने उत्तर प्रदेश के चुनाव में पहली बार एक मुसहर प्रत्याशी को अपना आगे कर चुनावी दौर में एक अच्छी सामाजिक पहल की है।

सभा स्थल पर उमड़ी रही भारी भीड़- जखनियां विधानसभा क्षेत्र में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह की चुनावी जनसभा में क्षेत्र के अलीपुर मदरा मैदान में भाजपा समर्थकों की लगभग 20,000 से अधिक भीड़ उमड़ी रही। भारी भीड़ देखकर एक तरफ जहां नेता उत्साहित रहे। वहीं कार्यक्रम के बाद रामराज बनवासी को मिल रहे बड़े समर्थन की चर्चा भी होती रही लोग उत्साहित रहे।

चिंतन मनन

अमेरिका पर 100 सुनार की, रूस की 1 लुहार की चोट भारी पड़ी

द्वितिय विश्व युद्ध के बाद अमेरिका और रूस दो महाशक्ति के रूप में उभरे थे। 1982 में राष्ट्रपति ब्रजनोव की मृत्यु के बाद सोवियत संघ अर्थ-व्यवस्था एवं राजनैतिक दृष्टि से कमजोर हो गया था। उस समय अमेरिका ने रूस को कमजोर करने के लिए काफी पैतरे आजमाए थे। फलस्वरूप 1991 में सोवियत संघ विघटित हो गया। सोवियत संघ से जुड़े कई राज्यों ने अपने-आपको स्वतंत्र घोषित कर सोवियत रूस का अस्तित्व समाप्त कर दिया था। ठीक 30 वर्ष बाद अमेरिका और नाटो देशों ने मिलकर रूस को चुनौती देने के लिए सीमावर्ती देशों में अपनी घुसपैठ बढ़ा दी थी। रूस को अपने पड़ोसी देशों से लगातार चुनौती मिल रही थी। अमेरिका सोवियत संघ से अलग हुए हिस्सों में अपना प्रभाव बढ़ाता ही जा रहा था। जिसके कारण रूस के राष्ट्रपति पुतिन पिछले कई वर्षों से अमेरिका को इस क्षेत्र में घुसपैठ करने से रोक रहे थे। राष्ट्रपति पुतिन ने अपने शासन काल में रूस को काफी मजबूत स्थिति में लाकर खड़ा कर लिया है। तकनीकी और आधुनिक शस्त्रों तथा परमाणु हथियारों पर रूस की आत्मनिर्भरता और अमेरिका के रक्षा व्यवस्था में जो चुनौतियां मिल रही थी, उसको खत्म करने के लिए अमेरिका एवं नाटो संगठन रूस की सीमा के आसपास लगातार अस्थिरता पैदा कर रूस को चुनौती देने का काम कर रहे थे। वैश्विक संधि के बाद पिछले 30 वर्षों में सारी दुनिया के देशों के बीच व्यापारिक संबंध बने हैं। आना-जाना आसान हुआ है। इंटरनेट, ऑनलाइन कारोबार, डिजिटल तकनीकी का लाभ सारी दुनिया के कोने-कोने तक पहुंच गया है। इस बदलाव के कारण आर्थिक, सामाजिक, राजनैतिक सोच बदली है। इसी का फायदा उठाते हुए अमेरिका और चीन अपना वर्चस्व बढ़ाने के लिए पिछले एक दर्शक से हर संभव प्रयास कर रहे हैं। रूस और चीन के बीच राजनायिक संबंध बेहतर है। रूस को अमेरिका से मिल रही चुनौती के बीच चीन ने रूस के साथ अपने रिस्ते और बेहतर बनाये। वहीं अमेरिका नाटो संगठन के माध्यम से राष्ट्रपति पुतिन एवं रूस के लिए सिरदर्द बने हुए थे। रूस के पड़ोसी देशों को हथियारों की सप्लाई कर रूस को चुनौती देने की जो रणनीति अमेरिका ने अपनाई थी। उस का जवाब देते हुए रूस के राष्ट्रपति पुतिन एक बार फिर ताकत का अहसास कराते हुए सोवियत संघ से जुड़े देशों को अमेरिका के प्रभाव से बाहर लाने के लिए आर-पार की लड़ाई लड़ रहे है। यूक्रेन एवं रूस की लड़ाई इसी का परिणाम है। यूरोपीयन मीडिया इस लड़ाई से रूस को कमजोर बनाकर हतोसाहित कर रहा था। पिछले कई माहों में रूस पर प्रतिबंध लगाकर पुतिन को धमकाने का प्रयास कर रहे थे। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने सौ-सुनार की और एक लुहार की तर्ज पर इस लड़ाई को अंजाम पर पहुंचा दिया है। पुतिन के इस रूख से यूरोपीय देश एवं संयुक्त राष्ट्र संघ जैसी संस्थायें रूस के हमलों और आक्रमक रूख से हैरान है। वैश्विक स्तर पर जो घटनाचक्र बना है। उसके बाद लगता है रूस के खिलाफ लगे प्रतिबंधों को समाप्त करके ही इस लड़ाई को रोका जा सकता है। राजनैतिक विशेषज्ञों की माने तो राष्ट्रपति पुतिन 30 वर्ष सोवियत संघ का पुराना दबदबा बनाए रखने के लिए सुनयोवित और सफल रणनीति के तहत कार्य कर रहे है। कोरोना महामारी के बाद सारी दुनिया के देश आर्थिक चुनौतियों का सामना कर रहे हैं। ऐसी स्थिति में यूक्रेन एवं रूस के इस युद्ध का पलड़ा रूस के पक्ष में भारी है। 1991 में राष्ट्रपति मिखाइल गोबार्चेव संघ को विघटित होने से नहीं रोक पाए थे। 2022 में राष्ट्रपति पुतिन का अलगाववादी ताकतों को जवाब देकर पुराना गौरव हासिल करने का प्रयास सफल होता दिख रहा है।

करो ये तैयारी !

ना पड़े भटकना ।
करो ये तैयारी ।।
सुख-सुविधा से युक्त ।
व्यवस्था हो हमारी ।।
होगा करना काम ।
हमको इस प्रकार ।।
आज जो माहौल ।
ना थे ये आसार ।।
जगहंसाई हो रही ।
रहा है पड़ना भाग ।।
पड़ जाता है ठंडा ।
जुनून और आग ।।
करो सब उत्पन्न ।
पड़े न जाना दूर ।।
समय का उपयोग ।
हो हर पल भरपूर ।।

-कृष्णेन्द्र राय

स्त्री-पुरुष में अधिकारों का द्वंद?

'मैरिटल रेप' अब सिर्फ एक शब्द नहीं, हाल के दिनों में स्त्री अधिकार और उसके विमर्श का केंद्र बन गया है। भारत जैसे उदार देश में एक तरफ तीन तलाक और हलाला जैसी कुप्रथाएं पुरुष के एकाधिकार को साबित करती हैं। वहीं 'मैरिटल रेप' यानी वैवाहिक बलात्कार भी स्त्री अधिकारों का दमन है। यह समाजिक बिद्रुपता और कुरूपता है। इसके पीछे पुरुष एकाधिकार की गंध आती है। महिलाओं को सिर्फ समर्पण, त्याग, दया और ममता की प्रतिमूर्ति समझना कहाँ का न्याय है। स्त्री और पुरुष अर्धनारिश्वर है। दोनों के बिना किसी एक का अस्तित्व नहीं है। आधुनिक युग में जहाँ 'लिव इन रिलेशन' जैसी गैर सामाजिक संस्थाओं का उदय हो रहा है। वहीं दूसरी तरफ वैवाहिक जीवन में सहमति और असहमति के बीच 'सेक्स' स्त्री और पुरुष के बीच द्वंद की दीवार बना है।

वैवाहिक जीवन में 'बलात्कार शब्द' का औचित्य ही नहीं होना चाहिए। विवाह जीवन की पहली सहमति है। वह स्त्री-पुरुष के आपसी समझौते का संस्थागत दस्तावेज है।दोनों के बीच 'दैहिक संतुष्टि' एक प्राकृतिक शाश्वत सत्य है। दैहिक संतुष्टि पर जितना प्राकृतिक अधिकार स्त्री का है उतना ही पुरुष का है। इस सत्य के पीछे सृष्टि संरचना का एक अनूठा संसार भी है। क्या हम ऐसे विवादों को खड़ा कर जीवन संरचना के 'शाश्वत सत्य' को ही मिटाने पर तुले हैं। क्या हम प्राकृतिक सत्य को ही नकारने पर अमादा हैं। वैवाहिक जीवन में 'दैहिक संतुष्टि' स्त्री-पुरुष का प्राकृतिक अधिकार है। इसे सिर्फ स्त्री विमर्श और उसके अधिकार के रूप में नहीं विश्लेषित किया जाना चाहिए। फिलहाल ऐसी बहस कितनी जायज है जब जीवन की निजी आजादी की आड़ में विवाह पूर्व 'उन्मुक्त सेक्स' की संस्कृति पनप रहीं है।

दिल्ली उच्च न्यायालय में 'मैरिटल रेप' यानी वैवाहिक बलात्कार का मामला लंबित है। अदालत ने इस मामले में केंद्र सरकार से अपना पक्ष रखने को कहा था। लेकिन सरकार इस मामले में अदालत से अभी लंबा वक्त चाहती है। अदालत उसके लिए तैयार नहीं दिखती है, उसने अपना फैसला सुरक्षित रख लिया है। जबकि केंद्र सरकार सभी राज्यों

और दूसरी संवैधानिक संस्थाओं से इस पर विमर्श चाहती है। स्त्री-पुरुष संबंधों को लेकर वर्षों पुराना कानून बदले परिवेश में अप्रासंगिक हो चला है। 'मैरिटल रेप' को अपराध घोषित कर दिया गया तो विवाह नाम की संस्था खतरे में पड़ जाएगी। समाज में एक नई तरह की समस्या पैदा हो जाएगी। देश में बलात्कार को लेकर भी तमाम कानून बने हैं उस स्थित में क्या हम बलात्कार जैसे घिनौने कृत्य पर प्रतिबंध लगा पा रहे हैं। लेकिन हम यह भी नहीं कहते हैं कि स्त्री अधिकारों की रक्षा न हो।फिलहाल इस तरह के कानून से विवाह जैसी संस्था के लिए खतरा बढेगा।

स्त्री-पुरुष के जीवन में 'बलात 'शब्द की कोई जगह ही नहीं है। विवाह कोई 'कांट्रैक्ट' नहीं है। यह जीवन जीने की पद्धति है। जीवन में सब कुछ सेक्स है यह भी गलत है।सेक्स यानी यौन संतुष्टि जीवन का आनंद और सृष्टि का सर्जक है। कुलीन स्त्री-पुरुष के संस्कारित जीवन में सहमति और असहमति की बात ही नहीं पैदा होती। जीवन में तमाम ऐसे वक्त और मोड़ आते हैं जहां सेक्स बहुत कुछ होते हुए भी कुछ नहीं होता। वैवाहिक संस्था गौड़ हो जाती है और परिवार प्रथम होता है। यह देश, काल, वातावरण और परिस्थिति जन्य हालात पर निर्भर करता है। संविधान में 'मैरिटल रेप' अपराध की श्रेणी में नहीं है। पुरुष के खिलाफ इस पर किसी सजा का प्रावधान नहीं है। वैवाहिक जीवन में 'सेक्स' जीवन का आनंद है। लेकिन सेक्स में स्त्री और पुरुष की सहमति आवश्यक है। क्योंकि 'यौन संतुष्टि' जीवन की संतुष्टि है। फिर इसमें असहमति का प्रवेश 'मैरिटल रेप' में आता है। इस मुद्दे को एक विवेकशील स्त्री-पुरुष आपस में समझ सकते हैं। अदालत का एक फैसला सिर्फ कानून बन सकता है लेकिन जीवन में साहमति और संतुष्टि नहीं पैदा कर सकता।

वैवाहिक जीवन की सफलता, संतानोत्पत्ति, संतान सुख और विभिन्न बातें जीवन की सफलता के आयाम है।जबकि यौन संतुष्टि स्त्री-पुरुष के सुखमय जीवन और पारिवारिक का परिपथ है। ऐसी स्थिति में हम यौन संतुष्टि को जीवन से अलग नहीं कर सकते हैं। विवाह जैसी पवित्र संस्था में प्रवेश के बाद ही स्त्री-पुरुष का जीवन परिवार नामक की संस्था में प्रवेश करता है। उस संस्था को सृष्टि परिवार नामक संस्था में बदलकर देश और समाज का निर्माण करती है। स्त्री-पुरुष के जीवन में असहमति तमाम दुष्परिणामों का फल देती है। यौन संतुष्टि के लिए स्त्री को सिर्फ सेक्स की मशीन नहीं समझना चाहिए। मेरा जहाँ तक ख्याल है संस्कारित जीवन में ऐसी बातें होती भी नहीं हैं।

वैवाहिक जीवन में हमें स्त्री के अधिकार की संपूर्ण रक्षा करनी चाहिए। पुरुष, स्त्री पर एकाधिकार चाहता है। जबकि अब परिवेश बदल गया है स्त्री स्वावलम्बी हो चली है उस हालात में वह पुरुष के एकाधिकार पर खुद को क्यों समर्पित करेगी। जब उसका पति रोज नशे में घर पहुँचता है और खुद की यौनिक संतुष्टि को जीवन की मंजिल मानता हो। उसके लिए स्त्री की भावनाएं और बाल-बच्चे और परिवार की समस्याएं कोई मायने नहीं रखती। हालांकि 'मैरिटल रेप' को अगर अदालत कानूनी मान्यता देती है तो स्त्री अधिकार को कानूनी रक्षा कवच मिल जाएगा, लेकिन इससे समाजिक विद्रूपता फैलने से भी इनकार नहीं किया जा सकता है।

'मैरिटल रेप' स्त्री-पुरुष के बीच एक मनोविकार है। जीवन में संतुष्टि का आनंद तभी मिलता है जब स्त्री और पुरुष के बीच सहमति होती है। इस तरह की संतुष्टि सेक्स को कई गुना बढ़ाती है। लेकिन असहमति में तमाम विद्वेष और विकारों को जन्म देती है। इस तरह की हरकत से स्त्री की निगाह में पुरुष गिर जाता है। उस स्त्री की नजरों में देवता बना पति दानव बन जाता है। पुरुष को इस तरह के हालातों से बचना चाहिए। वैवाहिक संस्था का यह शर्मनाक पहलू है। जब यौन संतुष्टि यौन हिंसा में बदल जाए तो स्त्री-पुरुष संबंध अच्छे नहीं हो सकते। सफल वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा का कहीं स्थान नहीं होना चाहिए। यौन हिंसा ही तलाक और दूसरे मुद्दों का कारण बनती है।

भारत में 29 फिसदी महिलाएं वैवाहिक जीवन में यौन हिंसा का शिकार है। गांव और शहर में इसका अंतर साफ-साफ दिख सकता है। राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे के एक आंकड़े अनुसार यौन हिंसा का सबसे अधिक प्रभाव ग्रामीण इलाकों में देखने को मिलता है। ग्रामीण इलाकों में 32 फिसदी और शहरों में 24 फिसदी महिलाएं वैवाहिक जीवन में यौनिक हिंसा का शिकार हैं। महिलाओं को ऐसी हिंसा से बचने के लिए डॉमेस्टिक वायलेंस एक्ट (घरेलू हिंसा कानून) भी है। दुनिया के 185 देशों में सिर्फ 77 में 'मैरिटल रेप' पर कानून बना है। बाकी 108 देश में 74 देश ऐसे हैं जहां महिलाओं को रिपोर्ट दर्ज कराने का अधिकार है। भारत के समेत 34 देशों में मैरिटल रेप को लेकर कोई कानून नहीं है। आधुनिक परिवेश में यह मुद्दा बेहद संवेदनशील है। क्योंकि विवाह नामक संस्था को बनाए रखना भी हमारी सामजिक चुनौती है। हम एक अच्छी स्त्री चाहते हैं, लेकिन हमें एक अच्छा पुरुष भी बनना होगा। अदालत के किसी भी फैसले का असर समाज पर दूरगामी हो सकता है। सरकार और संवैधानिक संस्थाओं को इस पर गंभीरता से विचार करना होगा।

जमीन पर सीधे संवाद करने वाले मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान

देश के किसी भी राज्य में मुख्यमंत्री के पद पर सर्वाधिक समय तक काम करने का गौरव शिवराज सिंह चौहान ने प्राप्त कर लिया है। अपने चार दशक के राजनीतिक जीवन का लम्बा सफर तय करने के बाद आज भी उनके अंदर जो आत्मविश्वास झलकता है वह सबको आश्चर्य में डालने वाला है। छात्र जीवन से राजनीति शुरू कर जन नेता के रूप में पहिचाने गए शिवराज सिंह चौहान की लोकप्रियता को कई बार जाँचा गया, परखा गया लेकिन कहते हैं कि साँच को आँच नहीं। वे उक्त कहावत को हमेशा चरितार्थ करते दिखे। अपने जीवन में शिवराज सिंह ने जो लोकप्रियता अर्जित की है उसे नापने में दूसरों को शायद एक युग प्रतिक्षा करना पड़े। मध्यप्रदेश के इतिहास में स्वर्णिमअक्षरों मेंमुख्यमंत्री के रुप में शिवराज सिंह चौहानका नाम इसलिये अंकित नहीं होगा कि उन्होंने चार बार इस पद को सुशोभित किया बल्कि विपरीत परिस्थितियों में भी उन्होंने प्रदेश के हित में जो बड़े फैसले लिये उसके लिये उन्हें सदा याद किया जायेगा। उनकी कार्यक्षमता,दूरदर्शी निर्णय उन्हें पूर्व में सत्तासीन रहे प्रदेश के मुख्यमंत्रियों से बिल्कुल अलग रखते हैं। सभी जानते हैं कि विश्वव्यापी कोरोना महामारी की तीसरी लहर का सामना पूरा प्रदेश कर रहा है। मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने अपने उत्तरदायित्व का पालन किया और अपनी जान की परवाह न कर आमजन के बीच पहुँचे। नतीजतन तीसरी लहर में वे कोरोना संक्रमित हुए। इसके पूर्व भी वे कोरोना संक्रमित हो चुके हैं। यहाँ बता दें कि शिवराज सिंह चौहान के अलावा दूसरे राज्य का कोई भी मुख्यमंत्री कोरोना संक्रमण के दौरान आम जन तक नहीं पहुँचा। उन्होंने अपना जीवन सुरक्षित रखना ही बेहतर समझा। शिवराज की इसी कर्तव्यपरायणता के कारण वे मध्यप्रदेश के लोगों का भरोसा जीतने में हर समय कामयाब होते आये हैं। राजनीति के दिग्गजों में भले ही उनकी उम्र कमहै,लेकिन उनमें अनुभव का अपार भण्डार है। अपने विनम्र स्वभाव, सबको साथ लेकर चलने की प्रवृत्ति,ठोस निर्णय लेने में कभी कोताही नहीं करने की आदत औरसमयानुकूल रणनीति बनाने में महारतरखने के बलबूते पर न केवल प्रदेश में चौथी बार मुख्यमंत्री की कुर्सी संभालने का दमखम उन्होंने दिखाया बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर भी संगठन में अपनी एक अलगपहचान बनायी है। आज वे संगठन के साथ-साथ प्रदेश के लोगों की पहली पसंद बन गए हैं। मध्यप्रदेश की राजनीति के अतीत में झांके तो पूर्ववती सरकारों के अनेक ऐसे लोगों ने सत्ता की बागडोर सम्भाली जिन्होंने सिर्फ दलगत तथा जातिगत राजनीति की चिंता की। परिणाम यह निकला कि तत्कालीन नेताओं की कुर्सी तोसुरक्षित रही लेकिन प्रदेश विकास नहीं कर पाया और कई मामलों में पिछड़ता गया। सन् 1956के बाद सत्ता के नाम परजिस समय जातिगत राजनीति को आधार बनाया गया था उसी कालखंड मेंशिवराज सिंह चौहान की प्रारम्भिक राजनीतिशुरू हुयी थी।

यदि शुरूआती दौर की बात करें तोशिवराज सिंह ने मजदूरोंके हक में आवाजबुलंद कर अपनी क्रांतिकारी विचारधारा का परिचय दे दिया था। मजदूरों के हक के लिये आवाजउठाकर उन्होंने यह संकेत दे दिया था कि वर्षो से चली आ रही सामंती प्रथा को अब ठुकराना होगा और आम आदमी के हित की चिंता करना होगी।राजनीतिक सूझबूझ रखने वालों का मानना है किशिव नेयहीं से अपनी कर्तव्यपरायणता की शुरूआत की थी। इसके बाद युवा होने पर सक्रियराजनीति में उनका पदार्पण हुआ। अपनी अद्भुत कार्यक्षमता,विवेकशील तर्कबुद्धि तथा सरल सौम्यव्यवहार के कारणशिवराज ने काफी कम समय में ही विभिन्न ऊँचाईयों कोस्पर्श कर अपने नाम केअनुरुप संगठन और समाज में अपनी पृथक प्रतिष्ठा स्थापित कर ली है। मध्यप्रदेश में अनेक जनकल्याणकारी योजनायें क्रियान्वित हैं। गरीबों को समय समय पर मुत राशन देने के साथ ही उनके लिये स्वास्थ्य संबंधी आवश्यक बंदोबस्त करनेके अलावा बच्चों की शिक्षा परविशेष ध्यान दिया जा रहा है। महिला सुरक्षा को लेकर सरकार चिंतित रहती है। अपराधियों पर नकेल कसने के लिये पुलिस कमिश्नर प्रणाली मध्यप्रदेश में लागू की गयी है। पढ़े लिखे तथा होनहार बेरोजगारों को काम देने के लिएमुख्यमंत्री उद्यम क्रांति योजनालागू की गयी है। इसके अलावा छोटे उद्योगोंकी स्थापना पर भी विशेष बल दिया जा रहा है। कुल मिलाकर शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में मध्यप्रदेश देशका अग्रणीराज्य बनकर विकास केरास्ते पर निरंतरआगे बढ़ रहा है। मध्यप्रदेश में चल रहे विकास संबंधी कार्यो की सराहनास्वयंप्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने की है।

शिवराज सिंह चौहान अक्सर कहते हैं कि ष्मध्यप्रदेश ही मेरा मंदिर है, यहाँ निवास करने वाली जनता मेरी भगवान है और मैं जनता का पुजारी हूँ।ष मध्यप्रदेश के लोगों ने शिवराज सिंह को हमेशा एक मुख्यमंत्री के रुप में पसंद किया है। उनके नेतृत्व मेंही अपनाविश्वास व्यक्त किया है। मध्यप्रदेश का विकास और शिवराज सिंह चौहान एक -दूसरे के पर्याय बन चुके हैं। आज विपरीत परिस्थितियों में भी मध्यप्रदेश विकास के रास्ते परजिस तीव्र गति से अग्रसर है उसके पीछे उनकी सकारात्मक सोच,दूरगामी निर्णय और सूझ बूझ भरी कार्यशैली है। सरकार मुस्तैदी से अपना काम कर रही है लेकिन चुनौतियाँ अक्सर बनी रहती हैं। कोरोना महामारी की आशंका हमेशा बनी रहेगी, ऐसे में सरकार को सतर्क रहकर किसी भी परिस्थिति का सामनाकरने के लियेतैयार रहना होगा। सरकार का दायित्व है कि वह प्रदेश के लोगों के स्वास्थ्य और रोजगार की सुनिश्चितता निर्धारित करे। हालांकि महामारी के लम्बे अंतराल में सरकार ने अपने दायित्व का निर्वाहन ईमानदारी से किया है। रिकवरी रेट से लेकर वैक्सीन लगाने के मामले मेंमध्यप्रदेश ने देश केदूसरे राज्यों कोपीछे छोड़ा है। कोरोना महामारी से ग्रसित तथा प्रभावित लोगों के सुफल जीवन की जिम्मेदारीअब मध्यप्रदेश सरकार की है। मध्यप्रदेश के यशस्वी मुख्यमंत्रीशिवराज सिंह चौहान का 5 मार्चको 63 वांजन्मदिन है। इस दिन प्रदेश का हर नागरिक यह संकल्प ले रहा है कि वह प्रदेश को विकास के रास्ते पर अग्रसरकरने के लिये सरकार के साथ अपनी भागीदारी सुनिश्चित करते हुये मध्यप्रदेश को आत्मनिर्भर बनायेगा। देश के मानचित्र पर मध्यप्रदेश सर्व विकसित,समृद्धशाली,शक्तिशाली और धार्मिक सद्भाव की पहचान दिलाने वाला राज्य बनकर उभर सके यह सबका प्रयास होना चाहिए। निश्चित रुप से कह सकते हैं कि मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान के नेतृत्व में जिस प्रकार से समग्र कार्ययोजनाओंके तहत् हमारा प्रदेश आगे बढ़ रहा है, अब वह समय दूर नहीं जब मध्यप्रदेश आने वाले दिनों में अन्य राज्यों के लिये रोल मॉडल बनेगा। साथ ही मध्यप्रदेश की पहचान पूरे देश में एक विकसित राज्य के रुप में स्थापित होगी।

रोचक और विचारोत्तेजक फिल्म लेखन के स्तंभ रहे जयप्रकाश चौकसे

समाचार पत्र एवं कुछ अन्य मीडिया संस्थानों से फिल्मी पत्रकारिता एवं लेखन में अपनी खास पहचान बनाने वाले वरिष्ठ पत्रकार जयप्रकाश चौकसे के निधन का दुखद समाचार मिला, कुछ रोज पहले ही उन्होंने कैंसर से उत्पन्न शारीरिक व्याधियों के कारण अपना अंतिम स्तंभ लिखकर लेखन से मजबूरी में विराम लिया था, वे भास्कर के लिए पिछले 26 सालों से रोजाना लिख रहे थे। ढाई दशक से अधिक की इस लंबी यात्रा के दौरान चौकसे जी ने क्या कुछ कब कब लिखा वह पूरा मुझ छात्र लेखक की किस्मत में नहीं रहा । जितना जो कुछ जब तक अनियमित पढ़ा सब ईश्वर के आशीर्वाद से। जो पढ़ा है उतना ही चौकसे जी को जान सका हूं सो उनके बारे में उतना ही लिख सकूंगा। सहमति असहमति हर लेखक की तह मेरा भी अधिकार रहेगा।

परदे के पीछे नियमित कॉलम के लिए चौकसे जी की खुले मन से प्रशंसा की जानी चाहिए इसमें कोई दो राय नहीं है। वे फिल्म और सिनेमा से जुड़े हुए कॉलम को हर रोज बार बार लगातार लिखते रहे हैं यह कोई छोटी बात नहीं है। निश्चित रुप से उनके कॉलम का एक बड़ा पाठक वर्ग रहा है जो उनके लेखन की शैली को पसंद करता रहा। चौकसे जी की लंबी पारी के लिए इन नियमित पाठकों को भी आज साधुवाद दिया जाना जरुरी है। इसे सरल भाषा में कहें तो जैसे एक भजन है कि राम से बड़ा राम का नाम वैसे ही लेखक के नाम से बड़ा पाठकों का पाठन योगदान है। ऐसा बंधा हुआ पाठक वर्ग हर लेखक की अभिलाषा रहती है। हमने देखा है कि हिन्दी के नामचीन ख्यात संपादक प्रभाष जोशी का नियमित कॉलम कागद कारे को जनसत्ता के पाठकों ने लगातार इंतजार करते हुए बार बार लगातार पढ़ा। इंदौर से निकले मूर्धन्य संपादक राजेन्द्र माथुर जी के लेखों को पढ़ने के लिए उनके प्रशंसक पाठक वर्ग में जीवन के अंतिम समय तक आतुरता रही। अपने प्रिय पत्रकार, लेखक का नियमित स्तंभ असल में पाठक से एक रिस्ता सा बना लेता है। क्या हम आपस की बात को भूल सकते हैं। राजकुमार केसवानी जी का यह साप्ताहिक स्तंभ भास्कर के रविवारीय का नगीना हुआ करता था। उनकी अपनी ही शैली रही है। फिल्म, कला, संगीत, गीत, नृत्य, गजल, कविता से लेकर कला के हर फलक पर उन्होंने खूब लिखा और बेहद पठनीय लिखा। उनके नियमित पाठक हर लेख में उनकी जय जय को कभी नहीं भूल पाएंगे।

जयप्रकाश चौकसे जी का दैनिक स्तंभ भी भास्कर के नियमित पाठकों के लिए एक जरुरी हिस्सा बन गया था। उनके लेख में सिनेमा और टीवी की बातें एक अलहदा अंदाज में कही जातीं थीं। वे फिल्मों के बीच में समसामायिक मुद्दों पर भी अपनी बात चतुरता से रखा करते आए हैं हालांकि ये बात भी साफ है कि उनकी अपनी एक खास राजनैतिक दृष्टि रही और अनेक बार राजनैतिक समीक्षा और आलोचना में पूर्वाग्रही भी रहे । अपने लेखन के बीच बीच में उन्होंने खास राजनेताओं की बहुत तल्ख शब्दों के साथ न केवल बुराई की है बल्कि अनेक बार उपहास भी किया है। बिना नाम लिए उन्होंने ऐसे व्यंग्य से भरे नुकीले बाण अननिगत बार चलाए। ऐसी आलोचनाओं का एक पत्रकार की कलम से हर पाठक वर्ग स्वागत करता रहा है बशर्ते वे एकतरफा और समानता के साथ की गई हों मगर चौकसेजी अनेक बार लेखन में असंतुलन के भाव में दिखे हैं। खैर उनके सिनेमा पर ही केन्द्रित लेखन की भी बात हो जाए।

निसंदेह उनके पास जानकारियों और मुंबई की खबरों का बड़ा पिटारा रहता था और वे समय समय पर सिने जगत की विभिन्न घटनाओं पर उनके जरिए टिप्पणियां करते थे। चूंकि विज्ञापन एजेंसियां अखबारों में निरंतर पीआर खबरें जारी करती रहती हैं और अधिकांश अखबारों के फिल्मी पन्ने उन्हीं चटपटी खबरें से अटे रहते हैं ऐसे में सिनेमा के लिए उनसे अलग लिखना भी एक बड़ी चुनौती है। जयप्रकाश चौकसे ने इसके समाधान के लिए अपने ही तरीके का खास लेखन किया। उनके स्तंभ में आप एक साथ कई विषयों पर पढ़ सकते थे। शायद ही कभी हो कि उन्होंने परदे के पीछे में असल दुनिया के आगे के बारें में थोड़ा बहुत कुछ लिखा न हो। वे फिल्मी लेखन में देश दुनिया में घट रहीं घटनाओं पर गंभीर टिप्पणियां किया करते थे। बीच बीच में दार्शनिक भाव में दो चार लाइन लिखकर वे तो आगे बढ़ जाते थे मगर पाठक वर्ग सोचने के लिए कुछ ठिठक जाता था। पाठकों का ये ठिठकना भी चौकसे की उपलब्धि कही जाएगी क्योंकि वे लेख के जरिए लोगों को सोचने व तर्क वितर्क का मंच उपलब्ध करा देते थे। बीच बीच में सिनेमा की तमाम रोचक और संग्रहणीय जानकारियां फिल्म जगत से उनके निरंतर संबंधों का परिणाम रहीं। उन्होंने फिल्मों के लिए लेखन करते हुए अपने निजी संबंधों को भी पानी देने में संकोच नहीं किया। कपूर परिवार की तारीफ वे बहुत खुलकर और बहुत बार किया करते थे। कपूरों से उनका प्रेम इस तरह रहा कि उन्होंने अपने करियर में शुरूआत सें ही डगमगा रहे ऋषि कपूर के अभिनेता बेटे रणवीर कपूर को बार बार हर बार बहुत ज्यादा प्रतिभाशाली बताया मगर खुलकर कहा जाए तो ये ये पाठक हैं सब जानते हैं। खैर इन अतीरिकों को एकतरफ रख दें तो चौकसे जी का लेखन सफल रहा , लोकप्रिय रहा । पक्ष विपक्ष, भेद मतभेद हमेशा रहे हैं और आगे भी रहेंगे। लेखन की दृष्टि को संतुलित रखना संभवत चांद में दाग न होने देने जैसी चीज बन जाती है अनेक बार। जयप्रकाश जी ने भी अपने बस तक अपने लेखन को अपने मन अनुसार धवल रखा, . उनके अंतिम लेख को पढ़कर जहां उनकी शारीरिक व्याधियों को जानकर दुख हुआ वही जीवट ता भरे शीर्षक को देखकर एक आशा भी जगी कि उनका यह लेख विदा ही है अलविदा नहीं है एवं विचार की बिजली उनके मस्तिष्क में जरूर चमकेगी मगर यह हो नहीं सका एवं एक विशाल रचना संसार कोरक्कर इस दुनिया से हमेशा के लिए अलविदा हो गए, . हम सब पर्दे की पीछे की कहानियों के लिए हमेशा ही चोकसे जी को बारंबार स्मृतियों में याद करते रहेंगे, उनका लेखन उनकी विशिष्ट छवि बनकर पाठकों के मन में हमेशा अंकित बना रहेगा.....

क्वींसटाउन

दुनिया की रोमांच राजधानी

उस शहर जाने की कल्पना ही रोमांचक हो सकती है जिसे दुनिया की एडवेंचर कैपिटल के रूप में शोहरत हासिल हो। जिन्हें हम एक्सट्रीम एडवेंचर की संज्ञा देते हैं, वे सभी यहां हैं। हम बात कर रहे हैं न्यूजीलैंड के क्वींसटाउन शहर की। कहा जाता है कि उन्नीसवीं सदी के मध्य में जब क्वींसटाउन में शॉटओवर नदी में सोना मिलने की खबर फैली तो लोग यहां उमड़ने शुरू हो गए थे। आखिरकार जब सोना खत्म हो गया तो यहां पहुंचे लोगों का ध्यान यहां के पहाड़ों और नदियों की खूबसूरती पर गया और तब उन्होंने यही बसने का फैसला कर लिया। रोमांच में यहां शुरुआत पिछली सदी के मध्य में स्कीइंग से हुई।

1970 के दौरान जेट बोटिंग की शुरुआत हुई। यह एक तरह से विशुद्ध रूप से रोमांच की दुनिया को क्वींसटाउन की देन थी। शॉटओवर नदी की गहरी कंदराओं में से जेटबोट की राइड का रोमांच ही अलग है। कुछ ही समय बाद रिवर राफ्टिंग भी क्वींसटाउन की नदियों में शुरू हो गई। 1988 में ऐ जे हैकट ने यहां बंजी जंपिंग की शुरुआत की। क्वींसटाउन को बंजी जंपिंग का जनक माना जाता है। आज यहां बंजी जंपिंग की कई साइट हैं। एक समय तो हैकट एंड कंपनी 450 मीटर की ऊंचाई से हेलीकॉप्टर से बंजी जंपिंग करा रहे थे। हालांकि सरकारी नीतियां बदलने से बाद में उसे रोकना पड़ा।

क्वींसटाउन ही टेंडम पैरापेंटिंग व कमर्शियल स्काइडाइविंग का भी मुख्य अड्डा है। इसके अलावा यहां टेंडम हैंग ग्लाइडिंग, पैरासेलिंग व एब्सेलिंग जैसी गतिविधियां भी होती हैं। सैलानी क्वींसटाउन केवल एडवेंचर के लिए जाते हैं, जबकि वहां की प्राकृतिक खूबसूरती भी किसी जगह से कम नहीं।

कैसे जाएं- न्यूजीलैंड के दक्षिणी द्वीप के दक्षिण-पश्चिमी कोने में स्थित क्वींसटाउन में हालांकि इंटरनेशनल एयरपोर्ट है, लेकिन यहां की सारी अंतरराष्ट्रीय उड़ानें आस्ट्रेलिया के विभिन्न शहरों से होकर हैं।

खतलिंग

ग्लेशियर का नजारा

उत्तराखंड में एक वक्त 7,941 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र बर्फ से ढका रहता था, जो यहाँ के भौगोलिक क्षेत्रफल का लगभग 15 प्रतिशत क्षेत्र है। यमुना, गंगा और काली नदी समेत उनकी कई सहस्त्रधाराएँ इसी क्षेत्र में जन्म लेती हैं, लेकिन यह क्षेत्र लगातार सिमट रहा है। यहाँ के तमाम ग्लेशियर पिघल रहे हैं।

चार धामों की यात्रा के अलावा साहसिक पर्यटन के प्रेमियों में खतलिंग ग्लेशियर के दर्शन को पाँचवाँ धाम दर्शन माना जाता है। यहीं से केदारनाथ तक पैदल यात्रा क्षेत्र भी है। पिछले हफ्ते इसी यात्रा मार्ग पर ट्रैकिंग के लिए कुछ पर्यटकों का दल भारी बर्फबारी में फँसने से राज्य में हड़कंप मच चुका है। बमुश्किल इस यात्री दल के तीन पर्यटकों को हेलिकॉप्टरों से निकाला गया तो छः अन्य लोगों को दो दिन बाद त्रियुगी नारायण क्षेत्र में आईटीबीपी एवं पुलिस की गठित टीमों ने पैदल रास्ते से जाकर ढूँढ निकाला।

यही है कस्तूरी मृगों का क्षेत्र :

पाँचवें धाम खतलिंग को जाने वाले मार्ग पर फँसे इन पर्यटकों ने वन विभाग से यहाँ जाने की अनुमति नहीं ली थी। इस क्षेत्र में कस्तूरी मृग क्षेत्र होने से यहाँ जाने की पूर्वानुमति आवश्यक है। 3,700 मीटर की ऊँचाई पर खतलिंग ग्लेशियर पहुँचने के रास्ते में चौकी बुग्याल रुद्रागंगा, हिमानी गुफा, दुमलिया ताल भी दर्शनीय हैं। यहाँ से सात किलोमीटर की दूरी तय कर गंगोत्री पहुँचा जा सकता है। यहाँ से साढ़े छः हजार मीटर की ऊँचाई पर स्थित सतलिंग तेज चमकता है।

स्फटिक लिंग जो ग्रेनाइट धातु से बना है, पर बर्फ नहीं टिकती और भगवान शिव का आत्मलिंग का खिताब इसे प्राप्त है । 6,460 मीटर जोगिन चोटी, मयाली टॉप के रास्ते वासुकीताल होते हुए 14 किलोमीटर दूरी तय कर केदारनाथ धाम पहुँचना संभव है । मयाली टॉप की चोटी से तिब्बत का इलाका दिखाई देता है।

पिघल रहे ग्लेशियर :

हिमालय में तैंतीस हजार वर्ग किलोमीटर में ग्लेशियर फैले हैं जो पूरे हिमालय क्षेत्र के 17 प्रतिशत रहे हैं। गोमुख, मिलम, पिंडारी, खतलिंग व नामिक जैसे उत्तराखंड के हजारों ग्लेशियर पानी की मीनारों का काम करते हैं। हजारों साल पहले गौमुख ग्लेशियर गंगोत्री से मिलता था, लेकिन आज गंगोत्री व गोमुख के बीच की दूरी 19 किलोमीटर है।

पिछले दो सौ वर्षों में गंगोत्री व गोमुख के बीच की दूरी ही नहीं बढ़ी। ग्लेशियर का स्राउट भी खिसकता जा रहा है। मिलम ग्लेशियर 1828 में मिलम गाँव से दो किलोमीटर पर बताया गया जो अब छः किलोमीटर से भी अधिक दूरी पर है। खतलिंग ग्लेशियर का मुख जो चौकी ताल पर था, अब सात किलोमीटर दूर है। पिंडारी ग्लेशियर भी काफी पीछे चला गया।

बढ़ते लोग, बढ़ता ताप :

सन 1808 तक गंगोत्री क्षेत्र में गंगा की मूर्ति के पूजन की परंपरा थी, लेकिन यहाँ दस-पंद्रह लोग ही रहते थे। गंगा की मूर्ति के साथ ये लोग भी अपने गाँवों में वापस चले जाते थे। 1981 की जनगणना में गंगोत्री की स्थाई आबादी लगभग 125 के आसपास थी जो आज हजारों तक पहुँच चुकी है। साधु-संन्यासी ही काफी पहले पहुँचे थे। चार धामों में से बद्रीनाथ में ही यह संख्या श्रद्धालुओं के हिसाब से लाख तक पहुँचती थी। अब यहाँ एक हफ्ते में लाख से अधिक श्रद्धालु आते हैं।

पूर्ण कुंभकाल के वक्त ही बद्रीनाथ से ज्यादा श्रद्धालु आते थे। 1808 के पूर्ण कुंभ में 45 हजार श्रद्धालु बद्रीनाथ पहुँचे थे, जबकि 2010 के पूर्ण कुंभ के बाद दो दिन में यह संख्या पार कर ली गई। 1808 में केदारनाथ की यात्रा विषम थी। उस साल केदारनाथ गए कई यात्री मारे भी गए थे। अब तमाम साधन, बढ़ते गाड़ियों व रेल नेटवर्क बढ़ने से तीर्थयात्रियों की संख्या में असाधारण वृद्धि हुई है। इसी तरह इस क्षेत्र के ग्लेशियरों में भी ट्रैक कर जाने वालों की संख्या में वृद्धि हो रही है।

प्रकृति छेड़छाड़ ने पैदा किया संकट :

इसी तीर्थ क्षेत्र के आसपास बुग्यालों, ग्लेश्यिरों एवं तमाम खूबसूरत घाटियों व नदियों पर जलविद्युत परियोजनाओं के लिए प्रकृति से छेड़छाड़ से भी यहाँ के माहौल में बदलाव आया है। स्वयं चिपको नेता चंडीप्रसाद भट्ट ने भी इस तरह की गतिविधियों को विश्व धरोहर पार्कों के आसपास हेमकुंड साहिब यात्रा मार्ग पर भ्यूंडार घाटी जल विद्युत परियोजना समेत तमाम क्षेत्रों की परियोजनाओं को सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के विरुद्ध बताया है।

इस बाबत उन्होंने केंद्र को पत्र भी भेजकर इस संवेदनशील क्षेत्र में इस गतिविधि को लगाम लगाने की माँग की है। विश्व धरोहर फूलों की घाटी से सात किलोमीटर की दूरी पर भ्यूंडार घाटी जल विद्युत परियोजना भी इस सुप्रीम कोर्ट के आदेश के विरुद्ध जारी है। इस आदेश के अनुसार विश्व धरोहर से 10 किलोमीटर की परिधि में इस तरह की परियोजनाएँ प्रतिबंधित हैं। तथापि यहाँ इस तरह की परियोजनाओं का बेरोकटोक निर्माण इस क्षेत्र में प्रकृति प्रेमियों के रोष का कारण बन रहा है।

कला-शिल्प का अद्भुत संगम

खजुराहो

खजुराहो के मंदिर भारतीय कला का एक उत्कृष्ट नमूना है। इन मंदिरों की दीवारों पर उकरी देवी-देवताओं की विभिन्न मुद्राओं की मनोहारी प्रतिमा अपने आप में दुलर्भ है, जिसके समान कोई ओर नहीं है। मध्यप्रदेश में स्थित खजुराहो पर्यटकों के आकर्षण का प्रमुख केंद्र है।

हर साल लाखों की संख्या में देशी व विदेशी पर्यटक खजुराहों आते हैं व यहाँ की खूबसूरती को अपनी स्मृति में कैद करके ले जाते हैं। यहाँ शाम के वक्त होने वाले लाइट शो में खजुराहो के मंदिरों की खूबसूरती का चरम देखने को मिलता है, जो एक यादगार व अविस्मरणीय अनुभव होता है।

भारतीय कला व संस्कृति के संगम स्थल खजुराहों के आसपास भी कई ऐसे स्थान है, जो आपकी खजुराहो यात्रा को पूर्णता प्रदान करते हैं। इनमें खजुराहो से 25 किमी दूर स्थित राजगढ़ पैलेस (हैरिटेज होटल), रंगून झील (पिकनिक स्पॉट), पन्ना राष्ट्रीय उद्यान आदि स्थल है। खजुराहो को प्यार का प्रतीक भी कहा जाता है। यहाँ काम मुद्रा में मग्न देवताओं की भी मूर्तियाँ है, जो अश्लीलता नहीं बल्कि सौंदर्य और प्यार की प्रतीक हैं। प्यार के साक्षी इन्हीं मंदिरों में प्रतिवर्ष कई जोड़े परिणय सूत्र में बँधकर अपने दांपत्य जीवन की शुरुआत करते हैं।

खजुराहो एक पर्यटक स्थल होने के साथ-साथ मंदिरों के गाँव के रूप में भी विख्यात है। यहाँ के मंदिर लगभग 1000 सालों से भी अधिक पुराने हैं, जिन्हें मध्यभारत के चंदेल राजपूत राजाओं ने बनवाया था।

वर्तमान में प्राचीन 85 मंदिरों में से मात्र 22 मंदिर ही सुरक्षित बचे हैं। शेष मंदिर आज खंडहर के रूप में तब्दील होकर जीर्ण-शीर्ण अवस्था में हैं। खजुराहो के प्रसिद्ध मंदिर पूर्वी, पश्चिमी व दक्षिणी आदि तीन भागों में विभाजित हैं।

पश्चिमी भाग के मंदिर :- खजुराहो में पश्चिमी भाग के मंदिरों में प्रमुख मंदिर कंडरिया महादेव मंदिर, चौंसठ योगिनी मंदिर (ग्रेनाइट से बना सुंदर मंदिर), काली माँ का मंदिर, देवी जगदंबा मंदिर आदि प्रमुख हैं। इन मंदिरों के उत्तर में चित्रगुप्त मंदिर (सूर्य देवता का मंदिर), विश्वनाथन मंदिर (तीन मुखी ब्रह्मा की प्रतिमा तथा 6 फीट ऊँची नंदी प्रतिमा), मटंगेश्वर मंदिर (8 फीट ऊँचा शिवलिंग) आदि स्थित है।

मंदिरों में स्थित प्रतिमाओं की जर्जर स्थिति को देखते हुए इनमें से कई मंदिरों में पूजा करना प्रतिबंधित है। इनमें से केवल ममटंगेश्वर मंदिर में ही अब तक पूजा करना जारी है।

पूर्वी भाग के मंदिर :

इस भाग में हिंदू व जैन दोनों के देवी-देवताओं की दुर्लभ प्रतिमाएँ स्थित हैं। मंदिरों का यह भाग खजुराहो गाँव के समीप स्थित है। पूर्वी भाग का सबसे बड़ा मंदिर जैन तीर्थंकर 'भगवान पार्श्वनाथ जी का मंदिर' है। इसके बाद दूसरा जैन मंदिर 'घाटी मंदिर' है। इस मंदिर के उत्तर में 'आदिनाथ मंदिर 'हैं। मंदिरों के इस समूह में ब्रह्मा, वामन आदि हिंदू देवताओं के मंदिर भी शोभायमान है।

दक्षिणी भाग के मंदिर :

मंदिरों का यह समूह खजुराहो गाँव से लगभग 5 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। इनमें सबसे अच्छा मंदिर 'चित्रभुज मंदिर' है। इस भाग के मंदिरों से कुछ दूरी पर सड़क के उस पार जैन मंदिरों का एक समूह है, जिनमें कई जैन तीर्थंकरों के सुंदर व आकर्षक मंदिर है।

खजुराहो के आसपास: भारतीय कला व संस्कृति के संगम स्थल खजुराहों के आसपास भी कई ऐसे स्थान है, जो आपकी खजुराहो यात्रा को पूर्णता प्रदान करते हैं। इनमें खजुराहो से 25 किमी दूर स्थित राजगढ़ पैलेस (हैरिटेज होटल), रंगून झील (पिकनिक स्पॉट), पन्ना राष्ट्रीय उद्यान (34 किमी दूर) आदि रमणीय स्थल हैं।

भारत की इस विरासत को देखना मात्र ही अपने आप में भारतीय कला से रूबरू होना है, जो अपने आप में अनूठी है, प्राचीन है व गौरवशाली है। आप भी मंदिरों के इस गाँव की सुंदरता को निहारने एक बार अवश्य खजुराहों जाएँ।

87% मानते हैं पत्नी को पति का कहना मानना चाहिए

■ वाशिंगटन/नई दिल्ली (भाषा)।

ज्यादातर भारतीय इस बात से पूरी तरह या काफी हद तक सहमत हैं कि पत्नी को हमेशा ही अपने पति का कहना मानना चाहिए। एक अमेरिकी थिंक टैंक के एक हालिया अध्ययन में यह कहा गया है। प्यू रिसर्च सेंटर की यह नई रिपोर्ट बुधवार को जारी की गई, जिसमें इस पर गौर किया गया है कि किस तरह से भारतीय घर और समाज में लैंगिक भूमिकाओं को कही अधिक

■ रिपोर्ट 29,999 भारतीय वयस्कों के बीच 2019 के अंत से लेकर 2020 की शुरूआत तक किए गए अध्ययन पर आधारित है

सामान्य रूप से देखते हैं। रिपोर्ट 29,999 भारतीय वयस्कों के बीच 2019 के अंत से लेकर 2020 की शुरूआत तक किए गए अध्ययन पर आधारित है। रिपोर्ट में कहा गया है, भारतीय वयस्कों ने तकरीबन सार्वभौम रूप से कहा कि महिलाओं को पुरूषों के समान अधिकार होना जरूरी है। हर 10 में आठ लोगों ने कहा कि यह बहुत जरूरी है। हालांकि, कुछ ऐसी परिस्थितियों में भारतीयों को लगता है कि पुरुषों को वरीयता मिलनी चाहिए। इसमें कहा गया है, करीब 80 प्रतिशत इस विचार से सहमत हैं जब कुछ ही नौकरियां हैं तब पुरूषों को महिलाओं की तुलना में नौकरी करने का अधिक अधिकार है।

रिपोर्ट में कहा गया है कि करीब 10 में नौ भारतीय (87 प्रतिशत) पूरी तरह या काफी हद तक इस बात से सहमत हैं कि, पत्नी को हमेशा ही अपने पति का कहना मानना चाहिए।

महिलाएं और पुरूष समान रूप से अच्छे नेता होते हैं

अध्ययन के मुताबिक, ज्यादातर पुरुषों ने कहा कि महिलाएं और पुरूष समान रूप से अच्छे नेता होते हैं। वही, सिर्फ एक चौथाई भारतीयों ने कहा कि पुरूषों में महिलाओं के तुलना में बेहतर नेता बनने की प्रवृत्ति होती है। रिपोर्ट में यह भी रेखांकित किया गया है कि ज्यादातार भारतीयों का कहना है कि पुरुष और महिलाओं को कुछ पारिवारिक जिम्मेदारी साझा करनी चाहिए, वही कई लोग अब भी परंपरागत लैंगिक भूमिकाओं का समर्थन करते हैं। जहां तक बच्चों की बात है, भारतीय इस बारे में एक राय रखते हैं कि परिवार में कम से एक बेटा (94 प्रतिशत) और, एक बेटी (90 प्रतिशत) होनी चाहिए। ज्यादातर भारतीयों (63 प्रतिशत) का कहना है कि मात-पिता की अंत्येष्टि की जिम्मेदारी प्राथमिक रूप से बेटों की होनी चाहिए।

मुस्लिम में 74 प्रतिशत, जैन (67 प्रतिशत) और हिंदू में 63 प्रतिशत लोगों का कहना है कि माता-पिता के अंतिम संस्कार की प्राथमिक जिम्मेदारी बेटों की होनी चाहिए। वही 29 प्रतिशत सिखों, 44 प्रतिशत ईसाइयों और 46 प्रतिशत बौद्ध धर्मावलंबी अपने बेटों से यह उम्मीद करते हैं। साथ ही, उनका यह भी कहना है कि माता-पिता की अंत्येष्टि की जिम्मेदारी बेटे और बेटी, दोनों की होनी चाहिए।

अब लोग चख सकेंगे तरल गुड़

■ ठोस और तरल गुड़ की मिठास में भी कोई अंतर नहीं है। अलग- अलग स्वाद और हर्बल बनाने के लिए इसमें गिलोय, अदरक, तुलसी, दालचीनी भी मिलाई जा रही है

समस्तीपुर (बिहार) (आईएएनएस)। लोग अब जल्द ही तरल गुड़ का स्वाद चख सकेंगे। यही नहीं, अब गुड़ को पकवान बनाने के लिए किसी चीज में घोलने में भी आसानी होगी। सबसे बड़ी बात है कि ठोस और तरल गुड़ के मिठास में भी कोई अंतर नहीं होगा। बिहार के समस्तीपुर के पूसा स्थित डा राजेंद्र प्रसाद केंद्रीय कृषि विश्वविद्यालय तरल गुड़ के उत्पादन पर काम कर रहा है।

विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि पकवान बनाने या किसी खाद्य पदार्थ में ठोस गुड़ को घोलना पड़ता था, इस कारण तरल गुड़ की मांग जरूर होगी। वैज्ञानिकों का कहना है कि एक साल तक सामान्य तापमान में इसे रखा जा सकेगा। ईख अनुसंधान संस्थान के निदेशक डा अनिल कुमार सिंह के निर्देशन में इस कार्य में कृषि वैज्ञानिक अनुपम अमिताभ जुड़े हुए हैं। अनुपम कहते हैं दोनो प्रकार के गुड़ बनाने की शुरूआती प्रक्रिया एक जैसी ही है। दोनों के मिठास में भी कोई अंतर नहीं है। अलग- अलग स्वाद और हर्बल बनाने के लिए इसमें गिलोय, अदरक, तुलसी, दालचीनी भी मिलाई जा रही है।

ऐसे बनता है तरल गुड

उन्होंने बताया कि ठोस गुड़ की तुलना में इसे उचित तापमान पर उबाला जाता है। इसे तैयार करने में तापमान की अहम भूमिका होती है। गन्ने से जूस निकालने के बाद उसे प्रसंस्करण यूनिट में भेजा जाता है, जहां उसे टैंक में 102-103 डिग्री सेल्सियस तापमान पर उबाला जाता है। उबलने के बाद इसे दूसरे टैंक में स्टोर कर उसे 12 घंटे तक छेड़ दिया जाता है। इस तापमान पर गुड़ तरल रूप में ही रहता है। इस रूप में एक साल तक रह सकता है। उन्होंने बताया कि इसे बनाने में 35 से 40 रुपए प्रति लीटर खर्च आता है, जबकि बाजार में इसे आसानी से 80 रुपए प्रति लीटर बेचा जा सकता है।

उन्होंने बताया कि प्रयोग के तौर पर फिलहाल कृषि विज्ञान केंद्र पीपराकोठी (मोतिहारी) तथा विश्वविद्यालय परिसर में दो यूनिटें काम कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इसकी जानकारी के लिए खुद किसान भी यहां पहुंच रहे हैं तथा विश्वविद्यालय स्तर पर भी किसानों को इसके लिए प्रशिक्षण दिया जा रहा है।

'पोन्नियन सेल्वन' 30 सितम्बर को होगी रिलीज

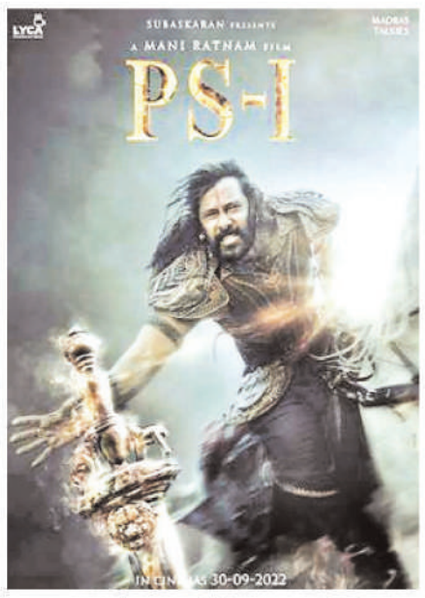

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री ऐश्वर्या राय बच्चन स्टारर पोन्नियन सेल्वन 30 सितम्बर 2022 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ऐश्वर्या राय बच्चन इन दिनों मणिरत्नम के निर्देशन में बन रही फिल्म 'पोन्नियिन सेलवन' में काम कर रही हैं। मेकर्स ने इस फिल्म का फर्स्ट लुक रिलीज कर दिया है। मेकर्स ने इस बात की जानकारी अपने सोशल मीडिया अकाउंट से पोस्ट शेयर कर दी है। उन्होंने कहा, हमारे प्रोड्यूसर अलीराज सुबासकरण को जन्म दिन की शुभकामनाएं। गोल्डन एरा 30 सितम्बर को बड़े पर्दे पर दस्तक देगा।

गौरतलब है कि फिल्म 'पोन्नियन सेल्वन' 500 करोड़ रुपए के बड़े बजट में बन रही है। फिल्म दो पार्ट में रिलीज होगी, दोनों पार्ट को एक साथ ही शूट किया जा रहा है। यह एक हिस्टोरिक फिल्म है, जो कल्कि कृष्णमूर्ति के उपन्यास 'पोन्नियिन सेलवन' पर आधारित है। फिल्म में ऐश्वर्या राय बच्चन, विक्रम, प्रकाश राज, तृषा, कार्थी, जयराम रवि, शोभिता और धुलिपाला जैसे कई कलाकार नजर आएंगे।

लॉकडाउन में शहरी झुग्गियों की 67% लड़कियों ने ऑनलाइन कक्षाएं नहीं लीं

■ नई दिल्ली (भाषा)।

दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार और तेलंगाना की शहरी झुग्गियों में किए गए सर्वेक्षण में खुलासा हुआ है कि कोरोना महामारी के कारण 2020 में लगाए गए लॉकडाउन के दौरान 67 प्रतिशत लड़कियां ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल नहीं हुई।

गैर सरकारी संगठन 'सेव द चिल्ड्रन' द्वारा पिछले साल फरवरी में किए गए अध्ययन में यह भी पाया गया कि 10 से 18 वर्ष के बीच की 68 प्रतिशत लड़कियों ने इन राज्यों में स्वास्थ्य और पोषण सुविधाएं पाने में चुनौतियों का सामना किया। दिल्ली, महाराष्ट्र, बिहार और तेलंगाना, देश के चार भोगौलिक क्षेत्रों पूर्व, पश्चिम, उत्तर और दक्षिण का प्रतिनिधित्व करते हैं।

इन राज्यों का चयन एक समग्र मापदंड के जरिये किया गया, जिनमें कोरोना के मामले, बाल लिंगानुपात, 18 वर्ष की आयु से पहले लड़कियों का विवाह, पढ़ाई बीच में छोड़ने का वार्षिक औसत और 15 से 24 वर्ष की आयु की लड़कियों एवं महिलाओं द्वारा स्वच्छता संबंधी सुविधाओं का उपयोग शामिल है। प्रत्येक राज्य में, दो जिलों या शहरों का चयन किया गया।

'विंग्स 2022 : वर्ल्ड ऑफ इंडियाज गर्ल्स : स्पोटलाइट ऑन एडोलेसेंट गर्ल्स एमिड कोविड-1' शीर्षक वाली रिपोर्ट में कहा गया है कि 2020 के लॉकडाउन के दौरान संक्रमण की आशंका, स्कूलों एवं स्वास्थ्य केंद्रों का बंद हो जाना, स्वास्थ्यकर्मियों की अनुपलब्धता ने किशोरियों के लिए स्वास्थ्य तथा पोषण सुविधाओं तक पहुंच को मुश्किल कर दिया था। इसमें कहा गया है कि लॉकडाउन के बाद 51 प्रतिशत किशोरियों के समक्ष स्वास्थ्य सेवाएं प्राप्त करने में चुनौतियां बनी रही।

रिपोर्ट में कहा गया है, चार राज्यों में, प्रत्येक तीन में से एक लड़की ही लॉकडाउन के दौरान ऑनलाइन कक्षाओं में शामिल हुई। चार में तीन माताओं (73 प्रतिशत) ने संकेत दिया कि महामारी ने उनकी बेटी की पढ़ाई को अत्यधिक प्रभावित किया। इसमें कहा गया है कि स्कूलों के बंद हो जाने के चलते, हर पांच में से दो लड़कियों (42 प्रतिशत) से स्कूल ने संपर्क नहीं किया, जैसा कि माताओं ने दावा किया है। लॉकडाउन ने खेल-कूद और रचनात्मक गतिविधियों को घटा दिया क्योंकि स्कूल वे जगह हैं जहां लड़कियां अध्ययन से इतर गतिविधियों में शामिल होती हैं।

रिपोर्ट में कहा गया है कि हर दो में से एक लड़की ने कहा कि उन्हें अपने भाई-बहन और दोस्तों के साथ स्कूल आने-जाने की कमी खली। इसमें कहा गया है कि महामारी के दौरान नौकरियां चली जाने और परिवार की आय घटने के चलते बाल विवाह की आशंका भी बढ़ी। इसमें कहा गया है, हर सात में से एक मां को लगता है कि महामारी ने लड़कियों की निर्धारित उम्र सीमा से पहले विवाह का जोखिम बढ़ा दिया।

3 जून को रिलीज होगी 'पृथ्वीराज'

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड के खिलाड़ी कुमार, अक्षय कुमार की आने वाली फिल्म 'पृथ्वीराज' 3 जून को रिलीज होगी। डाक्टर चंद्रप्रकाश द्विवेदी के निर्देशन में बनी 'पृथ्वीराज' में अक्षय कुमार के अलावा मानुषी छिल्लर, संजय दत और सोनू सूद की अहम भूमिका है। इस फिल्म में अक्षय 'पृथ्वीराज चौहान' के किरदार में नजर आएंगे। वही फिल्म में मानुषी छिल्लर 'राजकुमारी संयोगिता' के किरदार में नजर आएंगी। पूर्व मिस वर्ल्ड मानुषी छिल्लर इस फिल्म से अपना बालीवुड डेब्यू कर रही हैं। अक्षय कुमार की फिल्म पृथ्वीराज की रिलीज डेट एक बार फिर बदली है। अक्षय ने रिलीज डेट बदलने की सूचना सोशल मीडिया के जरिए साझा की है। फिल्म का नया पोस्टर शेयर करके अक्षय ने लिखा, खुश हूं कि सम्राट पृथ्वीराज चौहान की गाथा अब जल्दी 3 जून को बड़े पर्दे पर पहुंच रही है। फिल्म हिंदी के साथ तमिल और तेलुगु भाषाओं में भी रिलीज की जाएगी। उल्लेखनीय है कि इसके पूर्व अक्षय कुमार ने फिल्म में सभी मुख्य किरदारों के लुक पोस्टर शेयर करके जानकारी दी थी कि फिल्म 10 जून को रिलीज हो रही है।

'लाक अप' में जेलर बने करण कुंद्रा तेजस्वी प्रकाश, एकता कपूर

मुंबई (आईएएनएस)। लोकप्रिय अभिनेता और 'बिग बास 15' के पूर्व प्रतियोगी करण कुंद्रा कंगना रनौत के 'लाक अप' में अपने नवीनतम कार्यकाल के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं। अभिनेता द्वारा साझा किए गए नवीनतम प्रोमो में वह प्रतियोगियों की ओर उंगली उठाते हुए दिखाई दे रहे हैं, और कहते हैं कि असली अत्याचार तो अब शुरू होगा। इंस्टाग्राम पर करण ने लिखा कि जब रानियां बुलाती हैं, तो आप सूट करते हैं और पहुंच जाते हैं, इस जेल में आने वाला है एक तूफान, आप भी आना। जेलर की मुख्य जिम्मेदारी मेजबान के आदेशों का पालन करने के लिए जेल चलाना, प्रतियोगियों को कार्य और दंड देना है। तेजस्वी प्रकाश ने भी अपनी खुशी व्यक्त की और कमेंट में लिखा डैम बेबी। एकता कपूर ने कमेंट सेक्शन में हार्ट इमोजी शेयर किया।

सुधांशु सरिया की 'सना' में नजर आएंगी राधिका मदान

मुंबई (आईएएनएस)। बालीवुड अभिनेत्री राधिका मदान राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता सुधांशु सरिया की आगामी फिल्म 'सना' में अभिनय करती नजर आएंगी। राधिका मदान कहती हैं कि मुझे खुशी है कि मुझे इसके लिए साइन किया गया है। यह एक बहुत ही आत्मनिरीक्षण और मनोरंजन के विभिन्न ब्रांड के साथ एक मजेदार चरित्र है। सरिया फिल्म के निर्माता, निर्देशक और लेखक है। आगामी फिल्म राधिका अभिनीत एक आत्मनिरीक्षण ड्रामा है। फिल्म की शूटिंग जल्द ही शुरु होगी। इसका प्री-प्रोडक्शन काम अब पूरे जोरों पर है। सरिया कहते हैं कि सना में भौगोलिक क्षेत्र और संस्कृतिया देखने को मिलेंगी। यह आत्मनिरीक्षण, सामयिक और इसके केंद्र में एक शानदार शीर्षक चरित्र के साथ प्रासंगिक है। फोर लाइन एटरटेनमेंट में हम सभी इस यात्रा पर जाने के लिए उत्साहित हैं। फोर लाइन एंटरटेनमेंट द्वारा निर्मित, सरिया द्वारा निर्देशित और लिखित और राधिका अभिनीत, 'सना' जल्द ही फ्लोर पर आएगी।

रणदीप हुड्डा ने कराई घुटने की सर्जरी

मुंबई (भाषा)। अभिनेता रणदीप हुड्डा ने बुधवार को मुंबई के एक अस्पताल में अपने घुटने की सर्जरी कराई। रणदीप की आगामी वेब सीरीज 'इंस्पेक्टर अविनाश' की शूटिंग के दौरान उन्हें घुटने में चोट लग गई थी। अभिनेता के एक करीबी सूत्र ने कहा कि पिछले महीने लड़ाई वाले एक दृश्य की शूटिंग के दौरान उन्हें चोट लग गई थी। इसके बाद रणदीप को एक मार्च को कोकिलाबेन धीरूभाई अंबानी अस्पताल में भर्ती कराया गया था और डा दिनशा पारदीवाला ने उनका आपरेशन किया। सूत्रों के मुताबिक अभिनेता के घुटने की बुधवार शाम को सर्जरी हुई और उन्हें कुछ दिनों में अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी। गौरतलब है कि 'राधे' फिल्म की शूटिंग के दौरान भी रणदीप को इसी घुटने में चोट लगी थी। 'इंस्पेक्टर अविनाश' वास्तविक जीवन की घटनाओं पर आधारित कार्यक्रम है।

'बेधड़क' से डेब्यू करेंगी शनाया कपूर

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेता संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर फिल्म 'बेधड़क' से बालीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। निर्माता-निर्देशक करण जौहर ने अपनी आगामी फिल्म 'बेधड़क' की घोषणा है। इस फिल्म से संजय कपूर की बेटी शनाया कपूर बालीवुड में डेब्यू करने जा रही हैं। करण जौहर ने सोशल मीडिया पर शनाया कपूर को लान्च करने की घोषणा कर दी है। करण जौहर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'बेधड़क' से शनाया का पोस्टर शेयर करते हुए लिखा, आप सबके सामने निमृत बनकर बेधड़क बहुत ही खूबसूरत शनाया कपूर आ रही हैं। वह जो एनर्जी स्क्रीन पर लेकर आएंगी उसे देखने का मैं इंतजार नहीं कर पा रहा है।करण जौहर ने अपनी फिल्म 'बेधड़क' का एक और पोस्टर शेयर किया, जिसमें फिल्म की पूरी स्टार कास्ट हैं। शनाया कपूर के अलावा इस फिल्म में लक्ष्य और गुरफतेह पिरजादा नजर आने वाले हैं। इस पोस्टर को शेयर करते हुए करण जौहर ने लिखा, हम आपके लिए नए जमाने का पोस्टर लेकर आ रहे हैं, जो कि जुनून, इंटेंसिटी से भरपूर है।

महिलाओं के लिए एनजीओ में शामिल हुई यामी गौतम

मुंबई (वार्ता)। बालीवुड अभिनेत्री यामी गौतम उत्पीड़न का शिकार हुई महिलाओं की सुरक्षा के लिए एनजीओ (गैर सरकारी संगठन) में शामिल हो गई हैं। यामी गौतम अपनी एक्टिविटी को लेकर काफी चर्चा में रहती हैं। वह अक्सर अपने फोटो वीडियो भी सोशल मीडिया पर फैंस के साथ साझा करती रहती हैं। यामी गौतम दो एनजीओ में शामिल हो गई हैं, जो देश भर में उत्पीड़न का शिकार हुई महिलाओं के जीवन को पहले की तरह बनाने के लिए काम करता है। यामी गौतम ने बताया, मैं बहुत गर्व के साथ यह बताना चाहती हूं कि मैंने दो एनजीओ से हाथ मिलाया है, जो देश भर में उत्पीड़न का शिकार हुई महिलाओं के जीवन को पहले की तरह आसान बनाने के लिए काम करते हैं। महिला सुरक्षा को अभी बहुत लंबा रास्ता तय करना है और इसी विषय को ध्यान में रखते हुए एनजीओ के साथ जुड़ी हैं। इन सभी मुद्दों पर काम करने की जरूरत से महिला सुरक्षा के मुद्दों से होती है, जो आज भी हमारे बीच हैं और महिला सुरक्षा को अभी एक लंबा रास्ता तय करना है। यामी गौतम ने बताया, इन एनजीओ के साथ मेरा जुड़ना सिर्फ एक शुरुआत है और आने वाले वक्त में, मैं अपने जीवन में सभी क्षेत्रों की महिलाओं की सुरक्षा और समर्थन के लिए बेहतर संसाधनों को मुहैया कराने में अपना योगदान देना चाहूंगी।

कश्मीर में चुनाव न होने पर अमेरिका ने उठाए सवाल

जम्मू। जम्मू कश्मीर के क्षेत्रीय दलों ने अमेरिका के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उसने कहा था कि राज्य में चुनाव नहीं हो रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका ने मानवाधिकार की चुनौती पर भी सवाल उठाया था। अमेरिका की टिप्पणियों पर क्षेत्रीय दलों ने कहा है कि इससे पता चलता है कि दुनिया को इस बात की खबर है कि कश्मीर में जमीनी हालात क्या हैं। कश्मीर के दलों ने कहा कि भारत सरकार को इन खामियों को दूर करना चाहिए और तत्काल सुधार के लिए कदम उठाने चाहिए। बता दें कि नीयर ईस्ट, साउथ एशिया, सेंट्रल एशिया और काउंटर टेररिज्म पर अमेरिकी सीनेट की सब-कमिटी ने 2 मार्च को बयान जारी किया था। जम्मू कश्मीर के क्षेत्रीय दलों ने अमेरिका के उस बयान पर प्रतिक्रिया दी है, जिसमें उसने कहा था कि राज्य में चुनाव नहीं हो रहे हैं। इसके अलावा अमेरिका ने मानवाधिकार की चुनौती पर भी सवाल उठाया था। अमेरिका की टिप्पणियों पर क्षेत्रीय दलों ने कहा है कि इससे पता चलता है कि दुनिया को इस बात की खबर है कि कश्मीर में जमीनी हालात क्या हैं। कश्मीर के दलों ने कहा कि भारत सरकार को इन खामियों को दूर करना चाहिए और तत्काल सुधार के लिए कदम उठाने चाहिए। बता दें कि नीयर ईस्ट, साउथ एशिया, सेंट्रल एशिया और काउंटर टेररिज्म पर अमेरिकी सीनेट की सब-कमिटी ने 2 मार्च को बयान जारी किया था। मसूदी ने कहा कि जम्मू कश्मीर में विधानसभा चुनाव कराए जाने की जरूरत है। अमेरिका की ओर से जो बयान आए हैं, उन्हें भारत सरकार को वेकअप कॉल की तरह लेना चाहिए। आखिरी बार जम्मू-कश्मीर में दिसंबर 2014 में विधानसभा चुनाव हुए थे और फिर 2015 की शुरूआत में भाजपा और पीडीपी ने मिलकर सरकार का गठन किया था। लेकिन जून 2018 में भाजपा ने सरकार से समर्थन वापस ले लिया था और फिर सूबे में राष्ट्रपति शासन लग गया था। इसके बाद 2019 में आर्टिकल 370 हटा दिया गया और राज्य का पुनर्गठन करते हुए लद्दाख को अलग केंद्र शासित प्रदेश बनाया गया था। अमेरिका के बयान पर पीडीपी के प्रवक्ता सुहैल बुखारी का कहना है, इस इलाके को एक तरह से बंधक बनाकर रखा गया है और सभी संवैधानिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। हमारे अधिकारों की लूट हुई है और लोगों को किनारे लगाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार को इस समस्या को दूर करने के लिए कदम उठाने चाहिए। बीते कुछ सालों में जो भी फैसले लिए गए हैं वे फेल साबित हुए हैं।

भारत में कर चोरी के लिए चाइनीज कंपनी हुआवेई ने अपनाए हथकंडे

नई दिल्ली। आयकर विभाग ने चीनी फर्म हुआवेई द्वारा कर चोरी का पता लगाया है। विभाग के मुताबिक, 400 करोड़ रुपये की आय को कम मार्जिन बताते हुए और संबंधित पक्षों को 350 करोड़ रुपये की रॉयल्टी का भुगतान किया गया है। आयकर विभाग ने 15 फरवरी को हुआवेई समूह पर तलाशी और जब्ती अभियान चलाया था। दिल्ली, गुरुग्राम और बेंगलुरु में कई ठिकानों पर छापेमारी की गई। मुख्य व्यावसायिक परिसर के साथ-साथ प्रमुख पदाधिकारियों के आवासीय परिसर की भी तलाशी ली गई। छापेमारी से इकट्ठा किए गए साक्ष्य और दर्ज किए गए बयानों से यह भी पता चला कि हुआवेई ग्रुप में से एक कंपनी संबंधित पक्षों से कम शुद्ध मार्जिन का खुलासा कर रही है। वित्त मंत्रालय ने एक बयान में कहा, जांच के दौरान एकत्र किए गए साक्ष्य से 400 करोड़ रुपये की आय के दमन का पता चला है। हालांकि मंत्रालय ने कंपनी का नाम नहीं बताया है। तलाशी के दौरान यह पाया गया कि इस ग्रुप ने हाल के वित्तीय वर्षों में अपने संबंधित पक्ष को रॉयल्टी के लिए अपने खाते की पुस्तकों में 350 करोड़ रुपये से अधिक डेबिट किए हैं। इस तरह के खर्च ब्रांड और तकनीकी जानकारी से संबंधित वस्तुओं के उपयोग के लिए किए गए हैं। मंत्रालय ने कहा, हुआवेई ऐसी किसी भी सेवा/तकनीकी जानकारी जानकारी देने में विफल रहा जो रॉयल्टी दर को प्रमाणित करते हों।

लखनऊ यूनिवर्सिटी प्रशासन का बड़ा एक्शन-आठ स्टूडेंट्स को किया सस्पेंड, कैंपस में घुसने पर पाबंदी

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय ने नए परिसर के आठ छात्रों को निलम्बित कर दिया है। इन पर अध्ययरत अपने साथी छात्रों से मारपीट कर उन्हें शारीरिक क्षति पहुंचाने का आरोप है। परिसर में भय व आतंक का माहौल स्थापित करने का भी आरोप है। चीफ प्राक्टर डॉ. राजेश द्विवेदी ने उन्हें निलम्बित कर विवि के दोनों परिसर में उनके प्रवेश पर भी रोक लगा दी है। विश्वविद्यालय के प्रवक्ता डॉ. दुर्गेश श्रीवास्तव ने बताया कि इन छात्रों पर पिछले माह फरवरी की 21 तारीख को विवि के सीतापुर रोड स्थित नए परिसर में अध्ययन्नरत छात्रों के साथ मारपीट करने और लोक व्यवस्था को छिन्न-भिन्न करने का आरोप है। इन छात्रों को जांच पूरी होने तक एक छात्र के रूप में मिलने वाली सभी सुविधाओं से वंचित कर दिया गया है। साथ ही पुराने और नए परिसर में इनका प्रवेश भी प्रतिबन्धित कर दिया गया है।

निलम्बित सभी आठों छात्रों को घटना के सम्बन्ध में अपना लिखित स्पष्टीकरण प्राक्टर कार्यालय में एक सप्ताह के अन्दर देने का निर्देश दिया है देर रात एक वीडियो वायरल हुआ है जिसमें एयूडीएसयू के छात्र विश्वविद्यालय के अधिकारियों पे हावी होते नजर आ रहे हैं। प्रोफेसर इंचार्ज सिक्योरिटी प्रो.गजानन पांडेय और कार्यवाहक प्रॉक्टर प्रो.संजय कुमार अपने आश्वासन से साफ पलटे नजर आ रहे। उनका कहना है कि विवादित पोस्टर फाड़ने का आदेश नहीं दिया गया है और जब पता चला कि पोस्टर फाड़े जा रहे तो तुरंत गॉर्ड को रोकने के लिए बोला।

यूक्रेन से सुरक्षित स्वदेश लौटे 26 छात्र, बोले- तिरंगे ने आसान बनाई राह

मुरादाबाद। यूक्रेन-रूस जंग के चलते वहां फंसे भारतीय छात्रों के परिजन चिंता में डूबे है लेकिन मुरादाबाद मंडल के 26 ऐसे परिवारों के लिए राहत की खबर है। उनके बच्चे सकुशल घर पहुंच गए। इनमें मुरादाबाद के 14 एमबीबीएस छात्र, रामपुर और अमरोहा के पांच- पांच और संभल के दो छात्र शामिल हैं। यूक्रेन पर रूस के हमले के बाद से बिगड़ते हुए हालातों को लेकर परिजन काफी घबराए हुए थे। बच्चों की सलामती की दुआ कर रहे थे। इन सब के बीच गुरुवार को मंडल में बड़ी संख्या में छात्रों की घर वापसी हुई। देर शाम तक कोई अपने घर पहुंच गया तो कोई दिल्ली गाजियाबाद में अपने परिजनों के यहां ठहर गया। सभी ने बताया कि सफर आसान नहीं था पर तिरंगे ने उनकी राह आसान बना दी। तिरंगे की वजह से कई स्थानों पर काफिला नहीं रोका गया। इनमें मुरादाबाद की छात्र आयुषी वार्ष्णेय, सकीबुल इस्लाम, अनस, अमन अहमद, विशाल कुमार विश्वास, सरफराज हुसैन, मुजस्सिम हुसैन, अर्चना वर्मा, शौर्य गोयल, मोहम्मद बिलाल, जावेद आलम, देवांश जौहरी, मौहम्मद यासिर शामिल हैं। वहीं अमरोहा में अतरासी गांव के मोहम्मद उवैस, हसनपुर के आयुष भारद्वाज, कालाखेड़ा के सरफराज, कमेलपुर की रहनुमा और जोया की अंशिका गौतम की घर वापसी पर जश्न मनाया गया। रामपुर में भी मेडिकल छात्र नवाज खां, शिफा खान, अमित कुमार, अनुज कुमार, संदीप सिंह के घर लौटने पर उत्सव जैसा माहौल दिखा। इसके अलावा संभल के असमोली के गांव परियावली के फैसल और गांव सदीरनपुर के शहवाज आलम गुरुवार सुबह लगभग साढ़े आठ बजे नई दिल्ली एयरपोर्ट पर उतरे।

कानपुर में नमकीन कारखाने में लगी भीषण आग से अफरातफरी

कानपुर। हरबंश मोहाल क्षेत्र के दानखोरी मोहल्ले में चल रहे नमकीन कारखाने में भीषण आग से भगदड़ मच गई। चार मंजिला बिल्डिंग से उठ रहे धुएं के गुबार ने इलाके में दहशत फैला दी। सूचना पर फायर सर्विस स्टेशनों से छह गाड़ियां पहुंची। फायर सर्विस के जवानों ने बिल्डिंग की दूसरी और तीसरी मंजिल में फंसी महिलाओं, बच्चों को सीढ़ियों के सहारे नीचे उतारा। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया गया। आग से लाखों रुपये की संपत्ति जल गई। नाखोरी मोहल्ला निवासी नमकीन कारोबारी राजेंद्र प्रसाद गुप्ता की नयागंज में फरुर्खाबाद नमकीन के नाम से दुकान है। परिवार में दो भाई रामेंद्र और गुड्डू गुप्ता हैं। चार मंजिला मकान के ग्राउंड फ्लोर में नमकीन का कारखाना है। इसमें लगी डीजल चालित भट्ठियों पर करीब एक दर्जन कारीगर नमकीन तैयार कर रहे थे। गुरुवार शाम करीब चार बजे अचानक तेल से खौलती कड़ाही में आग लग गई। कुछ ही देर में पूरा कारखाना आग के गोले में तब्दील हो गया। कारखाने से ऊंची-ऊंची लपटें उठने लगीं तो कारीगर जान बचाकर बाहर की ओर भाग निकले। चीफ

फायर आफीसर के मुताबिक कारखाने में 15 टिन रिफाइंड, दस टिन डालडा, पांच कुंतल बेसन, दो कुंतल मैदा रखा हुआ था। आग पकड़ते ही रिफाइंड और वनस्पति से भरे कनस्तर तेज आवाज के साथ फट गए। इससे आग और भड़क उठी। काला गाढ़ा धुआं और लपटें दूसरी और तीसरी मंजिल पर पहुंच गई। धुआं आसपास के मकानों में जाने लगा। यह देखकर कारखाने की ऊपरी मंजिल पर फंसी मौजूद राजेंद्र गुप्ता की बहू अर्चना सौम्या और नाती ने शोर मचाना शुरू किया। मोहल्ले के लोगों ने पास में स्थित होटल पार्क व्यू होटल से सीढ़ी लेकर किसी तरह राजेंद्र की बहू अर्चना व सौम्या को बाहर निकाला। छोटे भाई गुड्डू की पत्नी अदिति व बेटी वंशिता व बेटा नीति, विराट आग के शुरूआती दौर में ही बाहर निकल आए थे। लोगों ने होटल से पानी लेकर आग बुझाना शुरू किया करीब आधे घंटे बाद लाटूश रोड, मीरपुर और किदवई नगर आदि फायर स्टेशनों से पहुंची आधा दर्जन गाड़ियां पुहंची। सबसे पहले क्षेत्र की बिजली बंद कराई गई। करीब दो घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

यूपी टीईटी पेपर लीक केस में चार्जशीट दाखिल प्रिंटिंग प्रेस मालिक सहित इन 3 लोगों को बनाया आरोपी

मुजफ्फरनगर। उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा (यूपीटीईटी) 2021 परीक्षा का पर्चा लीक होने के मामले में पुलिस ने आरोपी अनूप राय प्रसाद, संजय उपाध्याय और बलराम उर्फ बबलू के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल कर दी है। पुलिस की जांच में अभी दो और आरोपियों के खिलाफ आरोपपत्र तय होना है, जबकि बाकी की जांच अभी जारी है। नवंबर 2021 में उत्तर प्रदेश शिक्षक पात्रता परीक्षा का पेपर लीक हुआ था। इस मामले में सूरजपुर कोतवाली में मुकदमा दर्ज करवाया गया था। इसके बाद मामले में कार्रवाई करते हुए नोएडा एसटीएफ ने 30 नवंबर को प्रिंटिंग प्रेस के मालिक अनूप राय प्रसाद को दिल्ली से गिरफ्तार किया था, जबकि उन्हें पेपर छापने का ठेका देने वाले शिक्षा विभाग के अधिकारी संजय उपाध्याय को एसटीएफ ने 12 दिसंबर को गिरफ्तार किया था। अनूप और संजय के बीच नोएडा के एक होटल में पेपर छापने की डील हुई थी। इसके बाद यह पेपर लीक हुआ था। इस मामले मुजफ्फरनगर, बुढ़ाना निवासी बलराम उर्फ बबलू को भी एसटीएफ की टीम ने गिरफ्तार किया था। बबलू के पास से पुलिस ने महत्वपूर्ण दस्तावेज और जानकारी हासिल की थी। सूरजपुर कोतवाली पुलिस की तरफ से इस मामले में अनूप राय प्रसाद संजय कुमार उपाध्याय और बलराम उर्फ बबलू के खिलाफ कोर्ट में चार्जशीट दाखिल की गई है। पुलिस की विवेचना अभी जा रही है। इसमें अन्य आरोपियों के खिलाफ जल्द आरोपपत्र तय तैयार किए जाने हैं।

आप विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी सड़क हादसे में गंभीर रूप से घायल

लखनऊ। दिल्ली से आम आदमी पार्टी (आप) के विधायक अखिलेश पति त्रिपाठी गुरुवार को उत्तर प्रदेश के उन्नाव में हुई एक सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गए। पार्टी के एक प्रवक्ता ने बताया कि उनकी हालत खतरे से बाहर है। आप ने बताया कि अखिलेश पति त्रिपाठी उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव प्रचार करने के बाद लौट रहे थे और उनकी कार उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर पलट गई। 'आप' की उत्तर प्रदेश इकाई के प्रवक्ता महेंद्र सिंह ने एक बयान में कहा कि कार में त्रिपाठी के साथ यात्रा कर रहे पांच अन्य लोगों को मामूली चोट आई हैं। उन्होंने बताया कि त्रिपाठी अपने साथियों के साथ गोरखपुर से पार्टी के लिए प्रचार करके लौट रहे थे और बेहता मुजावर थाना क्षेत्र में यह हादसा हुआ। सिंह के अनुसार कार का एक पहिया अचानक से निकल गया और कार पलट गई।

कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम की खराबी से घण्टों बाधित रहा मतदान

कुशीनगर। छठे चरण के दौरान सम्मन्न हुए मतदान में कुशीनगर जिले में मतदान शुरू होने के बाद कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम की दिक्कतें सामने आईं। कई जगह मतदान भी बाधित रहा । फाजिलनगर विधानसभा के प्राथमिक विद्यालय राजापाकड़ के टोला सेमरा में बूथ संख्या 110 पर ईवीएम खराब होने से लगभग एक घंटा मतदान बाधित रहा। कुशीनगर जिले के चुनाव के नियमों में अनुपालन शत-प्रतिशत सुनिश्चित करने व किसी प्रकार की गड़बड़ी न होने के लिए पर्यवेक्षक अविनाश ने मतदान स्थलों का गहनता से निरीक्षण किया। इसमें लापरवाही बरते जाने पर तत्काल प्रभाव से दो कर्मचारियों के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही करते हुए हटा दिया। इसके बाद इसकी सूचना जिले के बड़े अधिकारियों को दी। सूचना मिलते ही मौके पर एडीएम देवी दयाल वर्मा और अपर पुलिस अधीक्षक रितेश कुमार सिंह पुलिस बल के साथ पहुंच गए। जानकारी के अनुसार बृहस्पतिवार को बिना अनुमति के मतदान केंद्र में ड्यूटी के दौरान रितु मिश्रा अपने भाई कुलदीप मिश्र के साथ दिखाई पड़ी वही दूसरी कर्मचारी अमरावती के साथ उनके पति रामदरश दिखाई पड़े। जिसपर पर्यवेक्षक काफी गुस्से में नजर आए और सवाल किए, भाई और पति मालूम पड़ने पर तत्काल ही हटा दिया इनके स्थान पर रिजर्व कर्मचारियों की ड्यूटी लगा दी गई। कर्मचारियों ने कहा कि तबियत सही न होने के वजह से भाई और पति का सहारा लिया गया।

ईवीएम की गड़बड़ी से एक घंटे तक बाधित रहा मतदान- बताया जा रहा है कि कुशीनगर जिले में मतदान शुरू होने के बाद कई मतदान केंद्रों पर ईवीएम की दिक्कतें सामने आईं। कई जगह मतदान भी बाधित रहा । फाजिलनगर विधानसभा के प्राथमिक विद्यालय राजापाकड़ के टोला सेमरा में बूथ संख्या 110 पर ईवीएम खराब होने से लगभग एक घंटा मतदान बाधित रहा। सुबह 7 बजे से शुरू हुआ मतदान 11 बजे तक चला। 11 बजे रविंद्र यादव वोट देने गए तो इनवैलिड लिखा, जिसकी शिकायत मतदाता ने पीठासीन अधिकारी राजेश सोनकर से की। जिसके बाद मतदान बाधित हो गया। 4 घंटे तक चले मतदान में मशीन खराब होने तक 80 वोट पोल हुआ था जिसमें पुरूष 33 महिला 47 थी।

कोरोना की चौथी लहर डेल्टा जैसी हो सकती है खतरनाक

कानपुर। कोरोना की तीसरी ओमिक्रॉन लहर धीमी पड़ती जा रही है। ऑफिस और स्कूल खुलने लगे हैं। लोग पहले की तरह बेफिक्र दिख रहे हैं। इसके साथ ही चौथी लहर से जुड़ा जो प्रिडिक्शन है वह थोड़ा चिंता पैदा करने वाला है। वर्ल्ड हेल्थ ऑर्गनाइजेशन पहले ही चेता चुका है कि ओमिक्रॉन आखिरी वैरियंट नहीं है। इसके बाद होने वाले म्यूटेशन और ज्यादा खतरनाक हो सकते हैं। अब एक्सपर्ट ने बताया है कि चौथी लहर कितनी खतरनाक हो सकती है। कोविड की अगली वेव अल्फा या डेल्टा जैसी सीवियर हो सकती है। इससे पहले आईआईटी कानपूर के वैज्ञानिक कैलकुलेशन निकाल चुके हैं कि कोरोना की अगली लहर दुनिया मई से जून के बीच आएगी। वैज्ञानिक पहले भी कह चुके हैं कि कोरोना हमारे बीच ही है। इसके वैरियंट्स आते रहेंगे। अब यूनिवर्सिटी ऑफ एडिनेबर्ग से वायरस के इवॉल्यूशन की पढ़ाई करने वाले वैज्ञानिक बहुत संभव है कि चौथी लहर में कोरोना डेल्टा या अल्फा लीनिएज (वंशावली) का हो।

एनएच-28 पर कार से ड्यूटी जा रहे सीआरपीएफ के 3 जवानों को ट्रक ने मारी टक्कर, मौत

बस्ती। उत्तर प्रदेश के बस्ती जिले में एक भीषण सड़क हादसे में सेंट्रल रिजर्व पुलिस फोर्स (सीआरपीएफ) के 3 जवानों की दर्दनाक मौत हो गई है। भीषण सड़क हादसे में सीआरपीएफ के 2 अन्य जवान बुरी तरह से घायल हो गए हैं। घायल जवानों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। 112 बटालियन के जवान बोलेरो कार से ड्यूटी पर जा रहे थे, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी कार में जोरदार टक्कर मार दी। सड़क हादसे में बोलेरो कार के परखच्चे उड़ गए।

यह हादसा एनएच-28 पर हुआ है। जानकारी के अनुसार, सीआरपीएफ की 112 बटालियन के जवान बोलेरो कार से ड्यूटी पर जा रहे थे। उनकी कार बस्ती जनपद के मुंडेरवा थाना के खझौला के समीप एनएच-28 पर पहुंची थी, जब एक तेज रफ्तार ट्रक ने बोलेरो में जोरदार टक्कर मार दी। इस हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। सड़क हादसे में तीन जवानों की मौत हो गई। हादसे में मारे गए जवानों की पहचान हीरा लाल (26), जयप्रकाश (37) और धर्मेंद्र लाल (38) के तौर पर की गई है।

इनके अलावा बोलेरो में सवार सीआरपीएफ के दो अन्य जवान बुरी तरह से जख्मी हो गए। उन्हें इलाज के लिए जिला असपताल में भर्ती कराया गया है। हादसे में घायल 1 जवान की हालात गंभीर है। उन्हें जिला अस्पताल से गोरखपुर मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। मृतक जवान हीरालाल गोरखपुर के बेलघाट थाना के धोबीपार के रहने वाले थे। जयप्रकाश देवरिया जिले के थाना लार के निवासी थे और धर्मेंद्र देवरिया के ही जीके के विशुनपुरा के रहने वाले थे। बता दें कि जवान चुनाव डयूटी में जा रहे थे। हादसे की भीषणता का अंदाजा इसी से लगाया जा सकता है कि तीनों जवान की मौत मौके पर ही हो गई।

सीएम योगी की सीट पर हुआ रिकॉर्ड मतदान

गोरखपुर। उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की सीट पर देश भर की निगाहें टिकी हैं। गुरुवार को हुए मतदान के बाद पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में हुए अधिक मतदान के आंकड़े चर्चा का विषय बन गए हैं। दावा किया जा रहा है कि शहर सीट के लिए जीत-हार का अब तक का सबसे बड़ा अंतर दिखेगा। सीएम योगी की वजह से इस सीट पर सारे देश की निगाहें टिकी थीं। परसेंटेज जानने के लिए देश के कोने-कोने से देर रात तक गोरखपुर के लोगों को फोन आते रहे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के चुनाव मैदान में होने से गोरखपुर शहर सीट का हॉट सीट है। यहां गुरुवार को कुल मतदाताओं में से 55.12 प्रतिशत ने अपने मताधिकार का इस्तेमाल किया। हालांकि यह अंतिम आंकड़े नहीं हैं। लेकिन ये पिछले चार चुनावों में रिकार्ड मतदान भी है। भाजपा का दावा है कि विधायक नहीं, मुख्यमंत्री चुनने के विकल्प को देख इस बार अधिक मतदाता घरों से निकले।

फार्मेट सी-1

आपराधिक मामलों के बारे में घोषणा

(वर्ष 2011 की रिट याचिका (सिविल) सं. 536 (पब्लिक इंट्रेस्ट फाउंडेशन एवं अन्य बनाम भारत संघ एवं अन्य) में माननीय उच्चतम न्यायालय के दिनांक 25 सितम्बर, 2018 के निर्णय के अनुसार)

अभ्यर्थी का नाम एवं पता : सुशील सिंह
ग्राम- म.नं.- 287 क ग्राम-ताजपुर, तहसील-सकलडीहा
जनपद- चन्दौली, उत्तर प्रदेश

राजनैतिक दल का नाम : भारतीय जनता पार्टी

(निर्दलीय अभ्यर्थी यहां ''निर्दलीय'' लिखें)

निर्वाचन का नाम : विधानसभा उत्तर प्रदेश

निर्वाचन क्षेत्र का नाम : 382-सैय्यदराजा जनपद- चन्दौली

मैं **सुशील सिंह** (अभ्यर्थी का नाम), उपर्युक्त निर्वाचन के लिए अभ्यर्थी, सार्वजनिक सूचना हेतु अपने आपराधिक पूर्ववृत्त के बारे में निम्नलिखित विवरणों की घोषणा करता हूं।

क्र.सं.	लंबित आपराधिक मामले			आपराधिक मामलों के लिए दोषसिद्ध के मामलों के सम्बंध में विवरण	
	न्यायालय का नाम	मामले की सं. एवं मामले की स्थिति	संबंधित अधिनियमों की धारा (एं) एवं अपराध (अपराधों) का संक्षिप्त विवरण	न्यायालय का नाम एवं आदेश (शों) की तारीख	अपराध (अपराधों) और अधिरोपित दण्ड का वितरण
1	2	3	4	5	6
01	मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट चन्दौली	मु.अ.सं. 477/2015 मुकदमा नम्बर- 8163 सन् 2015 थाना मुगलसराय, जनपद-चन्दौली मुकदमा अभी लम्बित हैं।	धारा 143/341 IPC व 6 यूनाइटेड पावर एक्ट यह एक राजनैतिक मुकदमा है।	लागू नहीं होता है।	लागू नहीं होता है।

*राज्यसभा के निर्वाचन या विधानसभा सदस्यों द्वारा विधान परिषद के निर्वाचन के मामले में निर्वाचन क्षेत्र के नाम के स्थान पर संबंधित निर्वाचन का उल्लेख करें। विधानसभा

कुशीनगर के डीएम व पुलिस अधिक्षक ने किया मतदान, भ्रमण कर जाना बूथों का हाल

कुशीनगर। उत्तर प्रदेश के कुशीनगर जिला निर्वाचन अधिकारी एस0 राजलिंगम, पुलिस अधीक्षक सचिन्द्र पटेल ने छठे चरण के दौरान आज प्रातः बेलवा बुजुर्ग के प्राथमिक विद्यालय पहुंच कर अपने मताधिकार का प्रयोग किया, तथा आमजन व मीडिया बंधुओं के माध्यम से समस्त जनपदवासियों से अपने मत का प्रयोग करने की अपील की, ततपश्चात जनपद में हो रहे विधानसभा चुनाव को सकुशल संपन्न कराए जाने के दृष्टिगत भ्रमणशील रह कर विधानसभा पड़रौना के बालिका इंटरमीडिएट कॉलेज, सरपतही खुर्द, मैलानगरी, विधानसभा रामकोला के विभिन्न मतदान केंद्रों, विधान सभा कुशीनगर के टेकुआटार, कसया स्थित विभिन्न मतदान केंद्रों व हाटा के विभिन्न मतदान केंद्रों/ बूथ का निरीक्षण कर पीठासीन अधिकारी एवं मतदाताओं से व्यवस्थाओं के विषय में जानकारी प्राप्त किया। डीएम व एसपी ने उपस्थित मतदाताओं एवं पोलिंग एजेंटों से शांतिपूर्ण मतदान करने एवं कराने में सहयोग की अपील किया। जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी ने जोनल एवं सेक्टर मजिस्ट्रेट गण को भी लगातार भ्रमणशील रहकर अपने-अपने क्षेत्रों में मतदान प्रक्रिया को सकुशल संपन्न कराने हेतु आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। जिलाधिकारी द्वारा पड़रौना स्थित उदित नारायण स्नातकोत्तर महा विद्यालय/इंटरमीडिएट कॉलेज के मतदान केंद्रों व ईवीएम जमा होने वाले काउंटर का निरीक्षण किया गया, तथा ईवीएम जमा होने वाले काउंटर की बैरिकेटिंग पर असंतोष जाहिर करते हुए तत्काल फ्रंट साइड से नीचे का हिस्सा पूर्ण रूप से पैक कराए जाने हेतु अधिशासी अभियंता पीडब्लूडी को निर्देश दिए। जिलाधिकारी एवं पुलिस अधीक्षक ने अपरान्ह 4.00 बजे विधान सभा पड़रौना अन्तर्गत प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मीपुर के बूथ सहित दुदही क्षेत्र के बूथों का भी निरीक्षण किया।

82 प्रत्याशियों की किस्मत ईवीएम में कैद

बलिया। गुरुवार की शाम छह बजे तक मतदान समाप्ति के साथ ही 82 प्रत्याशियों की किस्मत इलेक्ट्रानिक वोटिंग मशीन (ईवीएम) में कैद हो गई। यह मशीन अब 10 मार्च को खुलेगी, प्रत्याशियों की किस्मत का फैसला उसी दिन होगा। सुबह सात बजे से शुरू हुए मतदान को लेकर लोगों में जमकर उत्साह देखा गया। एक बार फिर मतदान करने में पढ़े-लिखे लोग पिछड़ गए। सभी विधानसभाओं में मतदान के लिए चुनाव आयोग की तरफ से कड़ी सुरक्षा व्यवस्था की गई थी। 2828 पोलिग बूथ बनाए गए। सातों सीटों पर 24,68,804 वोटरों को लोकतंत्र के महापर्व में आहुति देनी थी। सुबह नौ बजे तक जिले में सिर्फ आठ फीसद लोगों ने मतदान किया था। दिन चढ़ने के साथ ही मतदान का प्रतिशत भी बढ़ता गया। 11 बजे

तक 21.85 फीसद वोट पड़ गए, लेकिन दोपहर एक बजे तक 36 फीसद लोगों ने मतदान किया, लेकिन दोपहर तीन बजे 46.50 फीसद वोटिग हो गई। पांच बजे तक 51.74 फीसद लोग ही मतदान किए। शाम तक सिर्फ 53 फीसद लोगों ने ही मताधिकार का प्रयोग किया।

नहीं बढ़ा मतदान प्रतिशत- अब तक हुए चुनावों में सबसे अच्छा मतदान प्रतिशत 2017 में था। पिछले साल कुल 54.10 फीसद मतदान हुआ था। बैरिया तीसरी बार वोट करने में पिछड़ गया। 2012 में 52.80 फीसद वोट पड़ा था। यह स्थिति तब है जब महीनों से मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए जतन करता रह गया। मॉडल और महिला बूथ बनाए गए। सेल्फी प्वाइंट बनाकर मतदाताओं में वोटिग प्रतिशत बढ़ाने का माहौल बनाया गया है। गांव-गांव रैलियां निकाली गई, हर किसी को जागरूक करने की कोशिश की गई।

विराट के 100वें टेस्ट में जीत चाहेगा भारत

100 टेस्ट खेलने वाले भारत के 12वें और दुनिया के 71वें खिलाड़ी बनेंगे विराट

मोहाली। पूर्व भारतीय क्रिकेट कप्तान विराट कोहली के शुक्रवार को यहां 100वें टेस्ट मैच में श्रीलंका के खिलाफ भारतीय क्रिकेट टीम जीत के लिए खेलेगी। विराट ने अपने अब तक के शानदार क्रिकेट करियर में कई उपलब्धियां हासिल की हैं और शुक्रवार को मोहाली के पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन स्टेडियम में वह खुद को एक विशिष्ट स्तर पर पाएंगे, जब वह 100 टेस्ट मैच खेलने वाले भारत के 12वें और दुनिया के 71वें खिलाड़ी बन जाएंगे। उनसे पहले सचिन तेंदुलकर, राहुल द्रविड़, वीवीएस लक्ष्मण, अनिल कुंबले, कपिल देव, सुनील गावस्कर, दिलीप वेंगसरकर, सौरव गांगुली, इंशात शर्मा, हरभजन सिंह और वीरेंद्र सहवाग 100 से ज्यादा टेस्ट मैच खेल चुके हैं।यकीनन एक ऑल-फॉर्मेट क्रिकेटर के लिए यह एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है और खास कर तब, जब उसका पूरा करियर टी-20 के दौर में चला हो। सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर या यहां तक कि राहुल द्रविड़ जैसे अन्य भारतीय बल्लेबाजों के विपरीत विराट का भारत की टेस्ट टीम में अपनी जगह पक्की करने का मार्ग बेहद शानदार रहा है।विराट के लिए इस पल को यादगार बनाने के लिए पीसीए ने खास इंतजाम किए। पीसीए ने चंडीगढ़ की कई जगहों पर कोहली को बधाई संदेश देने वाले बड़े-बड़े बोर्ड लगाए हैं। इसके अलावा आइएस बिंद्रा क्रिकेट स्टेडियम में भी कोहली को बधाई संदेश वाले बैनर लगाए गए हैं। यह भी समझा जाता है कि पीसीए द्वारा विराट का होटल से लेकर स्टेडियम तक स्वागत किया जाएगा। वहीं पीसीए की तरफ से विराट को एक सिल्वर शील्ड भी स्मृति चिन्ह के तौर पर भेंट की जाएगी। उल्लेखनीय है कि 2008 में वनडे में पदार्पण करने के बाद विराट को पहला टेस्ट मैच खेलने का मौका लगभग तीन साल बाद कैरेबियन में मिला, जब दिग्गज क्रिकेट सचिन तेंदुलकर ने दौरे को छोड़ने का विकल्प चुना। तब तक कोहली ने 50 ओवर के प्रारूप में खुद को टीम के प्रमुख बल्लेबाज के रूप में स्थापित कर लिया था, हालांकि उन्हें रेड बॉल टीम में कोई सफलता नहीं मिल रही थी। टेस्ट प्रारूप में उनकी शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही और उन्हें उनकी पहली श्रृंखला में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद बाहर कर दिया गया था, लेकिन वह साल के अंत में शानदार प्रदर्शन की बदौलत विदेशी दौरे में टीम का हिस्सा बने, जहां वह 300 रन के आंकड़े को पारी करने एकमात्र मेहमान बल्लेबाज बने।

ढाई साल व 70 पारियों से विराट को शतक का इंतजार

टीम इंडिया के पूर्व कप्तान विराट कोहली अपने 100वें टेस्ट को यादगार बनाना चाहेंगे। ये टेस्ट कोहली के लिए बहुत खास होने वाला है। कोहली चाहेंगे कि पिछले ढाई साल और 70 पारियों से चला आ रहा शतक का सूखा अपने 100वें टेस्ट में खत्म करें। विराट अब तक वनडे में 43 और टेस्ट में 27 शतक लगा चुके हैं।

अब तक किसी भारतीय ने 100वें टेस्ट में नहीं जमाया शतक

उन्होंने आखिरी बार शतक 23 नवंबर 2019 को बांग्लादेश के खिलाफ कोलकाता में लगाया था। विराट 100 टेस्ट खेलने वाले 71वें खिलाड़ी होंगे। ऐसे में उनके पास मौका है कि वह इस 71 के फेर को अपने पाले में कर लें और मोहाली में इतिहास रच दें। आज तक किसी भी भारतीय खिलाड़ी ने अपने 100वें टेस्ट मैच में शतक नहीं जमाया है। मोहाली के स्टेडियम में कोहली ने सिर्फ तीन टेस्ट मैच खेले हैं और लगभग 50 की औसत के साथ 199 रन बनाए हैं।

सचिन सहित दिग्गजों ने दी बधाई

मास्टर ब्लास्टर सचिन तेंदुलकर सहित सुनील गावस्कर, सौरव गांगुली, वीवीएस लक्ष्मण, राहुल द्रविड़ सहित अन्य क्रिकेटरों ने विराट को 100वें टेस्ट की बधाई दी। सचिन ने विराट कोहली के 100वें टेस्ट मैच की पूर्व संध्या पर उन्हें बधाई देते हुए कहा कि यह उपलब्धि शानदार है, क्योंकि यह क्रिकेटरों की एक पीढ़ी को प्रेरित करेगी।

विराट और अश्विन के पास कीर्तिमान बनाने का मौका

पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली श्रीलंका के खिलाफ शुक्रवार से होने वाले अपने 100वें टेस्ट मैच में यदि 38 रन बनाते हैं, तो वह टेस्ट क्रिकेट में 8000 रन बनाने वाले 29वें बल्लेबाज और 14वें सबसे तेज़ बल्लेबाजबन जाएंगे। भारतीय ऑफ स्पिनर रविचंद्रन अश्विन के नाम 430 विकेट हैं और वह इस मैच में रिचर्ड हैडली (431), रंगना हेरात (433), कपिल देव (434)और डेल स्टेन (439) का रिकॉर्ड तोड़ सकते हैं।

100वें टेस्ट में ये खिलाड़ी लगा चुके हैं शतक

1. सबसे पहले 100वें टेस्ट में शतक इंग्लैंड के कॉलिन काउड्रे ने लगाया था। ये मुकाबला 1968 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेला गया था। काउड्रे ने मैच में 104 रन बनाए थे।
2. काउड्रे के बाद पाकिस्तान के जावेद मियांदाद ने 1989 में भारत के खिलाफ अपने 100वें टेस्ट में शतक लगाया था।
3. वेस्टइंडीज के गार्डन ग्रीनिज 12 अप्रैल 1990 को अपने 100वें टेस्ट में 149 रन की पारी खेली थी।
4. इंग्लैंड के बल्लेबाज एलेक स्टीवर्ट ने सन 2000 में 105 रन बनाकर अपने 100वें टेस्ट को यादगार बनाया।
5. पाकिस्तान के इंजमाम उल हक ने 2005 में अपने 100वें टेस्ट में 184 रन बनाकर शतक जमाया था।
6. ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग एक मात्र ऐसे खिलाड़ी हैं, जिन्होंने अपने 100वें टेस्ट की दोनों पारियों में शतक लगाया है। 2006 में साउथ अफ्रीका के खिलाफ खेली गई सीरीज में पोंटिंग ने 120 और 143 रन के स्कोर बनाए थे।
7. साउथ अफ्रीका के ग्रीम स्मिथ ने 2012 में अपने 100वें टेस्ट में 131 रन की पारी खेलकर शतक जमाया।
8. साउथ अफ्रीका के हाशिम अमला ने भी अपने 100वें टेस्ट में 2017 में 134 रन की पारी खेली थी।
9. आखिरी बार इंग्लैंड के टेस्ट कप्तान जो रूट ने ये कारनामा किया था। उन्होंने तो भारत के खिलाफ दोहरा शतक जड़ दिया था। 2021 में खेले गए इस मुकाबले में उन्होंने 218 रन बनाए थे। रूट 100वें टेस्ट में दोहरा शतक लगाने वाले एक मात्र बल्लेबाज हैं।

टेस्ट क्रिकेट में कोहली बहुत अच्छे: रोहित

भारतीय क्रिकेट कप्तान रोहित शर्मा ने विराट कोहली की तारीफ करते हुए कहा है कि वह खेल के सबसे लंबे प्रारूप में काफी अच्छे रहे हैं। रोहित ने कहा, यह विराट के लिए बेहद शानदार और लंबी यात्रा रही है। वह विशेष रूप से इस प्रारूप में बहुत अच्छे रहे हैं और उन्होंने बहुत सी चीजें बदली हैं। बेशक उनका सफर उतार-चढ़ाव भरा रहा है। ऑस्ट्रेलिया में 2018 में हमने जो श्रृंखला जीती थी, वह एक यादगार पल था। इससे और बेहतर की बात करूं तो सबसे अच्छा पल 2013 में दक्षिण अफ्रीका में विराट कोहली का टेस्ट शतक था। यह एक चुनौतीपूर्ण पिच थी और हमें क्रिस मॉरिस और डेल स्टेन जैसे गेंदबाजों का सामना करना था। यह उनकी सबसे अच्छी पारी थी, जो मुझे याद है। अनुभवी बल्लेबाजों अजिंक्य रहाणे और चेतेश्वर पुजारा के टेस्ट भविष्य के बारे में पूछे जाने पर कप्तान रोहित ने कहा, पुजारा और रहाणे के रिक्त स्थानों को भरना बहुत मुश्किल चुनौती है। यहां तक कि मुझे भी नहीं पता कि उनकी जगह कौन आ रहा है।

दीप्ति, राजेश्वरी की ग्रेड ए में पदोन्नति

जेमिमा रोड्रिग्स और शिखा पांडे ग्रेड बी से बाहर

मुंबई। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड बीसीसीआई ने युवा ऑलराउंडर दीप्ति शर्मा और अनुभवी भारतीय स्पिनर राजेश्वरी गायकवाड़ को 2021-22 सीजन के केंद्रीय अनुबंध में ग्रेड ए में रखने का फैसला किया है। 24 वर्षीय ऑलराउंडर दीप्ति ने पिछले कुछ समय में अच्छा फॉर्म दिखाया है, जिसके लिए उन्हें पदोन्नति मिली है।

इसी तरह कर्नाटक की राजेश्वरी को भी उनके शानदार प्रदर्शन के मद्देनजर अनुबंध सूची में शीर्ष ग्रेड में शामिल किया गया है, जिसमें हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना और पूनम यादव भी मौजूद हैं। इन सभी खिलाड़ियों को बीसीसीआई की ओर से सालाना 50 लाख रुपए मिलेंगे, जबकि ग्रेड बी और ग्रेड सी खिलाड़ियों को सालाना क्रमशः 30 लाख और 10 लाख रुपए दिए जाएंगे। बीसीसीआई ने शीर्ष परिषद की बैठक में वार्षिक अनुबंध के लिए 17 खिलाड़ियों को चुना, जिसमें स्नेह राणा ने ग्रेड सी में जगह बनाई, जबकि पूजा वस्त्राकर, जो पिछले साल ग्रेड सी में थीं, को बी श्रेणी में पदोन्नति मिली।

- **महिला केंद्रीय अनुबंध :ग्रेड ए (50 लाख रुपए) : हरमनप्रीत कौर, स्मृति मंधाना, पूनम यादव, दीप्ति शर्मा, राजेश्वरी गायकवाड़।**
- **ग्रेड बी (30 लाख रुपए) : मिताली राज, झूलन गोस्वामी, ताान्या भाटिया, शैफाली वर्मा, पूजा वस्त्राकर।**
- **ग्रेड सी (10 लाख रुपए) : पूनम राउत, शिखा पांडे, जेमिमा रोड्रिग्स, ऋचा घोष, हरलीन देओल, अरुंधति रेड्डी, स्नेह राणा।**

महिला क्रिकेट विश्व कप का आगाज आज

न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज की टीमें होंगी आमने सामने

टोरंगा। महिला क्रिकेट विश्व कप 2022 का आगाज आज से होने जा रहा है जहां पहले मैच में न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज की टीमें आमने सामने होंगी। यह प्रतियोगिता पहले 2021 में होने वाली थी मगर कोरोना महामारी के कारण एक साल के लिए स्थगित कर दी गयी थी। आईसीसी ने 15 दिसंबर 2020 को घोषणा की कि महिला क्रिकेट विश्व कप 04 मार्च से 03 अप्रैल के बीच खेला जायेगा। विश्वकप का फाइनल क्राइसचर्च में होगा लेकिन इससे पहले आठ टीमों को 30 मुकाबलों को सामना करना होगा। पिछली बार जब न्यूजीलैंड में महिला विश्व कप का आयोजन हुआ था तो एमिली ड्रम की अगुवाई में न्यूजीलैंड ने ऑस्ट्रेलिया को फाइनल में हराकर खिताब अपने नाम किया था। अब तक सबसे ज्यादा बार विश्व कप ऑस्ट्रेलिया ने जीते हैं। साल 2013 में उन्होंने अपना सातवां विश्व कप जीता था और 2017 में हुए विश्व कप में इंग्लैड ने भारत को फाइनल में हराकर खिताब हासिल किया था। टूर्नामेंट के शुरुआती चरणों मे, स्टेडियम में क्षमता के 10 प्रतिशत दर्शकों को ही अनुमति दी जाएगी। जैसे-जैसे टूर्नामेंट आगे बढ़ेगा भीड़ की सीमा बढ़ाई जा सकती है।

ऑस्ट्रेलियाई टीम में कोरोना की सेंध

युवा ऑलराउंडर एशले गार्डनर संक्रमित

क्राइस्टचर्च। न्यूजीलैंड में 2022 आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप शुरू होने से महज एक दिन पहले कोरोना वायरस ने ऑस्ट्रेलियाई टीम में सेंध लगा दी है। ऑस्ट्रेलिया की युवा ऑलराउंडर एशले गार्डनर के कोरोना वायरस से संक्रमित पाए जाने की जानकारी सामने आई है। समझा जाता है कि 24 वर्षीय गार्डनर अब यहां 10 दिनों के लिए आईसीसी और न्यूजीलैंड सरकार के स्वास्थ्य दिशा-निर्देशों के तहत आईसोलेशन में रहेंगी, जिसका मतलब है कि वह पांच मार्च को इंग्लैंड के खिलाफ और आठ मार्च को पाकिस्तान के खिलाफ ऑस्ट्रेलिया के लिए उपलब्ध नहीं रहेंगी। गार्डनर ने एक मार्च को न्यूजीलैंड के खिलाफ अभ्यास मैच में ऑस्ट्रेलिया के लिए महज 32 गेंदों में 60 रन की पारी खेली थी, लेकिन नियमित रैपिड एंटीजन टेस्ट के बाद वह कोरोना पॉजिटिव पाई गईं। टीम के मुख्य चयनकर्ता शॉन फ्लेगलर भी क्राइस्टचर्च में ही रहेंगे। गार्डनर के कोरोना पॉजिटिव पाए जाने की जानकारी रखने वाले एक सूत्र ने यूनीवार्ता को बताया कि गार्डनर ठीक हैं। उन्हें अभी कोरोना के कोई लक्षण नहीं हैं। क्रिकेट ऑस्ट्रेलिया ने एक बयान में कहा, शेष सभी ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी और सपोर्ट स्टाफ के सदस्य बाद में हुए रैपिड एंटीजन टेस्ट में नेगेटिव आए हैं। वे शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ आईसीसी महिला क्रिकेट विश्व कप के पहले मैच से पहले आज शाम हैमिल्टन की यात्रा करने की मूल योजनाओं के साथ आगे बढ़ेंगे। उल्लेखनीय है कि आईसीसी ने पिछले दिनों महिला विश्व कप के लिए सख्त बायो-बबल और रोजाना कोरोना टेस्ट कराने की प्रक्रिया को हटा दिया था। आईसीसी ने इसके बजाय टूर्नामेंट को एक प्रबंधित वातावरण में आयोजित करने की योजना बनाई है।

बांग्लादेश ने अफगानिस्तान को 61 रन से हराया

सीरीज में बनाई 1-0 की अजेय बढ़त

ढाका। विकेटकीपर बल्लेबाज लिटन दास (60) के शानदार अर्धशतक और फिर नसुम अहमद (10 रन पर चार विकेट) और शरीफुल इस्लाम (29 रन पर तीन विकेट) की घातक गेंदबाजी की बदौलत बांग्लादेश ने गुरुवार को यहां पहले टी-20 क्रिकेट मैच में अफगानिस्तान को एकतरफा अंदाज में 61 रन से हराकर 1-0 की अजेय बढ़त बना ली। मेजबान बांग्लादेश ने टॉस जीत कर बल्लेबाजी की और इनफॉर्म बल्लेबाज लिटन की अर्धशतकीय पारी की बदौलत 20 ओवर में आठ विकेट पर 155 रन का चुनौतीपूर्ण स्कोर बनाया। जवाब में अफगानिस्तान की टीम 17.4 ओवर में 94 रन पर ऑलआउट हो गई। बांग्लादेश को अच्छी शुरुआत नहीं मिली और महज 47 रन के अंदर उसने अपने तीन बल्लेबाजों को खो दिया। मोहम्मद नईम 10, मुनीम शहरियार 25 और शाकिब अल हसन 47 के स्कोर पर आउट हुए, लेकिन इसके बाद हुई दो महत्वपूर्ण साझेदारियों ने बांग्लादेश को 20 ओवर में आठ विकेट पर 155 के चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाया। लिटन ने पहले कप्तान महमूदुल्लाह के साथ चौथे विकेट के लिए 33 और फिर पांचवें विकेट के लिए आफिफ हुसैन के साथ 46 रन की महत्वपूर्ण साझेदारी की। वह हालांकि 126 के स्कोर पर आउट हो गए। उन्होंने चार चौकों और दो छक्कों की मदद से 44 गेंदों पर 60 रन की तूफानी पारी खेली। उनके अलावा आफिफ हुसैन ने दो चौकों के सहारे 24 गेंदों पर 25 रन बनाए। महमूदुल्लाह ने भी एक छक्के की मदद से सात गेंदों पर 10 रन का योगदान दिया।

मेंनसुम ने 10 रन देकर लिए चार विकेट

वहीं गेंदबाजी मेंनसुम ने चार ओवर में महज 10 रन पर चार और शरीफुल ने तीन ओवर में 3.4 ओवर में 29 रन पर तीन विकेट लिए। नसुम को शानदार प्रदर्शन के लिए प्लेयर ऑफ द मैच' चुना गया।अफगानिस्तान के लिए नजीबुल्लाह जादरान ने एक चौके और एक छक्के के सहारे 26 गेंदों पर सर्वाधिक 27 रन बनाए, जबकि गेंदबाजी में फजलहक फारूकी और अजमतुल्लाह ओमरजई ने दो-दो, जबकि राशिद खान और कैस अहमद ने एक-एक विकेट लिया। दोनों टीमों के बीच अब शनिवार को यहां सीरीज का दूसरा और आखिरी मैच खेला जाएगा। बांग्लादेश ने हालांकि 1-0 की अजेय बढ़त ले ली

चीनी किशोर ने सत्यन को हराया

पदक दौर में भारत की महिला जोड़ी, मनिका बत्रा भी विजयी

मस्कट। शीर्ष भारतीय पैडलर जी सत्यन गुरूवार को चीन के 16 वर्षीय लिन शिदोंग से हारकर डब्ल्यूटीटीसी कंटेंडर मस्कट 2022 से बाहर हो गए। उन्हें शिदोंग ने पुरुष एकल के राउंड 32 दौर में मात दी। हालांकि अच्छी खबर यह है कि सुतीर्था मुखर्जी और आयहिका मुखर्जी के जोड़ी महिला युगल के सेमीफाइनल में पहुंच गई है। उन्हें चेक जोड़ी जदेना ब्वलास्कोवा और कैटेरीना टोमनोस्क से वॉक ओवर मिला। इसके अलावा श्रीजाअकुला और सेलेदीप्ति सेल्वाकुमार ने सिंगापुर की गोई रुई जुआन को 13-11, 12-10 से हराया।वर्ल्ड नंबर 32 सत्यन, जिन्होंने मुख्य ड्रॉ में सीधे प्रवेश अर्जित किया और टूर्नामेंट का अपना पहला मैच खेला, उन्हें 8-11, 13-11, 2-11, 8-11 से हार का सामना करना पड़ा।

रवि सैनी व आनंद यादव क्वार्टर फाइनल में

नई दिल्ली। युवा भारतीय मुक्केबाज आनंद यादव ने गुरुवार को जॉर्डन की राजधानी अम्मान में जारी 2022 एएसबीसी एशियाई युवा और जूनियर मुक्केबाजी चैंपियनशिप में क्वार्टर फाइनल में प्रवेश कर लिया। आनंद ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 54 किग्रा युवा पुरुष वर्ग के पहले दौर के मैच में एकतरफा फैसले के आधार पर कजाकिस्तान के असलान असलानोव को मात दी। भारतीय और कजाक मुक्केबाज के बीच के इस जोरदार मुकाबले की शुरुआत में दोनों के बीच भारी मुक्कों का आदान-प्रदान हुआ। आनंद ने हालांकि अच्छी डिफेंस टेक्निक का प्रदर्शन किया और साथ ही साथ सही समय पर मुक्के बरसाकर अंक हासिल किए। जैसे-जैसे मुकाबला आगे बढ़ा, भारतीय मुक्केबाज ने कमान संभालनी शुरू की और कजाक मुक्केबाज पर दबदबा कायम करते हुए एक तरफा जीत हासिल की। बाद में, टूर्नामेंट के पिछले संस्करण में रजत पदक जीतने वाले विजेता वंशज यूथ मेन कटेगरी में स्थानीय खिलाड़ी अब्दुल्ला अलम्हारात के खिलाफ 63.5 किग्रा भार वर्ग अपनी चुनौती शुरू करेंगे।लड़कों के जूनियर वर्ग में, रवि सैनी ने बुधवार देर रात खेले गए 48 किग्रा भार वर्ग के पहले दौर के मैच में संयुक्त अरब अमीरात यूएई के अलसेद्रानी अली बदर के खिलाफ साहसिक प्रदर्शन किया। रवि के आक्रामक इरादे और जोरदार हमले ने रेफरी को मैच के दूसरे राउंड में ही मुकाबला रोकने के लिए मजबूर कर दिया।

पुतिन को भारी पड़ी यूक्रेन से जंग, शीतकालीन पैरालंपिक से रूस और बेलारूस के एथलीटों पर लगा प्रतिबंध

आईपीसी ने एक बयान में कहा गया कि एक विशेष रूप से बुलाई गई बैठक के बाद गवर्निंग बोर्ड ने बीजिंग 2022 पैरालंपिक शीतकालीन खेलों के लिए रूस और बेलारूस एथलीट की प्रविष्टियों को अस्वीकार करने का फैसला किया गया है। शीतकालीन पैरालंपिक से रूसी और बेलारूस के एथलीटों पर प्रतिबंध लगा दिया है। अंतर्राष्ट्रीय पैरालंपिक समिति (आईपीसी) ने कहा कि रूसी और बेलारूसी एथलीट बीजिंग में शीतकालीन पैरालिंपिक में प्रतिस्पर्धा नहीं कर पाएंगे। आईपीसी ने एक बयान में कहा गया कि एक विशेष रूप से बुलाई गई बैठक के बाद गवर्निंग बोर्ड ने बीजिंग 2022 पैरालंपिक शीतकालीन खेलों के लिए रूस और बेलारूस एथलीट की प्रविष्टियों को अस्वीकार करने का फैसला किया गया है। इसका मतलब है कि इन संबंधित देशों के पैरा एथलीटों को अब 4 मार्च 2022 को शुरू होने वाले खेलों में भाग लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी बता दें कि रूस के यूक्रेन पर आक्रमण के बाद प्रतिबंध लगाने के बावजूद, रूसी और बेलारूसी एथलीटों को 4 से 13 मार्च तक बीजिंग शीतकालीन पैरालिंपिक में प्रतिस्पर्धा करने की अनुमति दी गई थी। खेल महासंघों ने दोनों देशों की टीमों और एथलीटों को निलंबित कर दिया है, लेकिन उन्होंने कहा कि अगर समय या कानूनी बाधाओं ने उन्हें हटाने से रोका तो वे तटस्थ के रूप में प्रतिस्पर्धा कर सकते हैं। आईपीसी ने एक बयान में कहा, "वे पैरालंपिक ध्वज के तहत प्रतिस्पर्धा करेंगे और पदक तालिका में शामिल नहीं होंगे। आईपीसी को अपने शुरूआती फैसले के लिए तत्काल आलोचना मिली। जिसके बाद समिति की तरफ से ये निर्णय लिया गया। आईपीसी ने यह भी कहा कि यह स्पष्ट है कि कई एथलीट रूस या बेलारूसियों के खिलाफ प्रतिस्पर्धा करने से मना कर देंगे, जिससे पैरालिंपिक के लिए अराजकता पैदा होगी और प्रतिष्ठा को नुकसान होगा।

रामकुमार रामनाथन खेलेंगे पहला एकल

डेविस कप : युकी भांबरी दूसरे में उतरेंगे

नई दिल्ली। भारत के शीर्ष खिलाड़ी रामकुमार रामनाथन डेनमार्क के खिलाफ डेविस कप विश्व ग्रुप 1 प्लेऑफ मुकाबले में शुक्रवार को पहला एकल मैच खेलने उतरेंगे जबकि युकी भांबरी दूसरे एकल में अपनी चुनौती पेश करेंगे। भारत और डेनमार्क के बीच इस मुकाबले का ड्रा गुरूवार को केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने यहां दिल्ली जिमखाना क्लब में निकाला।

इस अवसर पर दोनों टीमों के खिलाड़ियों के अलावा अखिल भारतीय टेनिस संघ के अध्यक्ष अनिल जैन और महान टेनिस खिलाड़ी विजय अमृतराज भी मौजूद थे। ड्रा के अनुसार पहले एकल में रामकुमार का मुकाबला डेनमार्क के क्रिस्टियन सिग्स्गार्ड से होगा जबकि युकी अगले एकल मैच में डेनमार्क के शीर्ष खिलाड़ी माइकल टोरपेगार्ड से भिड़ेंगे। दूसरे दिन शनिवार को युगल मैच में रोहन बोपन्ना के साथ दिविज शरण उतरेंगे जबकि उनके सामने डेनमार्क के कप्तान फ्रेडरिक नीलसन और जोहानस इंगिल्ड्सन की चुनौती रहेगी। शनिवार को ही पहले उलट एकल में रामकुमार का सामना माइकल टोरपेगार्ड से होगा जबकि युकी का सामना क्रिस्टियन सिग्स्गार्ड से होगा। विश्व रैंकिंग में रामकुमार 170वें स्थान के साथ दोनों टीमों में शीर्ष खिलाड़ी हैं जबकि युकी की रैंकिंग 590 है। युकी को 246वीं रैंकिंग के प्रजनेश गुणेश्वरन के ऊपर प्राथमिकता मिली है। रोहन बोपन्ना की युगल रैंकिंग 32 और दिविज शरण की 142 है। डेनमार्क की टीम में टोरपेगार्ड 305वीं रैंकिंग पर हैं जबकि सिग्स्गार्ड की 824वीं रैंकिंग है। डेनमार्क के कप्तान नीलसन युगल रैंकिंग में 98वें स्थान पर हैं। इंगिल्ड्सन की युगल रैंकिंग 557 है।

मैं मर जाऊंगा लेकिन झूठ नही बोलूंगा - राहुल गांधी

फूलपुर में प्रत्याशी अजय राय के समर्थन में की सभा

प्रखर पिंडरा वाराणसी। राष्ट्रीय कांग्रेस पार्टी के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने कहाकि उत्तर प्रदेश का विधान सभा चुनाव आपका भविष्य तय करेगा। झूठ और फरेब करने वालो से सावधान रहिये। बेरोजगारी और महगाई पर सरकार के सारे वादे झूठे साबित हुए। कांग्रेस जो कहती है उसे करती है। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस ने जो वादा किया उसे पूरा किया। अब यूपी की बारी है।आप का समर्थन मेरे लिए कर्ज होगा। उक्त बातें शुक्रवार को अपराह्न में पिंडरा विस् क्षेत्र के फूलपुर स्थित जूनियर हाईस्कूल के खेल मैदान में आयोजित चुनावी जनसभा को सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि हमारे देश के प्रधानमंत्री इतने झूठे और फरेबी है कि कोरोना वायरस को भगाने के लिए थाली तक बजवा दिया। वर्ष 2014 में झूठे वादे कर सरकार बनने पर हर खाते में 15 लाख भेजने, काला धन वापस लाने,किसानों की आमदनी दो गुना करने के दावा किया लेकिन हुआ क्या? महगाई और बेरोजगारी पर सरकार पर कटाक्ष करने के बाद हिंदुत्व पर बोले। उन्होंने जनता से पूछा कि हिन्दू धर्म क्या है? और

किस चीज की बात करते हैं? जिसपर स्वयं बताया कि सच्चाई की। लेकिन भाजपा के लोग हिन्दू धर्म के नाम पर झूठ बोलकर वोट लेते हैं। हमारा धर्म यह नही सिखाता कि देश के लाखो करोड़ो लोगो से झूठ बोल बोले। वह भी काशी में शिव की नगरी में झूठ बोले। उन्होंने कहाकि मैं मर जाऊंगा लेकिन कभी झूठ नही बोलूंगा। मैं 15 लाख रुपए खाते में डालने की बात कभी नही कहूंगा। उन्होंने कहाकि सरकार प्रेस के ऊपर हावी है। प्रेस को कुछ पूछने की हिम्मत नही है। मोदी की डबल इंजन की सरकार धर्म नही झूठ की रक्षा करती है। उन्होंने यूक्रेन में रह रहे भारतीयों के मुद्दे पर बोला कि सरकार उन्हें अपने हाल पर छोड़ दी है क्या वे मेरे देश के भविष्य नही है? अपने भाषण में कोरोना काल का जिक्र करते हुए कहा कि लोग ऑक्सीजन और वेंटिलेटर के लिए परेशान रही और लाशें गंगा में तैरती रही। उस समय भाजपाई नही कांग्रेसी आगे आये और बढ़चढ़ कर लोगों की मदद की। उन्होंने कहाकि सरकार बनने पर मोदी ने महगाई और बेरोजगारी तो दूर नही कि लेकिन गिफ्ट में किसानों को जरूर छुट्टा पशु दे गए। जो किसानों का जीना हराम कर दिया है। उन्होंने छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के सरकार का जिक्र किया कि हमने जो वादा किया उसे 10 घण्टे के अंदर सरकार बनने पर पूरा किया चाहे वह किसानों के कर्ज माफी रहा हो या फिर 2500 रुपये के गेहू खरीद मूल्य की बात हो। सब पूरा किया। उन्होंने एक जिला एक उत्पाद पर कहाकि आज बनारस की साड़ी की जगह चीन की साड़ी बेची जा रही। अगर बेरोजगारी और महंगाई दूर करनी हो तो हर जिले के विशेष उत्पाद को बढ़ावा देना होगा। जिससे काशी की पहचान बनारसी साड़ी को बाजार मिल सके और चीन की जगह बनारस का लेबल लगा साड़ी बिक सके। कांग्रेस की सरकार किसानों, मजदूरों और बेरोजगारों के जेब मे पैसा डालती है निकालती नहीं। भाजपा सरकार की डबल इंजन सरकार अडानी व अम्बानी है। उन्होंने सपा को गुंडो की पार्टी तो बसपा की भाजपा की बी टीम होने की संज्ञा दी। वही यूपी प्रभारी प्रियंका गांधी ने लड़की हु लड़ सकती हूं के नारे के साथ अपने भाषण की शुरूआत की। उन्होंने कहाकि चुनाव में राजनैतिक दलों और प्रत्यशियों को पहचाने की जरूरत है। सोच समझकर वोट देने की अपील की। छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने कहा कि कांग्रेस ने जो वादा चुनाव के पहले किया था वह सरकार के बनने के 10 घण्टे पहले ही पूरे किया।

वही मंच के पहुचने के पूर्व कतारबद्ध कांग्रेसी नेता और कार्यकताओं ने स्वागत किया। जिसमें पूर्व जिलाध्यक्ष प्रजानाथ शर्मा, श्रीप्रकाश सिंह, शरद सिंह, अंजनी पांडेय, उमेश राजभर, राधेश्याम उपाध्याय, श्रीप्रकाश मिश्रा, विवेक सिंह, सौरभ सिंह, झगडू सिंह समेत अनेक कार्यकर्ता रहे।

सातों सीटों पर दिखी दलगत गोलबंदी, उत्साहित थे मतदाता

बलिया। मतदान के दौरान बलिया नगर विधानसभा क्षेत्र में दलगत गोलबंदी खूब दिखी। भाजपा और सपा के समर्थक उत्साहित अंदाज में वोट कर रहे थे। जिस बूथ पर जो भारी था, उसी की जीत बता रहा था। यहां भाजपा से प्रदेश उपाध्यक्ष दयाशंकर सिंह उम्मीदवार हैं। सपा से पूर्व मंत्री नारद राय प्रत्याशी हैं। बसपा से मदन वर्मा व कांग्रेस से ओमप्रकाश तिवारी प्रत्याशी हैं। मतदाताओं की माने तो इस सीट पर उसी की विजय होगी जिसके पक्ष में ब्राह्मण मतदाता वोट किए होंगे। शहर में शांतिपूर्ण मतदान हुआ।

बांसडीह में हर बूथ पर थी रस्साकशी- बांसडीह विधान सभा क्षेत्र में शाम तक भाजपा और सपा के समर्थक वोट को लेकर हर बूथ पर टकराते रहे। सीट पर भाजपा को अभी तक जीत नहीं मिली है, लेकिन भाजपा इस बार इस सीट पर अपनी पूरी ताकत झोंक रखी थी। इस बार वह भाजपा और निषाद पार्टी की संयुक्त उम्मीदवार हैं। इसी तरह फेफना विधान सभा क्षेत्र में दोनों दलों के कार्यकर्ता अपने वोटरों का वोट गिरवाने के लिए शाम तक प्रयास करते दिखे। मतदान के दौरान बूथों पर कोई किसी से कम नहीं था। बैरिया विधान सभा क्षेत्र में हर बूथ पर दलगत कार्यकर्ता अपने वोटरों का मतदान कराने में जुटे रहे। मतदान के दौरान हर बूथ पर दलगत एजेंट टकराते रहे। रसड़ा विधान सभा क्षेत्र में हर बार के चुनाव से अलग माहौल था। मतदान के दौरान हर दल के कार्यकर्ता जागरूक दिखे।

मतदाता सूची में नाम नहीं, आक्रोशित दिखे वोटर

बलिया। जिले के कई बूथों पर मतदाताओं के नाम नहीं होने की शिकायत भी मिली। विधानसभा क्षेत्र सिकंदरपुर के बूथ नंबर 309 व 310 पर बीएलओ की गलती से विजय पासवान, हृदय पासवान का नाम मतदाता सूची से गायब था। वह जब मतदान केंद्र पर पहुंचे तो उनका नाम नहीं मिला। इसी तरह रेवती नगर पंचायत के वार्ड नंबर 10 के निवासी 80 वर्षीय शिवमुन्नी पांडेय अपना पहचान पत्र लेकर मतदान केंद्र पहुंचे तो उनका नाम भी सूची से गायब था। ऐसे में बिना वोट डाले ही उन्हें वापस होना पड़ा। ऐसी स्थिति हर विधान सभा क्षेत्र में थी। मतददाताओं ने इसके लिए संबंधित क्षेत्र के बीएलओ पर आरोप लगाया कि बीएलओ की लापरवाही से मतदाताओं के नाम गायब हैं।

कहीं शुरू में व्यवधान, कहीं बीच में रुका मतदान

बलिया। छठे चरण के चुनाव के लिए जनपद में गुरुवार की सुबह सात बजे मतदान शुरू हुआ। इस दौरान 50 से अधिक बूथों पर ईवीएम व वीवीपैट में गड़बड़ी होने से मतदान में व्यवधान पड़ा। कहीं शुरूआत में ही दिक्कत हुई तो कहीं बीच में गड़बड़ी सामने आई। अधिकांश जगहों पर मास्टर ट्रेनरों ने मतदानकर्मियों से बात कर मशीनें ठीक कराई। कई स्थानों पर दूसरी मशीनें मंगाकर लगाई गई। सिकंदरपुर विधानसभा क्षेत्र के तिलौली स्थित प्राथमिक विद्यालय के बूथ संख्या 1026 पर वीवीपैट खराब होने से समय से मतदान शुरू नहीं हो पाया। बूथ संख्या 145 प्राथमिक विद्यालय खरीद पर भी मशीन खराब होने से आठ बजे मतदान शुरू हुआ। बैरिया विधानसभा क्षेत्र में आठ मतदान केंद्रों पर ईवीएम में खराबी की शिकायत मिली। उपजिलाधिकारी बैरिया अभय कुमार सिंह ने मशीनों को ठीक कराया। बाबा लक्ष्मण दास इंटर कालेज, कर्ण छपरा, सुरेमनपुर, कौशल नगर, प्रीतम छपरा, चांदपुर व दलन छपरा के मतदान केंद्रों पर वीवीपैट खराब हो गया था। इसकी सूचना मतदान केंद्र पर मौजूद विभिन्न पार्टियों के एजेंटों द्वारा सेक्टर व जोनल मजिस्ट्रेट को दी गई। थोड़ी देर तक मतदान बाधित रहा।

सूचना पर दौड़-भाग करते रहे अधिकारी- बिल्थरारोड (बलिया) : बिल्थरारोड विधानसभा क्षेत्र में सभी 420 बूथों पर सुबह सात बजे से मतदान शुरू हो गया। इस बीच तकनीकी गड़बड़ी के कारण कुल 26 ईवीएम और 12 वीवीपैट बदले गए। इसको लेकर अधिकारी दौड़-भाग करते रहे। एसडीएम राजेश गुप्ता ने बताया कि सूचना मिलने पर सेक्टर मजिस्ट्रेट की टीम ने तत्काल बूथ संख्या. 405, 126, 262, 267, 334, 243, 77, 79, 16, 372, 420, 377, 177 एवं इब्राहीमपट्टी के बूथ संख्या 177 समेत कुल 14 बूथों पर ईवीएम और वीवीपैट बदलवाया। इस दौरान इन अधिकांश बूथों पर आधे घंटे विलंब से मतदान शुरू हुआ। वहीं दोपहर बाद फिर से बूथ संख्या 242, 228, 341, 140, 120, 121, 217, 104, 353, 26, 97 और 342 समेत 12 और बूथों पर ईवीएम और वीवीपैट बदले गए। करीब 30 से 40 मिनट तक मतदान बाधित रहा।

देश के पत्रकारों को आयुष्मान भारत योजना से आच्छादित करने के लिए केन्द्रीय मंत्री को सौंपा ज्ञापन मिला आश्वासन

प्रखर जखनियां गाजीपुर। पत्रकारों को आयुष्मान योजना से जोड़ने के लिए पत्रकारों के संगठन जर्नलिस्ट काउंसिल ऑफ इंडिया के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष शादाब आब्दी ने केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को ज्ञापन दिया। संगठन के राष्ट्रीय सलाहकार डा.ए.के.राय ने बताया कि ज्ञापन में उन्होने देश के पत्रकारों को आयुष्मान भारत योजना से आच्छादित करने की मांग उठायी। केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी ने इस पर कार्यवाही का आश्वासन दिया। इस सम्बन्ध में संगठन के अध्यक्ष अनुराग सक्सेना ने बताया कि इससे पूर्व भी संगठन, पत्रकारों को आयुष्मान योजना से जोड़ने के लिए पूर्व में माननीय प्रधानमंत्री व गृह मंत्री जी को पत्र भेजकर आग्रह कर चुका है। उसी क्रम में पुनः केन्द्रीय मंत्री मुख्तार अब्बास नकवी को पत्र सौंपकर पत्रकारों को आयुष्मान योजना से जोड़ने का आग्रह किया गया। उन्होने कहा कि यदि बडे संस्थानों के पत्रकारों

को छोड़ दे तव मध्यम व लघु समाचार पत्रो के पत्रकारों और डिजिटल मीडिया से जुड़े पत्रकारों का वेतन इतना पर्याप्त नहीं है कि वह आसानी से अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें। ऐसे में वह अपना व अपने परिवार का उचित इलाज करा सके यह संभव नहीं है। हालांकि सरकार द्वारा मान्यताप्राप्त पत्रकारों को इलाज की सुविधा मिलती है लेकिन देश के लाखों गैर मान्यता प्राप्त पत्रकार इलाज से वंचित रह जाते हैं।पत्रकार समाज और सरकार के बीच की कड़ी होता है कितना भी कठिन समय हो वह हमेशा अपने कर्तव्यों से पीछे नहीं हटता। कोरोना काल में भी पत्रकारों ने अपने काम को बखूबी अंजाम दिया। ऐसे मे पत्रकारों को यदि आयुष्मान भारत योजना का लाभ मिलता है तब पत्रकार अपने व अपने परिवार के स्वास्थ्य को लेकर चिंतित न होंगे और अपने काम को बखूबी अंजाम देते रहेंगे। पत्रकारों की अन्य समस्याओ से भी केन्द्रीय मंत्री को शादाब आब्दी ने अवगत कराया। इस दौरान संगठन के आईटी सेल प्रमुख अम्मार आब्दी भी मौजूद रहे।

डबल इंजन की सरकार में बेहाल उत्तर प्रदेश- अतुल कुमार अंजान

मऊ। मऊ विधान सभा के कमुनिस्ट उम्मीदवार कामरेड फखरे आलम के समर्थन में कौरिबिलिंडग रौजा पर मऊ के विशाल जनसभा में भाकपा के राष्ट्रीय सचिव कामरेड अतुल कुमार अंजान ने कहा उन्होंने कहा कि विकास की गति को आसमान तक पहुंचाने के वादे के साथ सत्ता में आई भाजपा जनता के हितकारी मुद्दों पर चैतरफा हमला किया है करो ना महामारी का लाभ उठाकर करोड़ों लोगों के रोजगार छीन लिए देश के संविधान लोकतांत्रिक मूल्यों तथा बुनियादी अधिकारों की रक्षा के लिए सरकार बदलना जरूरी है। भाकपा के प्रांतीय सचिव डॉ गिरीश शर्मा ने कहा कि भाजपा की योगी सरकार में महंगाई बेरोजगारी भ्रष्टाचार चरम सीमा पर है शिक्षा स्वास्थ्य आम गरीब जनता की पहुंच से बाहर है। तमाम सार्वजनिक उपक्रमों को अपने चहेते पूंजीपति अदानी अंबानी को कौरिके मोल बेचा जा

रहा है। किसान तबाह है बुनकर मजदूर आए दिन पलायन कर रहा है कारपोरेट गोदी मीडिया मोदी जोगी सरकार का गुणगान कर रही है। सीपीआई के प्रदेश सचिव कामरेड अरविंद राज स्वरूप एवं पूर्व विधायक इम्तियाज अहमद ने मऊ जनपद की बदहाल पावरलूम उद्योग तथा बंद पड़ी कताई मिलों पर चिंता जताते हुए कहा कि पिछले दो दशक से जनप्रतिनिधियों की उदासीनता के कारण विकास का पहिया ठप हो गया है। मऊ विधानसभा वामपंथी प्रत्याशी युवा नेता कामरेड फखरे आलम ने उच्च शिक्षा संस्थान पॉलिटेक्निक को कायम करने के लिए जनता से सहयोग की अपील की। जनसभा की अध्यक्षता सीपीएम के जिला मंत्री डॉक्टर अजीम खान व संचालन बुनकर नेता अनीस ने किया। सभा को भाकपा के जिला मंत्री राम सोचयादव, विनोद राय, वीरेंद्र कुमार, गुफरान अहमद, अजय कुमार मिश्रा, परशुराम, श्रवण चैहान, शुभम यादव, ब्रह्मदेव राजभर, किसान नेता हरिनारायण सिंह ने संबोधित किया।

माननीयों ने बढ़-चढ़कर किया मतदान, दिखा जोश

बलिया। विधानसभा चुनाव में मतदान को लेकर गुरुवार को माननीयों में भी जोश दिखा। उम्मीदवारों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। मंत्री, सांसद, विधायक सहित दिग्गज नेताओं ने मतदान का धर्म निभाते हुए मतदाताओं को प्रेरित किया। जनप्रतिनिधियों ने लोकतंत्र के महापर्व में आहूति देकर दूसरों को संदेश देने का काम किया। इस दौरान उनके चेहरे पर जोश साफ नजर आया। बैरिया विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी मंत्री आनंद स्वरूप शुक्ला ने शहर में लक्ष्मी देवी इंटर कालेज, फेफना से भाजपा उम्मीदवार व मंत्री उपेंद्र तिवारी ने कुंवर सिंह इंटर कालेज, सांसद वीरेंद्र सिंह मस्त ने कंपोजिट विद्यालय दोकटी, राज्यसभा सदस्य नीरज शेखर व विधान परिषद सदस्य रविशंकर सिंह पप्पू ने इब्राहिमपट्टी बिल्थरारोड, बांसडीह से सपा प्रत्याशी रामगोविद चौधरी ने गोसाईपुर में मतदान किया। सुभासपा अध्यक्ष ओमप्रकाश राजभर ने पूरे परिवार के साथ डिगरचा रसड़ा, रसड़ा से बसपा प्रत्याशी विधायक उमाशंकर सिंह ने अपने गांव खनवर में बूथ पर वोट डाला। फेफना से सपा प्रत्याशी संग्राम सिंह यादव ने चेरुइयां, बांसडीह से निषाद पार्टी-भाजपा की उम्मीदवार केतकी सिंह ने मैरीटार, बैरिया से विकासशील इंसान पार्टी के उम्मीदवार सुरेंद्र सिंह ने अपने गांव चांदपुर कंपोजिट विद्यालय पर मताधिकार का प्रयोग किया। सिकंदरपुर से भाजपा उम्मीदवार विधायक संजय यादव ने कंपोजिट विद्यालय करमौता, सपा प्रत्याशी जियाउद्दीन रिजवी ने कंपोजिट विद्यालय सिवानकला में बने बूथ पर मतदान किया। नगर विधानसभा क्षेत्र से सपा उम्मीदवार नारद राय ने खोरीपाकड़ प्राथमिक विद्यालय, पूर्व मंत्री अंबिका चौधरी ने कंपोजिट विद्यालय कपुरी में मतदान किया।

राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन को लेकर बैठक का हुआ आयोजन

मऊ। 12 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के सम्बंध में पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण सुरेन्द्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में गुरूवार को बैठक आहूत की गयी। विद्वान अधिवक्तागण बीमा कम्पनी एवं नेशनल इन्श्योरेंस कम्पनी लि0 के अधिकारीगण के साथ आगामी 12 मार्च को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के सफल आयोजन के सम्बंध में विस्तार से चर्चा की गयी। बैठक में पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना बीमा अधिकरण द्वारा मोटर दुर्घटना से सम्बंधित लम्बित प्रकरणों के शीघ्र निस्तारण कराने पर बीमा कम्पनी के अधिवक्तागण एवं नेशनल इन्श्योरेंस कम्पनी के अधिकारीगण को निर्देश दिया गया, जिससे अधिक से अधिक पीड़ित एवं दुर्घटनाग्रस्त

व्यक्तियों को इसका लाभ मिल सके। पीठासीन अधिकारी मोटर दुर्घटना दावा अधिकरण ने यह भी कहा कि दुर्घटना से पीड़ित व्यक्तियों के मुकदमों का समय से निस्तारण न होने के कारण सम्बंधित पीड़ित व्यक्ति को न्याय मिलने में विलम्ब होता है साथ ही साथ उन्हें घोर आर्थिक क्षति का सामना भी करना पड़ता है।बैठक कुँवर मित्रेश सिंह कुशवाहा, सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, मऊ, नीरज दीक्षित, विधि अधिकारी, नेशनल इंश्योरेंस कं0लि0 मऊ तथा क्रमशः विद्वान अधिवक्तागण बीमा कम्पनी, विनोद कुमार यादव, प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, दिलीप कुमार श्रीवास्तव, अरविन्द कुमार सिंह, प्रेम कुमार वर्नवाल, हरिद्वार राय, रमेश चन्द्र यादव एवं विकास भाई निकुम्भ अधिवक्ता/पत्रकार उपस्थित रहें।

संक्षिप्त खबरें

छात्र-छात्राओं ने रैली के माध्यम से लोगों से मतदान करने की अपील की

प्रखर गंभीरपुर /आजमगढ़। विकासखंड मोहम्मदपुर के गंभीरपुर मे स्थित क्षेत्र का प्रतिष्ठित शिक्षण संस्थान राजाराम स्मारक इंटर कॉलेज के बच्चों ने विद्यालय से निकलकर गंभीरपुर बाजार में स्वीप योजना के अंतर्गत मतदान के लिए जागरूकता रैली निकाली तथा साथ साथ बच्चों ने अपने हाथों में मतदाताओं को मतदान हेतु प्रेरित करने के लिए स्लोगन लिखित तख्तियां लिए हुए थे। जिस पर जन जन का यह नारा है मतदान अधिकार हमारा है, वोट हमारा अधिकार नहीं करेंगे हम बेकार, लोकतंत्र की शान अवश्य करें मतदान, नर हो या नारी अबकी है मतदान की बारी, मेरा वोट मेरी आवाज, वोट हमारा है अधिकार के नारे बच्चे लगा रहे थे। इस अवसर पर शुभम मौर्य, धर्मेंद्र तिवारी, रीना मौर्या,राजकुमार, चेतन चौहान, अभिषेक तिवारी, अजय विश्वकर्मा, राम विजय सिंह, दीपक विश्वकर्मा समेत अन्य लोग उपस्थित रहे।

बलिदान के प्रति एक पुष्प भी चढ़ाने की जहमत नहीं उठाई- बसपा प्रत्याशी

मधुबन, मऊ। विधानसभा 353 मधुबन के बसपा प्रत्याशी द्वारा अपने समर्थन में दर्जनों समर्थकों के साथ गुरुवार की सायं कस्बा स्थित केंद्रीय चुनाव कार्यालय से बनियाबान तिराहे तक पदयात्रा निकाली गई। इस दौरान बसपा प्रत्याशी ने शहीद स्मारक पर शहीदों द्वारा दिए गए बलिदान के प्रति एक पुष्प भी चढ़ाने की जहमत नहीं उठाई। इसको लेकर लोग प्रत्याशी को कोसते रहे। जबकि अन्य दलों के प्रत्याशियों द्वारा पूर्व में निकले गए पदयात्रा में शहीद स्थल पर माल्यार्पण कर पदयात्रा का शुभारंभ किया था। इस तरह से शहीदों की, की गई उपेक्षा को लेकर लोगों में रोष व्याप्त है।

बैंकों का आइएफएससी कोड बदलने से उपभोक्ता परेशान

दोकटी (बलिया)। बैंकों के एक दूसरे में मर्ज होने के कारण उपभोक्ताओं की परेशानी जटिल गई है। बैंकों का आइएफएससी कोड बदल गया है, जिससे मनरेगा मजदूर भुखमरी के कगार पर पहुंच गए हैं। वहीं किसानों का सम्मान निधि, बच्चों की छात्रवृत्ति, प्राथमिक विद्यालय के बच्चों के ड्रेस, विद्यालयों के रंगाई पोताई का पैसा समय से नहीं आ रहा है। इससे विकट समस्या उत्पन्न हो गई है। पूर्वांचल बैंक का बड़ौदा उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक, ओरिएंटल बैंक का पंजाब नेशनल बैंक, इलाहाबाद बैंक का इंडियन बैंक हो जाने से उसका आइएफएससी कोड बदल गया है। इसके चलते शासन स्तर से आने वाला पैसा फंस जाने के कारण हजारों लोग प्रभावित हो गए हैं। सरकारी योजनाएं सही रूप से संचालित नहीं हो पा रही है। पैसे के अभाव में मनरेगा मजदूर भुखमरी के शिकार हो गए हैं। जबकि अन्य योजनाओं का लाभ पात्रों को नहीं मल रहा है।

जहरीली शराब कांड के पीड़ितों को मिले 25-25 लाख मुआवजा

माहुल (आजमगढ़)। फूलपुर-पवई विधानसभा क्षेत्र के भाजपा प्रत्याशी रामसूरत राजभर के समर्थन में सुमहाडीह में गुरुवार सभा करने पहुंचे उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य को व्यापारियों ने माहुल में जहरीली शराब कांड के विरोध में ज्ञापन सौंपा। वैश्य समाज के फूलपुर तहसील क्षेत्र अध्यक्ष सुजीत जायसवाल आंसू के नेतृत्व में दिए गए ज्ञापन में मांग की गई कि शराब के सेवन से जिनकी मौत हुई है उनके परिवार को 25-25 लाख का मुआवजा दिया जाए और दोषियों को फांसी से कम की सजा न मिले। ज्ञापन में यह भी कहा गया है कि अवैध शराब से एक वर्ष में दो दर्जन लोगों की जान चली गई। इसमें संलिप्त पुलिस वालों को चिह्नित कर दंडित किया जाए।

पीडब्ल्यूडी के अभियंता सहित 12 कर्मियों को कारण बताओ नोटिस

ज्ञानपुर (भदोही)। उड़नदस्ता टीम में शामिल लोक निर्माण विभाग के अभियंता सहित 12 कर्मियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया गया है। पुलिस कर्मियों के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की संस्तुति की गई है। इसके साथ ही मतदान के 72 घंटे पहले जिला प्रशासन चौकन्ना हो गया है। प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में उड़नदस्ता टीम की संख्या बढ़ाकर नौ कर दी गई है। जिला निर्वाचन अधिकारी आर्यका अखौरी ने विधानसभा चुनाव को सकुशल एवं निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से तीन-तीन उड़नदस्ता टीम तैनात की हैं। प्रत्येक टीम में एक मजिस्ट्रेट, एक सब इंस्पेक्टर और चार सिपाही लगाए जाते हैं। बुधवार की रात डीएम के साथ एसपी डा. अनिल कुमार तीन उड़नदस्ता टीम के फिक्स प्वाइंट का औचक निरीक्षण किया था। इस दौरान खमरिया और धौरहरा प्वाइंट पर उड़नदस्ता टीम गायब मिली जबकि एक अन्य स्थान पर मुस्तैद रही।

वेबकास्टिग से क्रिटिकल बूथों की पल-पल होती रही निगरानी

बलिया। विधानसभा चुनाव में 95 क्रिटिकल बूथों पर वेबकास्टिग के जरिए प्रशासन पल-पल निगरानी कर रहा था। कलेक्ट्रेट सभागार में 15 विशेषज्ञों की टीम लगातार काम में जुटी थी। जनपद में 2828 में 1697 बूथों की लाइव वेब कास्टिग की गई। इसमें अधिकांश सीमावर्ती क्षेत्रों के बूथ शामिल थे। इन इलाकों में मतदान कराना प्रशासन के लिए आसान नहीं था। ऐसे में वेबकास्टिग बड़ा सहारा बनी। कुछ क्षेत्रों में थोड़ी देर के लिए नेटवर्क की समस्या भी आई। चुनाव आयोग के मुख्यालय में बैठे अधिकारियों को भी आसानी से जानकारी मिल रही थी। इस चुनाव में बूथों की संख्या बढ़ने के साथ ही फोर्स की डिमांड भी बढ़ गई थी। पिछले विधानसभा चुनाव में 75 कंपनी फोर्स मांगी गई थी। जिले में सात विधानसभा क्षेत्रों में 2828 मतदेय स्थल व 1404 मतदान केंद्र बनाए गए हैं। वर्ष 2017 में 2409 मतदेय स्थल व 1401 मतदान केंद्र बनाए गए थे।

अमित शाह और मुख्यमंत्री योगी भदोही में करेंगे चुनावी सभा

पीएम मोदी और योगी को पूर्वांचल से है बड़ी जीत की उम्मीद, सोनभद्र के दुद्धि और आजमगढ़ जाएंगे मुख्यमंत्री योगी

प्रखर भदोही । केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमितशाह और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ 05 मार्च यानी शनिवार को भदोही में अलग-अलग जगह जनसभा को

सम्बोधित करेंगे। जबकि मुख्यमंत्री पूर्वांचल में सोनभद्र,भदोही के बाद आजमगढ़ में चुनावी जनसभा को सम्बोधित करेंगे। सातवें और अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार का अंतिम दिन होगा। पूर्वांचल से भाजपा को अत्यधिक उम्मीद है। प्रधानमंत्री मोदी और मुख्यमंत्री योगी ताबड़तोड़ कर रहें हैं जनसभाएं। कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी भी सभा को सम्बोधित करेंगे।

पूर्वांचल के कई जिलों में 07 मार्च को वोटिंग होगी। जिसमें वाराणसी, मिजार्पुर, सोनभद्र,भदोही जौनपुर, आजमगढ़ और दूसरे जनपद शामिल है। पूर्वांचल में भाजपा अच्छे की प्रदर्शन की उम्मीद कर रही है। उसका सीधा मुकाबला समाजवादी पार्टी से हो रहा है। लेकिन बसपा को कम आंकना भूल होगी। पूर्वांचल में भाजपा पिछला प्रदर्शन दोहरा पाती है या कि नहीं यह देखना होगा।

केंद्रीय गृहमंत्री अमितशाह जनपद मुख्यालय ज्ञानपुर के सरपतहाँ में सातवें और अंतिम चरण के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। अपरान्ह 3:00 बजे एक चुनावी सभा को संबोधित करेंगे। 2017 के विधानसभा चुनाव में भी केंद्रीय मंत्री ज्ञानपुर के में अंतिम दिन ही चुनावी सभा को संबोधित किया था। ज्ञानपुर में निषाद पार्टी और भाजपा के गठबंधन उम्मीदवार विपुल दुबे जबकि भदोही से रविंद्रनाथ त्रिपाठी और औराई से दीनानाथ भाष्कर के लिए सभा को सम्बोधित करेंगे।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की पहली सभा सोनभद्र के दुद्धी में आयोजित होगी। दोपहर बाद मुख्यमंत्री की सभा आयोजित की गई। उसके बाद भदोही की औराई विधानसभा के उपरौठ में मुख्यमंत्री एक चुनावी जनसभा को संबोधित करेंगे। यहां औराई सुरक्षित सीट से भाजपा उम्मीदवार दीनानाथ भाष्कर के लिए वोट मांगेंगे। दीनानाथ भाष्कर का यहां सीधा मुकाबला समाजवादी पार्टी के अंजनी सरोज से है। वर्तमान में दीनानाथ विधायक हैं। मुख्यमंत्री यहां दोपहर 12:40 बजे जनसभा को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ औराई में जनसभा संबोधित करने के बाद सीधे भदोही विधानसभा में भाजपा उम्मीदवार रविंद्र नाथ त्रिपाठी के लिए चुनाव प्रचार करेंगे। रविंद्रनाथ त्रिपाठी पर भाजपा ने दोबारा विश्वास जताया है। वर्तमान समय में त्रिपाठी भाजपा के विधायक हैं। मुख्यमंत्री की सभा मोढ़ में आयोजित की गई है। भाजपा कार्यकर्ता और संगठन ने मुख्यमंत्री की सभा को सफल बनाने के लिए पूरी ताकत झोंक दी है। 1:40 पर मुख्यमंत्री यहां सभा को संबोधित करने के बाद सीधे आजमगढ़ के लिए उड़ जाएंगे।

कांग्रेसी नेता इमरान प्रतापगढ़ी भी औराई में कांग्रेस उम्मीदवार संजू कनौजिया और भदोही में वसीम अंसारी के लिए अपना चुनाव प्रचार करें। 11:00 बजे औराई और भदोही में दोपहर 12:00 बजे सभा को संबोधित करेंगे।

सपा व बसपा की सरकार प्रदेश में केवल लूटने का काम किया है : डॉ. संजय निषाद

प्रखर चंदवक जौनपुर। यूपी विधानसभा चुनाव के सातवें व आखिरी चरण के लिए शुक्रवार की दोपहर डोभी क्षेत्र के रामगढ़ में भाजपा, अपना दल,निषाद पार्टी के प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा का आयोजन किया गया। जिसमें निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. संजय निषाद ने कहा कि इस विधानसभा चुनाव में सपा बसपा का सफाया हो जाएगा और एक बार फिर योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में एनडीए की सरकार बनेगी। उन्होंने कहा कि सपा बसपा की सरकारों ने जहां प्रदेश को लूटने का काम किया वहीं योगी की सरकार ने प्रदेश का हर क्षेत्र में विकास किया है। मोदी योगी की सरकार ने कोरोना काल में किसी गरीब को भूखे पेट नहीं सोने दिया।

महीने में दो बार फ्री राशन दिया। गरीबों को पांच लाख तक का इलाज कराने का स्वास्थ्य वीमा का अधिकार दिया। डॉ. निषाद ने सपा सरकार के अत्याचार की याद दिलाते हुए पार्टी कार्यकताओं से कहा कि जब निषाद पार्टी के कार्यकर्ता अपने हक व अधिकार के लिए 2015 में संघर्ष कर रहा था उस समय सपा सरकार ने कार्यकताओं पर गोलियां चलवाने का कार्य किया जिससे एक कार्यकर्ता मारा गया। उन्होंने उपस्थित जनसमुदाय से एनडीए गठबंधन के प्रत्याशी को जिताने का बचन लिया। इससे पूर्व पार्टी कार्यकताओं ने माल्यार्पण कर स्वागत किया। इस अवसर पर निषाद पार्टी के जिलाध्यक्ष प्रेम नरायन बिन्द, डॉ. अजयेन्द्र दुबे, राजेश्वरी सिंह, संजय पांडेय, राम समझ निषाद, इन्द्रजीत निषाद आदि उपस्थित थे।

श्री राष्ट्रीय राजपूत करणी सेना द्वारा पूरे भारत में 16वां स्थापना दिवस मनाया गया

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। करणी सैनिकों ने राजर्षि उद्यान (भोजूबीर) में बड़े ही धूमधाम से स्थापना दिवस मनाया। राजर्षि जी की प्रतिमा और अपने करणी सेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष (सुखदेव सिंह गोगामेडी) एवं प्रदेश अध्यक्ष (राकेश सिंह रघुवंशी) पर सभी ने माल्यार्पण किया। अपने साथ साथ वहां उपस्थित क्षेत्रीय लोगो को भी मिठाई बांटी गई। जिस समय करणी सैनिक स्थापना दिवस मना रहे थे ठीक उसी समय उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का काफिला गुजर रहा था फिर करणी सैनिकों का जोश कई गुना बढ़ गया और जय श्री राम का नारा लगाने लगे। जिलाध्यक्ष आलोक कुमार सिंह ने कहा कि आज का दिन बड़े शौभाग्य और संयोग का है, मेरे इस जीवन काल में कभी न भूलने वाला दिन बन गया है। जिस समय हम अपने संगठन का स्थापना

दिवस मनाते हुए अपने बब्बर शेरों को माला पहना रहे थे ठीक उसी समय उत्तर प्रदेश का एक और बब्बर शेर एवं मुखिया का आगमन हुआ है जिन्हें हम 10 तारीख को पूरा प्रदेश माल्यार्पण करेगा। करनी सैनिकों के तरफ से मुख्य रूप से डॉ सुनील सिंह (प्रदेश उपाध्यक्ष), सुधीर सिंह संगम (जिला प्रभारी), रामजी सिंह (वरिष्ठ सलाहकार), आनंद कुमार सिंह (एडवोकेट), अखिलेश्वर कुमार सिंह (प्रवक्ता), रामाश्रय सिंह (जिला महामंत्री), राकेश सिंह ऋषि (जिला सचिव), दुष्यंत सिंह (सचिव), पुरषोत्तम सिंह (मीडिया प्रभारी), ईश्वर सिंह पिंटू (विधानसभा उपाध्यक्ष), राजेश सिंह (संरक्षक), शिव प्रताप सिंह (विधानसभा अध्यक्ष), राजीव सिंह, दीनानाथ सिंह, संदीप सिंह राजन, आलोक कुमार सिंह (जिला अध्यक्ष) व अन्य उपस्थित रहे।

नुक्कड़ नाटक, कठपुतली नृत्य कर बच्चों ने निकाली मतदाता जागरूकता रैली

मुख्य अतिथि रहे खंड शिक्षा अधिकारी शशिकांत श्रीवास्तव, बीईओ ने अभिभावकों को किया सम्मानित

प्रखर वाराणसी। कार्यक्रम का शुभारंभ माँ सरस्वती की वंदना एवं माल्यार्पण,दीप प्रज्वलन मुख्य अतिथि के द्वारा किया गया। प्राथमिक विद्यालय दरेखूँ के बच्चों द्वारा सरस्वती वंदना नुक्कड़ नाटक, कठपुतली नृत्य एवं शिव तांडव की मनमोहक प्रस्तुति दिए। साथ में प्राथमिक विद्यालय मुंगवार के बच्चों द्वारा

नुक्कड़ नाटक स्लोगन एवं मतदाता जागरूकता आधारित गीत पर नृत्य कर शानदार प्रस्तुति दी गई। विद्यालय के समस्त स्टाफ एवं अतिथि गण शिक्षक संकुल एवं बच्चों के संग गाँव में मतदाता जागरूकता की रैली निकाली गई। कार्यक्रम में उपस्थित बच्चों के अभिभावकों को खंड शिक्षा अधिकारी शशिकांत श्रीवास्तव जी के द्वारा शॉल देकर सम्मानित किया गया। अभिभावकों से अपील की गई कि आप सभी अपना मतदान 7 मार्च को अवश्य करें। जिससे शत -प्रतिशत मतदान हो सके। जिससे हमारी सरकार अच्छी बनेगी और हमारे देश का विकास होगा। कार्यक्रम में प्रस्तुति देने वाले सभी बच्चों को प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी वितरित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एआरपी अनिल तिवारी के द्वारा किया गया। कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक रीता यादव, विनीता दत्त, रुखसार अहमद, फेमिना परवीन, लक्ष्मी शर्मा, वीनू सिंह, सुमन सिंह, वरिष्ठ अध्यापक राजदेव, एआरपी परमा विश्वास, सुनीता सिंह, नोडल शिक्षक तृप्ता रानी, प्रतिमा सिंह, ममता पटेल, मनीष ,रेनू यादव, शालू यादव, बिट्टू यादव, बीडीसी मेंबर सुनीता देवी मालती देवी नैना देवी अमरावती देवी प्रीति सिंह इंदू सिंह एवं समस्त बीएलओ आदि लोग कार्यक्रम में उपस्थित हुए।

राष्ट्रीय सेवा योजना एक दिवसीय शिविर के चतुर्थ दिन पर मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन

प्रखर पूर्वान्चल वाराणसी। पांडेयपुर स्थित सुधाकर महिला शिक्षण संस्थान समूह में राष्ट्रीय सेवा योजना की एक दिवसीय शिविर के अंतर्गत चतुर्थ दिन पर मतदाता जागरूकता रैली का आयोजन किया गया । प्राचार्य व संस्था प्रमुख डॉक्टर प्रभु नारायण दूबे ने रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। डॉक्टर दूबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव हो रहे हैं इसलिए हर घर घर में जाकर स्वयंसेवी छात्राओं द्वारा मतदाताओं और क्षेत्रीय जनता को जागरूक करें। समन्यवक डॉ. अशोक कुमार पांडेय ने कहा कि शत प्रतिशत मतदान से ही एक स्वस्थ लोकतंत्र की स्थापना कर सकते हैं। रैली महाविद्यालय से होते हुए पांडेयपुर, दौलतपुर और छोटा लालपुर होते हुए और साथ ही आम जनता को मतदान के लिए जागरूक करते हुए पुनः महाविद्यालय में पहुंचकर समाप्त हुई। राष्ट्रीय सेवा योजना के रैली में स्वयंसेवी छात्राओं का निर्देशन प्रथम इकाई, डॉक्टर प्रतिमा श्रीवास्तव द्वितीय इकाई, डॉ. अनीता सिंह, तृतीय

डॉक्टर हेमा गुप्ता ने अपने अपने इकाइयों का नेतृत्व किया। इस अवसर पर उप प्राचार्या डॉ. रमा दूबे, निदेशक श्री आशीर्वाद दूबे ने भी अपने विचार व्यक्त किए। इस अवसर डॉक्टर श्याम सुंदर मिश्र, डॉ. शशि भूषण पांडेय, डॉ. सुजीत राय, श्री लोकेश चंद्र, डॉक्टर धम्म प्रिय गौतम, डॉ. विष्णु गुप्त, डॉ. अवनीश कुमार पांडेय, डॉ. उषा उपाध्याय, डॉ. अवनीश उपाध्याय, डॉ.मंजू त्रिपाठी, डॉ. सरोज सिंह, श्री सुनील पांडेय, श्री सचिन पांडेय, डॉ. अनीता शर्मा, डॉक्टर प्रेम कुमार, डॉक्टर दीपक कुमार, सुश्री उषा यादव और डॉक्टर राजकुमार श्रीवास्तव ने अपना पूर्ण सहयोग प्रदान किया।

ग्राहक सेवा केन्द्रो को लूटने वाले अन्तर जनपदीय गिरोह का पर्दाफाश

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना मरदह पुलिस द्वारा जनपद गाजीपुर के ग्राहक सेवा केन्द्रो को लूटने वाले अन्तर जनपदीय गिरोह का पदार्फाश किया गया। पुलिस को मिली इस सफलता में तीन शातिर अभियुक्तगण लूट के कुल 22000/रू0 व चोरी की दो मोटरसाईकिल व तीन अवैध असलहो के साथ गिरफ्तार किये गए। पुलिस अधीक्षक द्वारा विधान सभा चुनाव के मद्देनजर अपराध एंव अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत 3 मार्च को प्रभारी निरीक्षक राजकुमार यादव थाना मरदह को सूचना प्राप्त हुयी कि ग्राम कंसहरी मे तीन मोटरसाइकिल के साथ चार बदमाश आये है, जिनको गांव वालो द्वारा पकड़ने का प्रयास किया गया, परन्तु वह भाग निकले है। सूचना पर प्रभारी निरीक्षक मरदह राजकुमार यादव मय हमराह पुलिस बल के साथ तत्काल पहुचकर कंसहरी गोआश्रय केन्द्र के पास घेराबन्दी कर तीन अभियुक्तगण को गिरफ्तार किया

तथा एक अभियुक्त मौके से फरार हो गया। गिरफ्तार अभियुक्तगण के कब्जे से दो अदद चोरी की मोटरसाईकिल अपाची जो थाना धूमनगंज प्रयागराज व थाना सरपतहा जनपद जौनपुर से चोरी हुयी मोटरसाईकिलो को बरामद किया गया तथा पिछले दिनो थाना नन्दगंज, थाना बिरनो, थाना गहमर स्थित ग्राहक सेवा केन्द्रो से लूट की रकम 22000/रूपया बरामद हुआ है तथा तीन अदद अवैध असलहे भी अभियुक्तगण के कब्जे से बरामद हुये है। गिरफ्तार अभियुक्तगण के बिरूद्ध थाना स्थानीय पर मु.अ.सं.- 39/22 धारा 411/419/420 भा.द.सं., मु.अ.सं.- 40/22 धारा 3/25 आयुध अधिनियम, मु.अ.सं.- 41/22 धारा 3/25 आयुध अधिनियम, मु.अ.सं.- 42/22 धारा 3/25 आयुध अधिनियम का अभियोग पंजीकृत करके विधिक कार्यवाही की जा रही है। घटना मे फरार एक अन्य अभियुक्त की तलाश की जा रही है। पुलिस द्वारा बताया गया कि गिरफ्तार अभियुक्तगण के बिरूद्ध विभिन्न जनपदो सुल्तानपुर, आजमगंढ, गाजीपुर, लखनऊ आदि के विभिन्न थानो मे दर्जनो मुकदमे पंजीकृत है। गिरफ्तार किये गए अभियुक्तगणों के नाम क्रमशः विशाल सिंह पुत्र स्व. गुलाब सिंह निवासी खानपुर थाना सरायमीर जनपद आजमगढ़, अभिषेक राम उर्फ बन्टी पुत्र वंशराज निवासी बाला सरसौली थाना बहरियाबाद जनपद गाजीपुर, बृजेश कुमार पुत्र राजेन्द्र प्रसाद निवासी सरायखाना उर्फ गोविन्दपुर थाना कोतवाली जनपद गाजीपुर व फरार अभियुक्त का नाम अजय यादव पुत्र सतीराम यादव निवासी पवईलाडपुर थाना सरायमीर जनपद आजमगढ बताया गया है। इस गिरोह का पदार्फाश करते हुए गिरफ्तारी करने वाली टीम में प्रभारी निरीक्षक राजुकमार यादव थाना, उ.नि. भूपेन्द्र कुमार निषाद चौकी प्रभारी मटेहू, उ.नि. विवेक कुमार पाठक, हे.का. रमेश चन्द्र सरोज, बृजेश कुमार यादव, का. महेन्द्र कुमार यादव, का. संदीप कुमार पाण्डेय, का. बिजय प्रताप दूबे शामिल रहे।

अराजक तत्वों ने प्राचीन शिव मंदिर में रखे शिवलिंग को किया क्षतिग्रस्त

प्रखर अहरौरा मिजार्पुर। स्थानीय थाना क्षेत्र में स्थित बेलखरा ग्राम पंचायत के दक्षिण तरफ अहरौरा बांध के किनारे बने अति प्राचीन महादेवा मंदिर में स्थापित शिवलिंग को अराजक तत्वों ने गुरुवार की रात्रि पत्थर से मारकर तोड़ दिया सुबह जब मंदिर में साफ सफाई एवं पूजा करने पुजारी रोहित उर्फ मंगल पहुंचा तो टूटा हुआ शिवलिंग देखकर उसके होश उड़ गए और उसने इसकी जानकारी आसपास के लोगों को दी देखते देखते सैकड़ों की संख्या में लोग मंदिर पर उपस्थित हो गए और जिस अराजक तत्वों ने शिवलिंग को को तोड़ा है उसको तत्काल गिरफ्तार कर ने की मांग करने लगे । पुजारी रोहित उर्फ मंगल ने पुलिस को प्रार्थना पत्र देकर बताया कि मंदिर के पुनर्निर्माण का कार्य इन दिनों चल रहा है जिस से ऊपर का छत खुला हुआ है और मंदिर में सामने चैनल लगा हुआ है । शुक्रवार को वह सुबह जब मंदिर में पूजा एवं साफ सफाई करने के लिए पहुंचा और चैनल का ताला खोलकर अंदर गया तो देखा कि मंदिर में स्थापित शिवलिंग एक तरफ

झुका हुआ है उसको जब वह सीधा करना चाहा तो देखा कि शिवलिंग टूटा हुआ है। और शिवलिंग दो भाग में अलग हो गया यह देख पुजारी काफी परेशान हुआ और इसकी जानकारी तत्काल पुलिस को दी । इस संबंध में एसआई गिरेंद्र राय का कहना है कि घटना की जांच कर आरोपी को पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। वही शिवलिंग तोड़े जाने से आसपास के लोगों में आक्रोश व्याप्त है ।

संक्षिप्त खबरें

अवैध असलहों के साथ 2 शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

प्रखर ब्यूरो गाजीपुर। थाना नन्दगंज व स्वाट टीम द्वारा 2 शातिर अभियुक्तो को 2 अवैध असलहे के साथ गिरफ्तार करने में उल्लेखनीय सफलता प्राप्त की गयी। विधान सभा चुनाव के मद्देनजर अपराध एंव अपराधियो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के तहत 3 मार्च को समय 11.30 ढट बजे थानाध्यक्ष नंदगंज मय हमराहियान व स्वाट टीम प्रभारी मय हमराह सहेड़ी हाइवे तिराहा पर भ्रमणशील थे कि तभी सूचना मिली कि सहेड़ी की तरफ दो व्यक्ति दो पहिया वाहन से शस्त्र एवं कारतूस के साथ मुड़वल प्राथमिक पाठशाला की ओर अपराध करने की नियत से आ रहे हैं। सूचना पर तत्काल कार्यवाही करते हुए थानाध्यक्ष धीरेन्द्र प्रताप सिंह मय हमराह मय स्वाट टीम प्रभारी मय हमराह के द्वारा मुड़वल स्थित प्राथमिक पाठशाला के पास के पहुचकर सहेड़ी की ओर से आने जाने वाले संदिग्ध व्यक्तियो एवं वाहन की चेकिंग किये जाना लगा। इसी दौरान सहेड़ी की तरफ से बुलट मोटर साइकिल पर सवार दो व्यक्ति आते हुए दिखाई दिये। जिन्हे दबिश देकर गिरफ्तार कर लिया गया। नाम पता पूछे जाने पर अभियुक्तों ने अपना नाम विशाल सिंह पुत्र स्व. धर्मराज सिंह निवासी आंकुशपुर थाना नन्दगंज गाजीपुर तथा अभिषेक यादव पुत्र चन्द्रभान यादव निवासी करदह कैथौली थाना मरदह जनपद गाजीपुर बताया। दोनो अभियुक्तो के जामा तलाशी के दौरान शस्त्र एवं कारतूस व जेब से 345 रूपया बरामद किया गया। अभियुक्तो के विरूद्ध थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0 33/2022 धारा 3/25 शस्त्र अधिनियम पंजीकृत किया गया। अभियुक्तों की गिरफ्तारी मे शामिल पुलिस टीम में एस.ओ. धीरेन्द्र प्रताप सिंह, राकेश कुमार सिंह स्वाट टीम प्रभारी, उ.नि. सुरेन्द्र नाथ सिंह, हे.का. अखिलेश वर्मा, हे.का. प्रेम शंकर, का. प्रमोद कुमार, का. संतोष कुमार, का. अंकित सिंह, का. धर्मेन्द्र कुमार शामिल रहे।

अंतिम दिन रिजर्व व छूटे हुए कार्मिकों ने किया रिकॉर्ड तोड़ मतदान

प्रखर जौनपुर। तिलकधारी सिंह इंटर कॉलेज में द्वितीय चरण के प्रशिक्षण के समय दोनों सत्रों में प्रशिक्षण के उपरांत उत्साहित कर्मचारियों एवं शिक्षकों ने समस्त नौ विधानसभाओं के फैसिलिटेशन सेंटर्स पर बैलट पोस्ट द्वारा विगत मुख्य प्रशिक्षण दिनों की अपेक्षा अंतिम दिन रिजर्व एवं छूटे हुए कार्मिकों द्वारा रिकॉर्ड तोड़ मतदान किया। ज्ञातव्य है कि प्रशिक्षण में लगे कर्मचारियों एवं शिक्षकों द्वारा दिनांक 24 फरवरी को 1195, 25 फरवरी को 1696, 26 फरवरी को 1543, 27 फरवरी को 1681, 28 फरवरी को 1674, 01 मार्च को 1776 एवं 02 मार्च को 1703 एवं 3 मार्च को 1422 बैलट मतों का प्रयोग पूरी पारदर्शिता एवं शांतिपूर्वक किया गया, जिससे अब तक जनपद जौनपुर के कुल 12680 मतदान कर्मियों ने बैलट से मतदान किया। अटेवा पेंशन बचाओ मंच जौनपुर द्वारा मतदाता जागरूकता कार्यक्रम कराया गया था, जिसका असर हुआ कि शिक्षक /कर्मचारियों ने जमकर वोटिंग किया। कर्मचारियों में बहुत उत्साह देखने को मिला। प्रशिक्षण स्थल पर अटेवा के जिला मीडिया प्रभारी इंदुप्रकाश यादव, महामंत्री संदीप कुमार चौधरी, संगठन मंत्री संदीप यादव , जगदीश यादव , डॉ रजी अहमद ने सभी शिक्षक /कर्मचारियों का भरपूर सहयोग कर मतदान करवाया।

शत प्रतिशत मतदान से मजबूत होगी लोकतांत्रिक व्यवस्था- ई. राहुल

प्रखर केराकत जौनपुर। क्षेत्र के बरमलपुर चंदवक के निजी विद्यालय में अखिल वैश्विक क्षत्रिय महासभा ट्रस्ट के तत्वावधान में मतदाता जागरूकता अभियान कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें बतौर मुख्य अतिथि संबोधित करते हुए संस्था के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष इं. राहुल सिंह ने कहा कि लोकतंत्र की मजबूती के लिए शत प्रतिशत मतदान जरूरी है इसलिए इस लोकतांत्रिक चुनावी प्रकिया में अधिकाधिक लोगों की सहभागिता आवश्यक है। नागरिकों को लोकतंत्र की मजबूती के लिए मतदान अवश्य करना चाहिए साथ ही लोगों को इसके लिए प्रेरित करना चाहिए। पांच साल में एक बार होने वाले चुनाव में मतदान के प्रति लोगों की अरुचि चिंता का विषय है। हम सबकों इस पर गंभीरता से विचार करना चाहिए।मतदान के प्रति लोगों को सचेष्ट करना पड़ेगा। कार्यक्रम में इकोनॉमिक्स विभाग के हेड डॉ. रमाशंकर सिंह ने लोकतांत्रिक व्यवस्था व चुनाव प्रक्रिया के विशेषताओं को विस्तार से बताते हुए कहा शत-प्रतिशत मतदान करने के प्रति लोगों को प्रेरित करने की अपील की।

प्रखर पूर्वांचल

RNIUPHIN/2016/68754

मुद्रक प्रकाशक 'पंकज सिंह' के लिए सम्पादक 'अरूण सिंह' द्वारा 'गायत्री प्रिंटिंग प्रेस' सकलेनाबाद नियर दुर्गा चौक, गाजीपुर पिन कोडः 233001 से छपवाकर कनेरी गाजीपुर से प्रकाशित

सम्पादकीय कार्यालयः 9/10, टैगोर मार्केट, कचहरी, गाजीपुर पिन कोडः 233001

सम्पर्क सूत्रः 0548-2223833, +91-8858563779 +91-9450208067, +91-9452844802

सभी विवाद गाजीपुर न्यायालय के अधीन होगें।

ताजा खबर पढ़ने के लिए लॉगइन करें हमारी वेबसाइट
https://prakharpurvanchal.com
Email ID: prakharpurvanchal@gmail.com

सांध्य दैनिक प्रखर पूर्वांचल अखबार के सभी पद अवैतनिक हैं